{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026
कार्तिक कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 39
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	73,246.03
निफ्टी	-	22,698.85
सोना	-	152218
चांदी	-	2,20,000
डॉलर	-	95.14

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मेकअप बचाने के चक्कर में भगदड़ मची

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने कहा है कि चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में बारिश के दौरान कपड़े और मेकअप बचाने के लिए महिलाएं बाहर निकलने वाले गेट पर जमा हो गई थीं। भीड़ बढ़ने से धक्का-मुक्की हुई और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे, जिससे भगदड़ मची। यह घटना 17 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे हुई थी। भगदड़ में 19 लोगों की मौत हुई। पुलिस अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें दो पर पंडाल का एक हिस्सा गिरने की घोषणा कर अफरा-तफरी फैलाने का आरोप है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, गेट से करीब 11 फीट दूर पहला व्यक्ति गिरा था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि पंडाल में महिला वॉलेंटियर और पुलिसकर्मी पर्याप्त संख्या में तैनात थे या नहीं।

प्रयागराज में 5 करोड़ कैश जमीन में गड़े मिले

प्रयागराज। प्रयागराज में जमीन के नीचे गड़े तीन ड्रमों से 5 करोड़ से अधिक के कैश मिले हैं। ड्रमों में 500-500 रुपए के नोटों की गड्डियां भरी हुई थीं। पुलिस ने 4 लोगों को हिरासत में लिया है। मामला जिला मुख्यालय से 32 किमी दूर नवाबगंज के बरईपुर रामनगर गांव का है। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली कि बरईपुर रामनगर निवासी राकेश यादव उर्फ महाकाल के घर में चोरी के रुपए जमीन में गाडकर रखे गए हैं। सूचना मिलते ही डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार और एडीसीपी गंगानगर पुष्कर वर्मा समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इससे पहले पुलिस ने पूरे गांव की बिजली कटवा दी। फिर सर्च अभियान शुरू किया। घर की तलाशी के दौरान जमीन में दबाकर रखे गए तीन ड्रम मिले। इनमें नोटों की गड्डियां भरी हुई थीं। पुलिस ने कैश को कब्जे में लेकर सील कर दिया।

आजम और उनके बेटे को हाईकोर्ट से राहत

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को डबल पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। गुरुवार को हाईकोर्ट ने दोनों की जमानत याचिका पर अहम फैसला सुनाते हुए दोनों की 10 साल की सजा को निलंबित कर दिया और दोनों की जमानत मंजूर कर ली। हालांकि कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से मना कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला आजम तो जेल से बाहर आ जाएंगे, लेकिन आजम खान के जेल से बाहर आने पर अभी पेंच फंसा है क्योंकि आजम खान के खिलाफ अभी दो और मामले पेंडिंग हैं जिसमें पुलिस ने वारंट नहीं लिया है। इसमें एक केस ईडी और दूसरा विजिलेंस का है।

कुछ ना कहना

कांग्रेस अध्यक्ष के आवास, 10 राजाजी मार्ग पर आज इंडिया ब्लॉक आयोजित करेगा संसद का मॉक सत्र...

जनता की आदालत में ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग

स्पीकर की चेयर पर बैठेंगी मीरा कुमार, खड़गे लाएंगे मोशन

नई दिल्ली। कांग्रेस की अगुआई में इंडिया ब्लॉक शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक अनूठा राजनीतिक प्रदर्शन करने जा रहा है। इसमें संसद का मॉक सत्र आयोजित किया जाएगा और ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए महाभियोग जैसी कार्यवाही का प्रतीकात्मक मंचन होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे इस पूरी कवायद में अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार इस मॉक संसद सत्र की अध्यक्षता करेंगी। कार्यक्रम पहले दिल्ली के अशोका होटल में होना था, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के बाद अब इसे खडगे के आवास, 10 राजाजी मार्ग पर आयोजित करने की तैयारी है।

दरअसल कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सचमुच में महाभियोग लाना चाहती है। इससे पहले कांग्रेस मॉक महाभियोग के जरिये दबाव बनाना चाहती है। इसलिए इस पहल को वास्तविक संवैधानिक कार्यवाही के बजाय एक राजनीतिक प्रतीकात्मक आयोजन के तौर पर देखा जा रहा है। इस आयोजन में विपक्षी सांसदों के साथ कानूनी विशेषज्ञ, वकील, न्यायविद और एसआईआर से प्रभावित होने का दावा करने वाले आम लोगों को भी शामिल किया जाएगा। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह साफ कर दूं, चाहे कुछ भी हो जाए, हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक मोदी-शाह की कठपुतली ज्ञानेश कुमार को हटा नहीं दिया जाता। अगर वे हमें यहां रोकते हैं, तो हम अमित शाह के घर, पीएम मोदी के घर जाएंगे, और वहां एक बड़ा धरना देंगे। लेकिन हम आखिर तक लड़ेंगे, और जब तक हमारा मिशन पूरा नहीं हो जाता।

रविवार की रैली के लिए जुटाई जा रही भीड़

रविवार को रामलीला मैदान में होने वाली रैली के लिए कांग्रेस के बड़े नेता तैयारियों में जुटे हैं। प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल समेत वरिष्ठ नेता राज्यों के नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिल्ली लाया जा सके। कांग्रेस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अपनी इकाई से कम से कम 25,000 लोगों को रैली में लाने को कहा है। राज्य के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। दिल्ली के आसपास के राज्यों के सांसदों और नेताओं को भी बड़ी संख्या में लोगों को जुटाने का लक्ष्य दिया गया है। एक सांसद ने कहा कि दिल्ली के पड़ोसी राज्यों हरियाणा और उत्तर प्रदेश की कांग्रेस इकाइयों के बीच ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाने की होड़ लगी है।

एसआईआर और वोट चोरी के आरोपों पर आर-पार

विपक्ष का यह कदम चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्क्रूक प्रक्रिया को लेकर चल रहे विवाद के बीच आया है। इंडिया ब्लॉक के दलों का आरोप है कि मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों और मतदाताओं के नाम काटे जाने के मामलों पर चुनाव आयोग ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। विपक्ष ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है। इससे पहले भी विपक्ष संसद में ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नोटिस देने की कोशिश कर चुका है। इस साल अप्रैल में लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों ने ऐसे नोटिस खारिज कर दिए थे। विपक्ष अब फिर से संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। मॉक महाभियोग के एक दिन बाद यानी 1 नवंबर को को इंडिया ब्लॉक ने दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली और दिल्ली चलो मार्च की योजना बनाई है। इस तरह विपक्ष इस आयोजन के जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ अपने अभियान को राजनीतिक धार देने और एसआईआर के मुद्दे पर समर्थकों को एकजुट करने की कोशिश में है।

कैंसर का 80 हजार का इंजेक्शन 7 हजार में मिलेगा

543 दवाओं के दाम घटे; नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी

नई दिल्ली। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) के फैसले के बाद 397 यानी 73 प्रतिशत दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत से ज्यादा और 50 में 80 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 रुपए से घटाकर 7,150 रुपए कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 रुपए से घटकर 2,720 रुपए हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एनपीपीए से सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही है। इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, 146 ब्रांड-पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकार ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को एनपीपीए के 30 प्रतिशत तक सीमित किया है।

कुछ महंगी दवाओं के दाम कम नहीं हुए

कैंसर की कई दवाओं के दाम घटाए गए हैं, लेकिन कुछ महंगी दवाओं की कीमतें पहले जैसी ही हैं। इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीट्रूडा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से ज्यादा तरह के कैंसर के इलाज में होता है। इसकी कीमत अभी भी 2,16,500 रुपए है। ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत भी 24,435 रुपए पर बनी हुई है। इसके अलावा टैग्रिसो, टेसेंट्रिक, डर्जालेक्स और इम्फिंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेटेंट वाली दवाओं के दाम घटाना मुश्किल है, क्योंकि ये नई तकनीक और पेटेंट अधिकारों से जुड़ी होती हैं। कीमतें कम होने पर कंपनियां भारत में इनकी सप्लाई घटा या बंद कर सकती हैं।

छह राज्यों में 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिक मिले, मतदाता सूची से हटाए जाएंगे नाम

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे सिस्टमैटिक आइडेंटिफिकेशन एंड रिव्यू (एसआईआर) अभियान के तहत एक अहम जानकारी सामने आई है। इस अभियान के तहत छह राज्यों में करीब 1600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने हैं। एसआईआर का काम इन छह राज्यों में पूरा हो चुका है और कुछ अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। यह कदम मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखने और यह तय करने के लिए अहम है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकें।

एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन 1,600 संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है, उनकी संख्या इन छह राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या के मुकाबले बहुत कम है। इन छह राज्यों में रहने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 9.86 करोड़ है, जिससे पता चलता है कि यह अभियान बड़े पैमाने पर नहीं, बल्कि लक्षित रूप से त्रुटियों को सुधारने पर केंद्रित है। यह निर्वाचन आयोग की निरंतर कोशिशों का हिस्सा है ताकि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अपात्र व्यक्ति के नाम को समाप्त किया जा सके।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि कर्नाटक में एसआईआर के तहत अंतिम मतदाता सूची से 99.7 लाख नाम हटाए गए हैं। इस प्रक्रिया में अधिकारियों ने 716 विदेशी नागरिकों की पहचान की है जिन्हें सूची से हटाया जाना है। इनमें बेंगलुरु उत्तर से 545 नेपाली नागरिक भी शामिल हैं, जो बड़ी संख्या में हैं। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी अनबुकुमार ने भी विदेशी नागरिकों की पहचान की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी संख्या निश्चित रूप से 1,000 से कम है। अन्य राज्यों और जिलों में भी ऐसी ही पहचान की गई है। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कन्नड़ में 40 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई, जिनमें नेपाल के 17, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के 6-6, कनाडा के 5, ब्रिटेन के 2, और नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड और नॉर्वे के 1-1 नागरिक शामिल हैं।

इसी तरह उत्तर कन्नड़ में 22 ऐसे मामले सामने आए, जिनमें नेपाल, पाकिस्तान, अमेरिका और बांग्लादेश के नागरिक शामिल थे। उडुपी में नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा समेत कई देशों के 47 विदेशी नागरिकों की पहचान की। एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों के पास मतदाता पहचान पत्र तो थे, लेकिन सत्यापन के दौरान वे अन्य आवश्यक दस्तावेज, जैसे स्कूल के प्रमाण पत्र या संपत्ति के रिकॉर्ड, पेश नहीं कर सके, जिससे उनकी नागरिकता पर शक पैदा हुआ।

लाठियों से मत डरिए, भाजपा हिम्मत नहीं करेगी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को देशभर के छात्रों से इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर किया जाएगा। राहुल गांधी ने छात्रों से कहा कि वे पुलिस और लाठियों से न डरें। उन्होंने दावा किया कि भाजपा में इस तरह की कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं होगी। राहुल गांधी एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले 'चलो दिल्ली रामलीला मार्च' का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल का प्रदर्शन नहीं होगा, बल्कि उन सभी लोगों का साझा विरोध होगा, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से परेशान हैं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो संदेश साझा करते हुए लिखा कि पुलिस की चिंता मत कीजिए, लाठियों से मत डरिए। भाजपा में इस तरह की हरकत करने की हिम्मत नहीं होगी। हमारे साथ मार्च में आइए। हम संविधान और देश की रक्षा के लिए साथ चलेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि डरने की कोई जरूरत नहीं है। मैं सभी छात्र संगठनों से अपील करता हूं कि वे हमारे साथ आएं, चाहे उनका किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ाव हो। अगर आपको लगता है कि भारत पर हमला हो रहा है, अगर आपको लगता है कि आप पर, आपकी अभिव्यक्ति, आपके विचारों और आपके सोचने के तरीके पर हमला हो रहा है, तो हमारे साथ जुड़िए।

इंडिया ब्लॉक से गठबंधन कर सकती है सीजेपी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने विपक्ष की 1 नवंबर की रैली का समर्थन किया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के लोग रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक से गठबंधन के संकेत भी दिए हैं। उसने इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। वहीं, राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं करें। घबराने की जरूरत नहीं है। इस रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के घर पर इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई।

मंदिर प्रवेश पर मद्रास हाईकोर्ट का सख्त रुख

गैर-हिंदुओं को श्रद्धा अनिवार्य

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने अहम फैसले में कहा है कि हिंदू मंदिरों में इसतरह के गैर-हिंदुओं को प्रवेश नहीं दिया जा सकता, जो वहां के प्रमुख देवता के प्रति श्रद्धा जताने से इंकार करते हैं। मद्रास अदालत ने स्पष्ट किया कि मंदिरों की सदियों पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों को राजनीतिक चमचागिरी और चुनावी दिखावे के आगे झुकने नहीं दिया जा सकता। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पी मुरुगन की पीठ ने टिप्पणी मंदिरों में प्रवेश से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान की। अदालत ने साफ किया कि उसका फैसला केवल आगमिक मंदिरों तक सीमित है, जहां पूजा-पद्धति प्राचीन आगम ग्रंथों के अनुसार तय होती है, जैसे मदुरै का प्रसिद्ध मीनाक्षी अम्मन मंदिर।

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक बदरुद्दीन मुस्तफा के मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाने पर सवाल उठाए, जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद सुविधाओं का जायजा लेने के लिए दौरा किया था। अदालत ने उनके कथित बयान पर आपत्ति जाहिर की, जिसमें सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही गई थी, और कहा कि मंदिरों की परंपराओं को राजनीतिक चापलूसी के आगे नहीं झुकाया जा सकता। अदालत ने तिरुवन्नामलाई के अरुणाचलेश्वर मंदिर में टोपी पहने कुछ लोगों के विरोध के बावजूद प्रवेश करने के वायरल वीडियो का उल्लेख किया, जिस पर मंदिर प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठे।

चक्रवाती तूफान अर्नब ने आंध्र और यनम में मचाई तबाही, 8 की मौत

अब कमजोर पड़ा तूफान, कई राज्यों में बारिश और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। साइक्लोन अर्नब ने बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश और यनम के तट पर तबाही मचाई। तूफान से अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। कहीं बिजली का करंट लगने से तो कहीं पेड़ गिरने से लोगों की जान गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक अर्नब ने तट पार करते समय 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ दस्तक दी, जबकि हवा की गति 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। यह बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान से कमजोर होकर गंभीर चक्रवाती तूफान बन गया। हालांकि, आंध्र प्रदेश और ओडिशा समेत कई इलाकों में बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक का खतरा बना हुआ है।

तूफान से जुड़ी घटनाओं में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम, अनकापल्ली, काकीनाडा, कोनसीमा समेत अन्य जगहों पर 8 लोगों की जान गई। अर्नब के आने से पहले आंध्र प्रदेश और ओडिशा में बड़े स्तर पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दोनों राज्यों में मिलाकर 1.8 लाख से ज्यादा लोगों को निकाला गया। तूफान के असर के चलते बुधवार को विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा आने-जाने वाली कई उड़ानें भी रद्द कर दी गई थीं।

मौसम विभाग के मुताबिक अर्नब का लैंडफॉल बापटला और विशाखापत्तनम के बीच, यनम के दक्षिण-पश्चिम में हुआ। तट पार करने की पूरी प्रक्रिया छह घंटे से ज्यादा समय तक चली। मौसम विभाग के मुताबिक तूफान का केंद्र आंध्र प्रदेश और यनम के तटीय क्षेत्र में था। यह नरसापुर से करीब 20 किलोमीटर पूर्व, यनम से 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम, काकीनाडा से 60 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम और मछलीपट्टनम से 90 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व में स्थित था। मौसम विभाग ने बताया कि तूफान का केंद्र पूरी तरह जमीन पर आ चुका है और तट पार करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है।

तटीय आंध्र प्रदेश में गुरुवार को भारी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है।

साइबर फॉड के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की जवाबदेही तय करते हुए कहा...

डिजिटल फ्रॉड के शिकार लोगों को बैंक दे मुआवजा

नई दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की जवाबदेही तय करने की जरूरत बताई है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि डिजिटल फ्रॉड के शिकार लोगों की सुरक्षा करना वित्तीय संस्थानों की जिम्मेदारी है। अगर जांच में सामने आता है कि बैंक ने जरूरी सावधानी नहीं बरती और इसी वजह से धोखाधड़ी हुई, तो पीड़ित को हुए नुकसान की कम से कम उतनी रकम की भरपाई की जानी चाहिए।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने कहा कि बैंकों को असामान्य लेनदेन पर नजर रखनी होगी। अगर कोई व्यक्ति आमतौर पर 10 या 20 हजार रुपये निकालता है, लेकिन अचानक 50 हजार रुपये निकालने लगे, तो बैंक को ऐसे ट्रांजैक्शन को फ्लैग करना चाहिए। कोर्ट ने संदिग्ध लेनदेन की ऑटोमैटिक रिपोर्टिंग और ट्रांजैक्शन की पुष्टि के लिए फिजिकल वेरिफिकेशन जैसे उपायों पर भी जोर दिया। चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि बैंकों का काम ग्राहकों को सुरक्षित रखना है, तो फिर वे इस जिम्मेदारी को कैसे निभा रहे हैं। कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक से अगली सुनवाई तक सभी अधिकृत वित्तीय संस्थानों की सूची देने को कहा। पीठ ने यह भी कहा कि वह ऐसे निर्देश जारी कर सकती है, जो अलग-अलग बैंकों को मामले में पक्षकार बनाए बिना सभी वित्तीय संस्थानों पर लागू होंगे।

इस साल 800 करोड़ रुपये का नुकसान

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले डिजिटल अरेस्ट के दर्ज मामलों में करीब 50 फीसदी की कमी आई है। उन्होंने इसका श्रेय सुप्रीम कोर्ट के दखल, सरकारी विभागों के साझा प्रयासों और जागरूकता अभियानों को दिया। हालांकि, चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इसके बावजूद इस साल देश को ऐसे अपराधों से करीब 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कोर्ट ने बैंक की जवाबदेही के साथ-साथ म्यूल अकाउंट्स की समस्या पर भी चिंता जताई। इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से मिले पैसे को हासिल करने और आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट अब आरबीआई के प्रस्तावित केवायसी अमेंडमेंट डायरेक्शंस , 2026 की भी जांच करेगा। कोर्ट यह देखेगा कि बैंकों की लापरवाही सामने आने पर पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए इसमें क्या प्रावधान हैं।

पटाखों पर प्रतिबंध की सुनवाई दिवाली के बाद, प्रदूषण पर गहराती चिंताएं

नई दिल्ली। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच पटाखों और आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने मामले की सुनवाई अगले हफ्ते तक टाली है, और अब दिवाली के बाद पटाखों में बेरियम की मात्रा पर विचार होगा।

याचिकाकर्ताओं ने चिंता जाहिर की कि सरकार को विचार-विमर्श के लिए दो सप्ताह का समय चाहिए, जबकि पटाखों की बिक्री, ढुलाई और डिलीवरी जारी है। उन्होंने ग्रीन क्रैकर्स के नाम पर बिक रहे भ्रामक लेबल वाले पटाखों पर भी सवाल उठाए, जिनकी प्रामाणिकता जांचने की कोई प्रभावी व्यवस्था या काम करने वाला क्यूआर कोड नहीं है।

एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि पटाखों से निकलने वाले पीएम2.5 जैसे सूक्ष्म कण फेफड़ों में पहुंचकर खून के जरिए शरीर में फैल सकते हैं। उन्होंने दिल्ली में 14-16 साल के धूम्रपान न करने वाले बच्चों के फेफड़ों में भी काले धब्बे देखने का जिक्र किया, साथ ही दिवाली के बाद अस्पतालों में सांस और गर्भावस्था संबंधी समस्याओं में वृद्धि की आशंका जाहिर की है। अपराजिता सिंह ने बताया किया कि ग्रीन पटाखे भी पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त नहीं हैं, सीएसआईआर और एनईईआरई के अनुसार, ये सामान्य पटाखों की तुलना में केवल 30 प्रतिशत कम प्रदूषण करते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि जब गंभीर प्रदूषण पर निर्माण कार्य रोकने और स्कूलों को ऑनलाइन करने जैसे कदम उठाए जाते हैं, तो पटाखों की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

पटाखा निर्माताओं के वकील जे.साई दीपक ने पूर्ण प्रतिबंध का विरोध कर कहा कि इससे कालाबाजारी, चीनी उत्पादों और बिना लाइसेंस वाले पटाखों की बिक्री बढ़ती है। उन्होंने नियमों का पालन करने वाले निर्माताओं को दोषी न ठहराने की अपील की।

पति की दीर्घायु के लिए सौभाग्यवती महिलाओं ने रखा निर्जल व्रत

छलनी में चांद और पति के चेहरे का किया दीदार, राम मंदिर सहित विभिन्न वार्डो में की गई माँ करवा की सामुहिक पूजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अखंड सौभाग्य का महापर्व करवाचौथ 29 अक्टूबर गुरुवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में धार्मिक विधि-विधान के साथ मनाया गया।जहां सुहागिन महिलाओ ने अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण कर भगवान शिव ,माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विशेष पूजा-अर्चना की।इसके अलावा सुहागिन व्रतधारी महिलाओ ने सोलह श्रृंगार कर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानो में भाग लिया।वही जगह जगह सामुहिक रूप माता करवा की कथा का वाचन कर माँ करवा की विशेष आराधना की गई।जहां रात को चंद्रोदय के बाद छलनी में चांद और अपने सुहाग के चेहरे का दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर महिलाओ व्रत खोला।

करवा चौथ को लेकर महिलाओ में दिखा उत्साह

अखंड सौभाग्य के इस व्रत को लेकर नगर की महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया।जहां महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण कर पूरे दिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए वही शाम के वक्त सोलह श्रृंगार कर नगर के राम मंदिर, सहित नगर के विभिन्न वार्डो में आयोजित सामूहिक धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। जहां उन्होंने माता करवा की कथा सामूहिक रूप से सुनकर, मां करवा की सामूहिक आरती उतारी, वही सामूहिक रूप से पूजा पाठ में भाग लिया।जिसके बाद देर शाम छलनी में चांद और पति का एक साथ दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर करवा चौथ का व्रत पूरा किया।

पति की दीर्घायु और परिवार में सुख समृद्धि के लिए रखा जाता है व्रतइसुहागिन महिलाएं

करवा चौथ व्रत और सामूहिक पूजा अर्चना के संदर्भ में की गई चर्चा के दौरान सुहागिन महिलाओं ने बताया की करवा चौथ का व्रत पति की दीर्घायु और सुख समृद्धि के लिए रखा जाता है ताकि परिवार में हमेशा सुख समृद्धि बनी रहे और पति की दीर्घायु हो। इसके अलावा उनके परिवार को हर मोड़ पर सफलता मिलती रहे।इसी उद्देश्य को लेकर सौभाग्यवती महिलाएं पूरे दिन निर्जल रहकर करवा चौथ का व्रत धारण करती हैं।जहा सुबह उठकर जल ग्रहण करते हैं फिर पूरा दिन निर्जल रहते हैं पूरे दिन व्रतधारी महिलाएं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर मां करवा सहित अन्य देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना करती है। उन्होंने आगे बताया कि इस व्रत को रखने से पति पत्नी के बीच प्रेम में वृद्धि होती है।पति पत्नी दोनों ही इस व्रत का सम्मान करते हैं।रात को जब पति देव घर आते हैं तब चंद्रमा का दीदार कर उनके हाथों से जल ग्रहण करते हैं।

भाजपा युवा मोर्चा की कमान अमन गांधी को, प्रबल जायसवाल बने जिला महामंत्री

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय जनता पार्टी में पिछले एक-दो दिनों से जिला कार्यकारिणी में फेरबदल को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच गुरुवार, 29 अक्टूबर की रात युवा मोर्चा के नए पदाधिकारियों की घोषणा ने राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी। भाजपा में जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे को बदले जाने से लेकर जिला कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष सहित अन्य पदों पर नए चेहरों को जिम्मेदारी सौंपे जाने तक की अटकलें लगाई जा रही थीं। इन चर्चाओं को सोशल मीडिया पर भी लगातार हवा मिल रही थी। इसी बीच रात करीब 9:30 बजे भाजपा प्रदेश संगठन और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अनुशंसा पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा मोर्चा अध्यक्षों की सूची जारी की गई। इस सूची में बालाघाट युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी अमन गांधी को सौंपी गई, जबकि जिला महामंत्री के पद पर प्रबल जायसवाल की नियुक्ति की गई। प्रदेश स्तर से जिला अध्यक्षों के साथ जिला महामंत्रियों के नाम भी घोषित किए गए हैं। सूची जारी होते ही जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया और समर्थकों ने आतिशबाजी कर अपनी खुशी जाहिर की। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी को लेकर पिछले कुछ समय से कई युवा नेताओं के नाम चर्चा में थे। अमन गांधी के अलावा अक्षय कटरे, जैनेंद्र कटरे सहित अन्य दावेदारों के नाम भी सामने आ रहे थे। संगठन के भीतर किसे मौका मिलेगा, इसे लेकर कार्यकर्ताओं और राजनीतिक जानकारों की निगाहें प्रदेश नेतृत्व के फैसले पर टिकी थीं। आखिरकार संगठन ने अमन गांधी के नाम पर मुहर लगाते हुए उन्हें युवा मोर्चा की जिला इकाई की कमान सौंप दी। वहीं, प्रबल जायसवाल को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने के बाद युवा मोर्चा की नई टीम के गठन को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब संगठन के सामने नई जिम्मेदारियों के अनुरूप युवाओं को साथ लेकर चलने और जिले में पार्टी के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों को गति देने की चुनौती रहेगी। गौरतलब है कि युवा मोर्चा के पदाधिकारियों की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब भाजपा की जिला कार्यकारिणी में संभावित बदलाव को लेकर चर्चाएं जोरों पर थीं। हालांकि, प्रदेश संगठन की ओर से जारी सूची में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष और महामंत्रियों की नियुक्ति की घोषणा की गई है। इसे जिला भाजपा की पूरी कार्यकारिणी में फेरबदल की पुष्टि के रूप में नहीं देखा जा सकता। जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे और अन्य पदाधिकारियों को लेकर चल रही चर्चाओं पर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। अब राजनीतिक नजरें इस बात पर टिकी हैं कि प्रदेश संगठन आने वाले दिनों में जिला स्तर पर कोई और बदलाव करता है या नहीं। फिलहाल अमन गांधी को युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष और प्रबल जायसवाल को जिला महामंत्री बनाए जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

कलेक्टर ने रात्रि में रैन बसेरा और बस स्टैंड का किया आकस्मिक निरीक्षण

रैन बसेरा में ठहरे लोगों से व्यवस्थाओं की ली जानकारी, बस स्टैंड पर स्वच्छता और हाई मास्क लाइट लगाने के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह ने 29 अक्टूबर की रात्रि में नगरीय क्षेत्र बालाघाट में संचालित रैन बसेरा एवं बस स्टैंड का आकस्मिक निरीक्षण किया। रैन बसेरा के निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां रात्रि विश्राम कर रहे लोगों से मुलाकात कर उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके को रैन बसेरा में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह ने बस स्टैंड का निरीक्षण किया। उन्होंने बस स्टैंड के प्रतीक्षालय एवं सार्वजनिक शौचालय को साफ-सुथरा और व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बस स्टैंड परिसर में हाई मास्क लाइट लगाने के लिए भी कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री गोपाल सोनी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उके उपस्थित रहे।

चतुर्थ क्रमोन्नति के आदेश जारी करने की मांग, संयुक्त विभाग पेंशनर संघ ने सौंपा ज्ञापन

35 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके पात्र शिक्षकों को क्रमोन्नति का लाभ देने की मांग, कलेक्टर से समय-सीमा में आदेश जारी करने का आग्रह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संयुक्त विभाग पेंशनर संघ के जिला अध्यक्ष बीएल चौधरी के नेतृत्व में सेवानिवृत्त शिक्षकों ने चतुर्थ क्रमोन्नति के आदेश जारी करने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने पात्र शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नति का लाभ प्रदान करने और उनके आदेश शीघ्र जारी करने की मांग की गई।ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि संकुल पीएमश्री हायर सेकेंडरी स्कूल मेंढरा, तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट के सेवानिवृत्त शिक्षकों ने मई 2026 में अपनी सेवा संबंधी फाइलें संकुल में जमा कर दी थीं। इन फाइलों को निर्धारित समयावधि में जिला शिक्षा कार्यालय में जमा किया जाना था, लेकिन ऐसा नहीं होने के कारण प्रक्रिया में देरी हुई। अब फाइलें जिला शिक्षा कार्यालय में जमा हो चुकी हैं।ज्ञापन में कहा गया कि शासन के निर्देशानुसार जिले के पात्र शिक्षकों को 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद चतुर्थ क्रमोन्नति का लाभ दिया जाना है। ऐसे में संकुल मेंढरा सहित अन्य पात्र शिक्षकों के नाम चयन सूची में शामिल कर क्रमोन्नति के आदेश जारी किए जाएं।ज्ञापन सौंपने वाले शिक्षकों ने कलेक्टर से मांग की कि प्रकरण का समय-सीमा में निराकरण कर उन्हें चतुर्थ क्रमोन्नति का लाभ दिलाया जाए। इस दौरान संयुक्त विभाग पेंशनर संघ के जिला अध्यक्ष बीएल चौधरी के नेतृत्व में संबंधित शिक्षक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत शिक्षकों को किया जा रहा परेशान-बीएल चौधरी

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान संयुक्त विभाग पेंशनर संघ जिला अध्यक्ष बीएल चौधरी ने बताया कि शासन का नियम है कि 1/7/2023 के बाद कर्मचारियों को चतुर्थ क्रमोन्नति का लाभ दिया जाए, लेकिन डीईओ कार्यालय द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है,कुछ दिन पूर्व डीईओ कार्यालय से करीब 500 लोगों की सूची जारी की गई थी, वर्तमान में 118 लोगों की सूची आई है लेकिन इसमें कई ऐसे सेवानिवृत शिक्षक है जो इस सूची में छूट गए हैं और वह चतुर्थ क्रमोन्नति के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं।जगह-जगह गुहार लगा रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जब हम डीईओ से मिले तो वह कहती हैं कि डीपीसी कार्यालय चले जाओ, जबकि यह कार्य डीपीसी कार्यालय का नहीं है, डीईओ कार्यालय से ही होना है। हमारी मांग इतनी सी है कि जो सेवानिवृत शिक्षक इस लिस्ट में छूट गए हैं उनका नाम इस लिस्ट में शामिल कर उन्हें चतुर्थ क्रमोन्नति का लाभ दिया जाए। जितने लोग इस सूची में छूटे हैं इसकी पूरी गलती वहां के प्राचार्य की है,क्योंकि उन्होंने उनके यहां की लिस्ट सही नहीं भेजी, जिसका खामियाजा सेवानिवृत शिक्षकों को भुगतना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर डीईओ कार्यालय से सेवानिवृत शिक्षकों को परेशान किया जा रहा है।

बैहर में तीन दिवसीय जननायक सांस्कृतिक समारोह संपन्न

गोंडवाना के गौरवशाली इतिहास की जीवंत प्रस्तुति, भोपाल से आए 40 कलाकारों ने नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से प्रस्तुत की जननायकों की गाथा, 12 छात्रावासों के छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

पद्मेश न्यूज। बैहर। गोंडवाना सभ्यता के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और महान जननायकों के जीवन से नई पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन भोपाल के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जननायक सांस्कृतिक समारोह उत्कृष्ट विद्यालय के खेल मैदान में संपन्न हुआ। समारोह में भोपाल से आए लगभग 40 कलाकारों ने नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से गोंडवाना के ऐतिहासिक राजवंशों तथा महान जननायकों के जीवन चरित्र को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन राजा पेमल शाह के जीवन, शासन और गोंडवाना की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित प्रस्तुति दी गई। दूसरे दिन राजा लव गुंडी के शासनकाल एवं विवाह प्रसंग को मंच पर दर्शाया गया। वहीं, तीसरे एवं अंतिम दिन राजा हीरा खान सिंह क्षत्री के जीवन, गोंडवाना वंश के राजाओं के संघर्ष और शासन व्यवस्था पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई। कलाकारों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से ऐतिहासिक गाथाओं को मंच पर साकार किया।कार्यक्रम में गोंडवाना समाज की परंपराओं, रहन-सहन, विवाह संस्कार, शुभ कार्यों, लोकनृत्य, संगीत और धार्मिक आस्थाओं का सुंदर चित्रण किया गया। गोंडवाना संस्कृति में बड़ा देव की स्तुति एवं आराधना के महत्व को भी प्रस्तुतियों में शामिल किया गया। कलाकारों ने ऐतिहासिक संघर्षों, विरोधी राजाओं पर विजय और राजवंशों की परंपराओं को नृत्य एवं नाट्य संवादों के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाया।समारोह का उद्देश्य जनजातीय समाज के इतिहास एवं सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना और नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों, शासकों तथा महान जननायकों के योगदान से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम को देखने और सुनने के लिए नगर के 12 छात्रावासों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। विद्यार्थियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों को उत्साहपूर्वक देखा तथा कार्यक्रम के बाद कलाकारों के साथ फोटो भी खिंचवाए।

दीप प्रज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संकेत राठौड़, पार्षद शिवा रामटेक, पूर्व पार्षद शिवनाथ यादव, नोडल अधिकारी नरेंद्र वैद्य, विकासखंड अधिकारी बैहर, प्रभारी प्राचार्य बलवंत सिंह धुर्वे, वाला बाबा भाईजान एवं महेंद्र उयके सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।वहीं.तीसरे दिन समापन अवसर पर जनपद पंचायत परसवाड़ा के अध्यक्ष संभल सिंह धुर्वे तथा शिक्षक चंदन विश्वकर्मा का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। मंचासीन अतिथियों ने सभी 40 कलाकारों को उनकी प्रस्तुतियों के लिए बधाई एवं धन्यवाद दिया।

समारोह में जनपद पंचायत परसवाड़ा के अध्यक्ष संभल सिंह धुर्वे, पार्षद श्रीमती शिमला मरावी, पत्रकार जनार्दन खरे, क्रीड़ा प्रशिक्षक राय सिंह कुशराम, लक्ष्मण तिलगाम (मंडला) और समाजसेवी प्रमोद ताराम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।तीन दिनों तक चली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की उपस्थित अतिथियों, विद्यार्थियों एवं दर्शकों ने सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक महेंद्र नागेश्वर ने किया। राजा पेमल शाह के जीवन से शुरू हुआ यह सांस्कृतिक समारोह तीसरे दिन राजा हीरा खान सिंह क्षत्री की प्रस्तुति के साथ संपन्न हुआ।

राज्य स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता के लिए छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की टीम ग्वालियर रवाना

पद्मेश न्यूज। हट्टा। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल

कैलेंडर के अनुसार संभाग स्तरीय पुरुष बास्केटबाल प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय महाविद्यालय हट्टा जिला बालाघाट के द्वारा किया गया था। उक्त प्रतियोगिता में पुरुष खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता जो दिनांक 30-10-26 एवं 31 -10 -26 को शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर मैं आयोजित है के लिए किया गया था। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की बास्केटबॉल टीम ग्वालियर के लिए रवाना हुई टीम में 12 खिलाड़ी एवं मैनेजर के रूप में श्री अक्षय मण्डराहा सर एवं कोच के रूप में क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सचिन तिवारी शामिल हैं। खिलाड़ियों के उत्कर्ष प्रदर्शन के लिए छिंदवाड़ा परिक्षेत्र के समस्त क्रीड़ा अधिकारियों, बास्केटबॉल संघ के सदस्य एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी।

चौकीदार की आवश्यकता है
शादी के भवन के लिए चौकीदार, परिवार सहित रहने वाले को प्राथमिकता दी जावेगी
8966935382, 9301240270

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
बम के गोला
आकर्षक झांकी के साथ दामाद बाबू राजनांदगांव एवं राधिका बंजारी दुर्ग के द्वारा अनुपम प्रस्तुती
8085493332, 7440787959

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बेमौसम बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता, कटी धान भीगी तो किसानो को होगी भारी नुकसान

एक लाख हेक्टेयर में लगी हल्की धान की कटाई शुरू, खेतों में रखी कटी फसल को सुरक्षित करने की चुनौती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मौसम के बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार की रात और गुरुवार की अलसुबह हुई हल्की बारिश से खेतों में कटाई के बाद सुखाने के लिए रखी गई धान की फसल भीग गई, जिससे किसानों के सामने उपज को सुरक्षित रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। जिले में बड़े पैमाने पर धान की खेती की जाती है और यहां मुख्य रूप से हल्की तथा भारी धान की फसल ली जाती है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में करीब एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्की धान की फसल लगी है, जिसकी कटाई का दौर शुरू हो चुका है। अब तक लगभग पांच से दस प्रतिशत क्षेत्र में कटाई होने का अनुमान है। किसान फसल काटने के बाद उसे खेतों में सुखाने के लिए रख रहे हैं, ताकि पर्याप्त रूप से सूखने के बाद मिंजाई की जा सके। लेकिन इसी महत्वपूर्ण समय में हुई बारिश ने उनकी मेहनत और उपज की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। किसानों को आशंका है कि यदि आने वाले दिनों में भी बारिश जारी रही, तो खेतों में रखी कटी धान को सुखाना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बारिश के कारण कटी हुई धान में नमी बढ़ने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा है। लगातार नमी बनी रहने पर दानों के झड़ने और अंकुरित होने की आशंका भी बढ़ सकती है। इससे किसानों को उपज का नुकसान होने के साथ उसे सुखाने और मिंजाई करने में अतिरिक्त समय लग सकता है। बोदूटे निवासी किसान मोहन और शेषराम मात्रे ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में धान की कटाई कर फसल को सुखाने के लिए रखा था, लेकिन बुधवार रात हुई बारिश से फसल भीग गई। नमी आने के कारण अब धान के बोझे बांधने में भी परेशानी हो रही है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह बना रहा और बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो पूरी उपज को नुकसान पहुंचने की आशंका है। महीनों की मेहनत और

खेती में लगाई गई लागत के बाद जब फसल घर लाने का समय आया है, तब मौसम की यह करवट किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। फिलहाल किसान आसमान साफ होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि कटी हुई धान को दोबारा सुखाकर सुरक्षित किया जा सके।जहां बारिश खेतों में कटी हल्की धान के लिए परेशानी का कारण बन रही है, वहीं खेतों में खड़ी भारी धान की फसल के लिए यह लाभकारी साबित हो सकती है। जिले में करीब दो लाख हेक्टेयर क्षेत्र में भारी धान की फसल लगी हुई है। कृषि विभाग के अनुसार, वर्तमान समय में इस फसल को पानी की आवश्यकता है। ऐसे में पर्याप्त बारिश होने से खेतों में नमी बढ़ेगी और खड़ी फसल को फायदा मिल सकता है।

कृषि विभाग की सलाह-कटी धान को जल्द सुरक्षित करें किसान

बदले मौसम को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को कटी हुई धान की फसल सुरक्षित रखने की सलाह दी है। कृषि अधिकारी फूलसिंह मालवीय ने बताया कि हल्की धान की फसल पक चुकी है और किसान उसकी कटाई भी कर रहे हैं। ऐसे में खेतों में काटकर सुखाने के लिए रखी गई धान बारिश में भीगने पर दानों के झड़ने और अधिक नमी के कारण अंकुरित होने की आशंका रहती है। इससे किसानों को नुकसान हो सकता है। उन्होंने किसानों से कहा कि जिन खेतों में धान काटकर रखी गई है, वे उसे जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का प्रयास करें। यदि तत्काल खेत से हटाना संभव नहीं है, तो धान के बोझों को बांधकर खड़ा कर दें, ताकि बारिश का पानी लंबे समय तक फसल में जमा न रहे। साथ ही मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखें और कटी हुई फसल को खुले में असुरक्षित छोड़ने से बचें। कृषि अधिकारी के अनुसार, खेतों में खड़ी भारी धान के लिए बारिश उपयोगी हो सकती है, जबकि कुल्थी, लखोड़ी, रामतिल और आगामी रबी फसलों की तैयारी में भी खेतों की नमी मददगार साबित हो सकती है। फिलहाल जिले के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती कटी हुई धान को सुरक्षित रखने की है। अब मौसम साफ होने पर ही किसान राहत की सांस ले सकेंगे, जबकि आने वाले दिनों में बारिश की मात्रा तय करेगी कि यह बदलाव किसानों के लिए कितनी राहत और कितनी परेशानी लेकर आता है।

कर्मचारियों की लंबित समस्याओं को लेकर कर्मचारी कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, विभागीय बैठक बुलाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और भुगतान संबंधी मामलों को लेकर मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। संगठन के जिला अध्यक्ष सजल मस्की ने बालाघाट अनुभाग के कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए अनुविभागीय अधिकारी

राजस्व गोपाल सोनी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अनुभाग स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने के साथ ही तहसील और विकासखंड स्तर पर विभागीय अधिकारियों की बैठक बुलाने की मांग की गई है। सजल मस्की ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला विभागीय परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष के निर्देशानुसार शासन से मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए अनुभाग स्तरीय परामर्शदात्री समिति का गठन कर बैठक आयोजित की जानी चाहिए। इसके साथ ही तहसीलदार के माध्यम से तहसील स्तर के अधिकारियों की बैठक और विकासखंड स्तर पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। संगठन का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों पर विभागीय स्तर पर चर्चा और समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। ज्ञापन में शिक्षा विभाग की क्रमोन्नति एरियर राशि, जीपीएफ पार्ट फाइनल और महंगाई भत्ता एरियर के भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं शिक्षकों के लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने की मांग की गई। वन विभाग की विभिन्न रेंजों में कार्यरत वन श्रमिकों के भुगतान, महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लंबित मानदेय तथा जल संसाधन विभाग के स्थायी कर्मियों को न्यायालय के निर्णय के अनुसार न्यूनतम वेतनमान का लाभ देने की मांग भी रखी गई। वहीं, लोक निर्माण विभाग के स्थायी कर्मियों को विभागीय आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान का लाभ दिलाने और वन विभाग के स्थायी कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ प्रदान करने की मांग की गई। राजस्व विभाग के कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ता एरियर के भुगतान के साथ जनगणना 2027 के प्रथम चरण के प्रशिक्षण भत्ते का भुगतान करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। संगठन ने कहा कि इन समस्याओं के कारण कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए संबंधित विभागों को लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश स्तर पर प्रस्तावित महंगाई भत्ता आंदोलन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। संगठन ने बताया कि 4 नवंबर 2026 को केंद्र सरकार के समान राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों का महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 63 प्रतिशत किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन का मुद्दा उठाया जाएगा। कर्मचारी कांग्रेस ने मांग की कि कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए नियमित रूप से परामर्शदात्री समिति की बैठकें आयोजित हों और सभी मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों को चर्चा में शामिल किया जाए, ताकि समस्याओं का समाधान विभागीय स्तर पर हो सके। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने संगठन से प्राप्त मांगपत्र पर आवश्यक कार्रवाई करने तथा समस्त मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों को आगामी कार्रवाई और बैठक के संबंध में सूचना देने का आश्वासन दिया। अब कर्मचारियों को उम्मीद है कि ज्ञापन में उठाए गए लंबित भुगतान और सेवा संबंधी मुद्दों पर संबंधित विभाग शीघ्र कार्रवाई करेंगे।

तीन साल से लापता महिला पंजाब में मिली-आधार कार्ड से खुला राज

शादी के दबाव के चलते घर छोड़कर चली गई थी करिश्मा

1500 किलोमीटर का सफर तय कर रामपायली पुलिस ने कपूरथला से किया दस्तयाब

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम भेंडारा निवासी 30 वर्षीय करिश्मा पिता शंकरलाल उपवंशी का करीब तीन साल बाद पता चल गया है। वर्ष 2023 में लापता हुई करिश्मा को रामपायली पुलिस ने पंजाब के कपूरथला जिले के मुरादपुर से दस्तयाब किया है। महिला की तलाश के दौरान पुलिस को लंबे समय तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला था, लेकिन वर्ष 2026 में उसके पिता के घर पहुंचे पंजाबी भाषा में लिखे आधार कार्ड ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया। इसी आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और करीब 1500 किलोमीटर की दूरी तय कर पंजाब पहुंचकर महिला का पता लगाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भेंडारा निवासी करिश्मा वर्ष 2023 में अपने घर से लापता हो गई थी। उसके लापता होने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन जब उसका कोई पता नहीं चला तो मामले की शिकायत रामपायली थाने में दर्ज कराई गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने महिला की तलाश शुरू की, मगर उस समय उसके संबंध में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आ सकी। समय बीतने के साथ मामला अनसुलझा बना रहा और परिजन भी उसके बारे में जानकारी मिलने का इंतजार करते रहे।

पंजाबी भाषा में लिखे आधार कार्ड से मिला सुराग

करीब तीन साल बाद वर्ष 2026 में इस मामले में नया मोड़ तब आया जब करिश्मा के पिता के घर पंजाबी भाषा में लिखा आधार कार्ड पहुंचा। आधार कार्ड देखकर परिजनों को महिला के पंजाब में होने की आशंका से जुड़ा सुराग मिला। इसके बाद परिजन आधार कार्ड लेकर रामपायली थाने पहुंचे और पुलिस को इसकी जानकारी दी। आधार कार्ड से मिले सुराग को आधार बनाकर पुलिस ने महिला की तलाश की दिशा में आगे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के आधार पर पुलिस टीम पंजाब पहुंची। रामपायली से पंजाब तक करीब 1500 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद पुलिस टीम कपूरथला जिले के मुरादपुर पहुंची, जहां करिश्मा का पता लगाया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे दस्तयाब कर लिया।

शादी के दबाव के चलते छोड़ दिया था घर

पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर करिश्मा ने अपने घर छोड़ने की वजह बताई। उसने पुलिस को बताया कि घर में रिश्तेदार उस पर शादी करने का दबाव बना रहे थे। शादी के दबाव और डर के चलते उसने घर छोड़ने का फैसला किया था। घर से निकलने के बाद वह सबसे पहले जबलपुर पहुंची, जहां कुछ दिनों तक अपनी सहेली के घर रही।इसके बाद करिश्मा जबलपुर से अमृतसर चली गई। अमृतसर में उसकी मुलाकात हरजीत सिंह से हुई। दोनों के बीच परिचय बढ़ा और उन्होंने शादी कर ली। शादी के बाद करिश्मा अपने पति हरजीत सिंह के साथ पंजाब के कपूरथला जिले के मुरादपुर में रहने लगी। इस तरह घर से निकलने के बाद वह मध्य प्रदेश से पंजाब पहुंच गई और वहीं रहने लगी।

महिला ने अपनी मर्जी से रहने की कही बात

पुलिस पूछताछ के दौरान करिश्मा ने स्पष्ट किया कि वह अपनी मर्जी से पंजाब में रह रही है। उसने यह भी बताया कि उसके साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी नहीं हुई है। महिला के बयान के अनुसार, घर छोड़ने के पीछे रिश्तेदारों द्वारा शादी के लिए बनाया जा रहा दबाव मुख्य वजह थी।

तीन साल बाद चला पता-परिजनों को मिली जानकारी

वर्ष 2023 से लापता करिश्मा का वर्ष 2026 में पता चलने से उसके परिजनों को भी उसके संबंध में जानकारी मिल सकी। लंबे समय से महिला की तलाश कर रही पुलिस को पंजाबी भाषा में लिखे आधार कार्ड से अहम सुराग मिला जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। करीब 1500 किलोमीटर दूर पंजाब पहुंचकर महिला को दस्तयाब करना रामपायली पुलिस की महत्वपूर्ण कार्रवाई मानी जा रही है।

इस पूरे घटनाक्रम में आधार कार्ड की जानकारी महिला तक पहुंचने का अहम माध्यम बनी। यदि यह सुराग नहीं मिलता, तो महिला की तलाश में पुलिस और परिजनों को कितने समय तक इंतजार करना पड़ता, यह कहना मुश्किल है। फिलहाल, महिला के बयान से उसके घर छोड़ने और पंजाब में रहने की वजह सामने आई है।

भरवेली मेथोडिस्ट चर्च विवाद मे़ं, प्रबंधन बोला बिना जांच किसी को दोषी ठहराना गलत

घटना को लेकर चर्च चेयरमैन और सचिव ने रखा पक्ष, निष्पक्ष जांच की मांग, थाना प्रभारी बोले दोनों पक्षों पर एफआईआर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली स्थित मेथोडिस्ट चर्च में 25 अक्टूबर की रात हुई घटना को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे वीडियो और चर्च के पदाधिकारियों पर लगाए जा रहे आरोपों के बीच 29 अक्टूबर को एक बार फिर चर्च के विभिन्न पदाधिकारी और सदस्य एकत्रित हुए। इस दौरान चर्च प्रबंधन ने अपना पक्ष रखते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। चर्च की चेयरमैन रीना टाइटस कुमार और सचिव वैभव प्रतिक सिक्का ने कहा कि घटना से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है और किसी भी परिस्थिति में इस तरह की घटना स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि मामले में सच्चाई सामने आना जरूरी है। प्रबंधन का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और लगाए जा रहे आरोपों के आधार पर चर्च के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दोषी ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने भरवेली पुलिस से आग्रह किया कि मामले के दोनों पक्षों की बात सुनकर निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच की जाए, ताकि वास्तविक घटनाक्रम स्पष्ट हो सके।

चर्च की चेयरमैन और सचिव ने अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि यह कहना कि वे घटना की साजिश में शामिल थे या उन्होंने जानबूझकर घटना होने दी, निराधार है। उनके अनुसार, जिस पास्टरेट भवन के निर्माण में उन्होंने दो से तीन वर्षों तक मेहनत की, उसी भवन के उद्घाटन समारोह को खराब करने की इच्छा रखने का आरोप उनके लिए दुखद है। उन्होंने कहा कि भवन का उद्घाटन समारोह चर्च और पूरे समुदाय के लिए खुशी का अवसर था। घटना के कारण बिशप सहित चर्च के वरिष्ठ पदाधिकारियों को परेशानी और मानसिक कष्ट से गुजरना पड़ा,

जिसका उन्हें भी दुख है। प्रबंधन ने सभी से अपील की कि ठोस प्रमाण सामने आए बिना किसी व्यक्ति को दोषी न ठहराया जाए और ऐसी बातें प्रसारित करने से बचा जाए, जिनसे किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचे। उनका कहना है कि आरोप-प्रत्यारोप और अटकलों के बजाय न्याय, सच्चाई तथा आपसी सम्मान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। चर्च प्रबंधन ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने और किसी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं होने देने की मांग की है।

दोनों पक्षों पर एफआईआर, विवेचना जारी - भूपेंद्र सिंह

इस मामले में भरवेली थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह पन्द्रो ने बताया कि घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है और मामले की विवेचना जारी है। थाना प्रभारी के अनुसार, घटना के दौरान दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी तथा दोनों पक्षों के संबंधित लोगों का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया था, जिसमें मामूली चोटें सामने आईं। पुलिस का कहना है कि फिलहाल जांच की जा रही है और विवेचना पूरी होने के बाद ही घटनाक्रम तथा संबंधित आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। ऐसे में चर्च प्रबंधन की ओर से निष्पक्ष जांच की मांग के बीच अब पुलिस की जांच पर निगाहें टिकी हैं।

बौद्ध सोसायटी का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया, जिला शाखा बालाघाट द्वारा वार्ड क्रमांक 6 स्थित प्रेरणा बुद्ध विहार में एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें संस्था के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन के उद्देश्य, कार्यप्रणाली, हिसाब-किताब, आचार संहिता और जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई।आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य प्रशिक्षक बी.एच. गायकवाड गुरुजी ने कहा कि शील और सदाचार ही कार्यकर्ताओं के असली अलंकार हैं। वहीं, शिविर का उद्घाटन करते हुए डॉ. चरनदास ढेंगरे ने कहा कि अनुशासित कार्यकर्ता ही महापुरुषों के विचारों के वाहक होते हैं। ऐसे प्रशिक्षण से संगठन के कार्यों को गति मिलती है।कार्यक्रम में जिला एवं नगर शाखा के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समाज के बुद्धिजीवी शामिल हुए।शिविर का समापन सामूहिक वंदना एवं समापन गाथा के साथ हुआ।

5-6 महीने से मानदेय के लिए तरस रहे व्यावसायिक प्रशिक्षक, दीपावली से पहले भुगतान की मांग

नवीन व्यावसायिक शिक्षक प्रशिक्षक संगठन ने जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को तकनीकी और कौशल आधारित शिक्षा देने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षक इन दिनों मानदेय के इंतजार में आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। नवीन व्यावसायिक शिक्षक प्रशिक्षक संगठन के पदाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया कि जिले में कार्यरत कई व्यावसायिक प्रशिक्षकों को पिछले पांच से छह महीने से मानदेय नहीं मिला है। नियमित रूप से अपनी सेवाएं देने के बावजूद भुगतान लंबित रहने से प्रशिक्षकों के सामने घरेलू खर्च चलाने और परिवार की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार से पहले यदि लंबित मानदेय का भुगतान कर दिया जाता है, तो प्रशिक्षकों को बड़ी आर्थिक राहत मिल सकती है। इसी मांग को लेकर संगठन ने जिला शिक्षा अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर जल्द भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की है। संगठन के अनुसार, समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संचालित व्यावसायिक शिक्षा योजना के तहत अलग-अलग ट्रेड में कार्यरत प्रशिक्षक लंबे समय से विद्यार्थियों को कौशल आधारित प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके बावजूद विभिन्न वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोवाइडर्स (वीटीपी) के माध्यम से होने वाले मानदेय भुगतान में देरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। कमलेश चौधरी ने बताया कि जिले के अलग-अलग विकासखंडों में प्रशिक्षकों को अलग-अलग समय पर मानदेय दिया जाता है, जिससे भुगतान व्यवस्था में एकरूपता नहीं रह गई है। संगठन चाहता है कि सभी व्यावसायिक प्रशिक्षकों को एक निश्चित तारीख पर एक साथ मानदेय दिया जाए, ताकि उन्हें हर महीने भुगतान को लेकर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। उनका कहना है कि कई महीनों तक मानदेय नहीं मिलने से प्रशिक्षकों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और त्योहार के समय यह परेशानी और बढ़ गई है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि जिले में कार्यरत सभी संबंधित वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोवाइडर्स को निर्देश जारी कर दीपावली से पहले प्रशिक्षकों के लंबित मानदेय के साथ चालू माह की देय राशि का भी नियमानुसार भुगतान उनके बैंक खातों में सुनिश्चित कराया जाए। संगठन ने नियमानुसार देय त्योहार अग्रिम अथवा बोनस के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई करने की मांग रखी है। साथ ही भुगतान में अनावश्यक विलंब करने वाले सेवा प्रदाताओं के विरुद्ध नियमों के अनुसार कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया गया है। अब देखना होगा कि जिला शिक्षा विभाग इस मांग पर क्या कदम उठाता है और प्रशिक्षकों को त्योहार से पहले उनका बकाया मानदेय मिल पाता है या नहीं। प्रशिक्षकों की मांग है कि उन्हें समय पर पारिश्रमिक मिले और भुगतान व्यवस्था ऐसी बने, जिससे भविष्य में महीनों तक मानदेय के लिए इंतजार न करना पड़े।

अर्नब तूफान के बेमौसम कहर से किसानों की बढ़ी चिंता

तेज बारिश होने पर धान की फसल को होगा काफी नुकसान, बूंदाबांदी से क्षेत्र में हुई ठंड की दस्तक

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

बंगाल की खाड़ी और आसपास के तटीय क्षेत्रों में सक्रिय हुए 'अर्नब' तूफान के प्रभाव ने अचानक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। इसी अर्नब तूफान के बदलते मिजाज के चलते लालबर्रा क्षेत्र में भी अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही बुधवार की रात एवं गुरूवार को आसमान में छाये घने बादलों के बीच क्षेत्र में हुई अचानक बूंदाबांदी और हल्की बारिश ने आम जनजीवन के साथ-साथ अन्नदाताओं की नींद उड़ा दी है। इस बेमौसम बरसात से जहां एक ओर तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है और क्षेत्र में सिहरन भरी ठंड की शुरूआत हो गई है, वहीं दूसरी ओर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। वही वर्तमान में हल्की प्रजाति के धान की फसल पककर तैयार हो चुकी है और युध्द स्तर पर कटाई किये गये है लेकिन अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं बुधवार की रात से रूक-रूक कर हो रही बूंदाबांदी बारिश से धान के कड़पे गीली होने से उसे अन्नदाता सुरक्षित भी नही कर पा रहे है। अगर तेज बारिश होती है काफी नुकसान हो सकता है। वहीं जिन किसानों की कटाई हो चुकी है उसे सुरक्षित कर खरई बनाकर बारिश से बचाने के लिए तिरपाल ढाक रहे है। वहीं खेतों में कड़पे फैले होने से वह गीली हो सकती है, ऐसी स्थिति में किसानों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

धान की फसल पर मंडराया संकट

लालबर्रा क्षेत्र में सैकड़ों हेक्टेयर खेती में खरीफ सीजन में धान की फसल लगाई गई थी। जो पककर तैयार हो चुकी है एवं कटाई का कार्य युध्द स्तर पर जारी था। लेकिन बंगाल की खाड़ी और आसपास के तटीय क्षेत्रों में सक्रिय हुए 'अर्नब' तूफान के प्रभाव मध्यप्रदेश के साथ ही बालाघाट जिले के लालबर्रा क्षेत्र में भी उसका असर देखने को मिल रहा है। अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं बारिश होने से अन्नदाता परेशान नजर आ रहे है क्योंकि सालभर की मेहनत की फसल खेतों में पककर तैयार है। लेकिन बारिश होने से उनकी मेहनत पर पानी फिरते नजर आ रहा है। वर्तमान समय क्षेत्र के किसानों के लिए बेहद संवेदनशील है, क्योंकि इस वक्त धान की फसल पककर कटाई के दौर में है या खेतों में कटी हुई पड़ी है। इस बे-मौसम बारिश से धान की फसल को काफी नुकसान होने की आशंका है। वहीं अचानक मौसम बदलने के साथ ही हवा भी चल रही है, ऐसी स्थिति में खेतों में खड़े धान के पौधे जमीन पर बिछ सकते हैं, जिससे दाने काले पड़ सकते हैं। वहीं कटी हुई फसल पर पानी पड़ने से धान में नमी बढ़ जायेगी जिससे उसकी गुणवत्ता और बाजार में उचित मूल्य दोनों प्रभावित होंगे। वही धान में नमी आने पर सरकार समर्थन मूल्य पर नही खरीदेगी ऐसी स्थिति में मजबूरी में व्यापारियों को कम दामों में विक्रय करने किसान मजबूर होंगें। साथ ही बीमारी का भी प्रकोप बढ़ने की संभावना बनी हुई है। अन्नदाताओं की निगाहें अब आसमान पर टिकी हैं कि कब यह मौसमी बदलाव थमे और उन्हें इस संकट से राहत मिले।

ठंड ने दी दस्तक, गर्म कपड़ों की बढ़ेगी मांग

बारिश और ठंडी हवाओं के चलने से मौसम में एकाएक ठंडक घुल गई है। सुबह और शाम के समय तापमान में खासी गिरावट दर्ज की जा रही है, जिसके चलते लोगों ने अब गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि तूफान के असर से अगले कुछ दिनों तक बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। वहीं किसानों की बढ़ती चिंताओं को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि यदि धान की कटाई हो चुकी है, तो उसे तत्काल सुरक्षित स्थानों या तिरपाल के नीचे ढककर सुरक्षित रखें, ताकि संभावित नुकसान से बचा जा सके। वहीं बदलीनुमा मौसम एवं अचानक हुई बारिश के चलते ठंड ने दस्तक दे दी है। वही अचानक एकाएक ठंड बढ़ने से गर्म कपड़ों की मांग बढ़ने लगी है।

भोपाल में आजाद कोटवार कर्मचारी संघ का सत्याग्रह आंदोलन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। म.प्र. आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर 30 अक्टूबर को कोटवारों की विभिन्न मांगों को लेकर सत्याग्रह आंदोलन का आयोजन किया गया है। जिसमें जिलेभर के कोटवारों से इस आंदोलन में पहुंचने की अपील म.प्र. आजाद कोटवार कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अशोक गेडाम ने की है। चर्चा में म.प्र. आजाद कोटवार कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अशोक गेडाम ने बताया कि लंबे समय से कोटवारों की लंबित मांगों को पूरा किये जाने की मांग सरकार से कर रहे है। लेकिन सरकार हमारी मांगों को पूरा नही कर रही है, जिस कारण से प्रदेशभर के कोटवारों में आक्रोश व्याप्त है। अपनी जायज मांगों को पूरा करवाने के लिए प्रांतीय आव्हान पर 30 अक्टूबर को भोपाल में सत्याग्रह आंदोलन किया जायेगा और बड़ी संख्या में बालाघाट जिले के कोटवार साथी उक्त आंदोलन में शामिल होकर सरकार से मांगों को पूरा करने का आग्रह करेगें। श्री गेडाम ने बताया कि सरकार से हमारी मांग है कि कोटवारों को स्थाई कर्मचारी घोषित करें, मालगुजारों के द्वारा दी गई कोटवारों को भूमि का मालिकाना हक दिये जाने, कोटवारों के खातों में शासन द्वारा वर्दी का पैसा जमा करने, जो घटिया वर्दी दी गई है उसकी जांच कर कार्यवाही करने की प्रमुख मांगे शामिल हैं। उक्त मांगे पूरी नही होने पर प्रांतीय आव्हान पर आगामी समय में बड़ा आंदोलन किया जायेगा। म.प्र. आजाद कोटवार कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अशोक गेडाम ने जिलेभर के कोटवार कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में भोपाल पहुंचक आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

धान उपार्जन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर आदित्य सिंह ने 29 अक्टूबर को धान उपार्जन की तैयारियों को लेकर बैठक ली। बैठक में जिले में लगभग 6.50 लाख मीट्रिक टन की धान खरीदी के लक्ष्य के संबंध में चर्चा करते हुए उपार्जन केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने वेयरहाउस, बारदाना और परिवहन व्यवस्था की समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले उपार्जन के दौरान जिन समितियों के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई थीं, उनका विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही मिलर्स समितियों और ट्रांसपोर्टरों की प्रोफाइल की जांच कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रत्येक धान उपार्जन केंद्र पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं, जो खरीदी प्रक्रिया की नियमित निगरानी कर सकें। उन्होंने उपार्जन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। बैठक में समिति के सभी सदस्य अधिकारी उपस्थित थे।

ददिया में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई (कोजागिरी) शरद पूर्णिमा

महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के विचारों से अवगत हुए लोग, उमड़ा जनसैलाब

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया स्थित स्कूल प्रांगण में परमात्मा एक सेवा परिवार लालबर्रा ब्लॉक के तत्वाधान में गत दिवस शरद पूर्णिमा (कोजागिरी) हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिसका मुख्य उद्देश्य महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के विचारों, संदेशों और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाना था। यह कार्यक्रम जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भौयर, तुलसीराम बोपचे, सरपंच प्रतिनिधि राजेन्द्र भलावी के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान हनुमान जी, महान त्यागी बाबा जुमदेव जी और मातोश्री वाराणसी ढुब्रिकर जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस शरद पुर्णिमा (कोजागिरी) के अवसर पर आकर्षक प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को अत्यंत आकर्षक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता में नन्हीं बालिकाओं और महिलाओं ने इसमें अपनी कला का शानदार प्रदर्शन करते हुए सुंदर और मनमोहक रंगोलियां सजाई। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता इसके माध्यम से उपस्थित जनसमूह को बाबा जुमदेव जी के जीवन दर्शन, उनके द्वारा बताये गये मार्ग के नियमों और कोजागिरी के संदर्भ में प्रश्नोत्तर पूछे गये, जिसके उपरांत चर्चा बैठक प्रारंभ हुई। इस चर्चा बैठक के माध्यम से कोजागिरी पर्व के पौराणिक व आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। तत्पश्चात ग्रुप डांस प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें प्रतिभागियों द्वारा बाबा जुमदेव जी के सुमधुर गीतों पर प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को पूरी तरह से भक्तिमय और ऊर्जावान बना दिया। वहीं आयोजित सभी प्रतियोगिता के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को समिति की ओर से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। जिसके उपरांत भजन कार्यक्रम आयोजित हुआ जहां गायक कलाकारों द्वारा बाबा के भजनों की प्रस्तुति देकर समां बांधा और खूब तालियां बटोरी। चर्चा में आयोजक समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम परमपूज्य 'परमात्मा एक सेवक मंडल' वर्धमान नगर नागपुर के आदेशानुसार और दिशा-निर्देशों के तहत गत दिवस ददिया में परमात्मा एक सेवा परिवार लालबर्रा ब्लॉक के तत्वाधान में शरद पुर्णिमा (कोजागिरी) हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस भव्य आयोजन का प्रमुख उद्देश्य समाज में गहराई तक फैली अंधश्रध्दा, कुप्रथाओं और बुरे व्यसनों को दूर कर लोगों को एक सात्विक, संयमित और सुखमय जीवन जीने की प्रेरणा देना था। यह संपूर्ण आयोजन महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के बताये गये मार्ग पर आधारित है, जिन्होंने सत्य, मर्यादा और प्रेम के व्यवहार से मानव जीवन को संवारने और उसे सुखमय बनाने का अमूल्य संदेश दिया था। इस अवसर पर आयोजक समिति के वरिष्ठ मार्गदर्शक धनीराम भोयर, कार्यकर्ता, दिलीप बारेकर, सोमेश्वर उके, लाकेश सार्वे, फूलचंद बरैया, एजेश बोरकर सहित लालबर्रा क्षेत्र के समस्त परमात्मा एक सेवक परिवार के सदस्य एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाप्रसाद और खीर वितरण का विशेष आयोजन

कोजागिरी (शरद पूर्णिमा) के पावन पर्व की विशेषता को ध्यान में रखते हुए रात 12 बजे विशेष रूप से खीर का प्रसाद वितरित किया गया, जिसे प्राप्त करने के लिए श्रध्दालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। इस भव्य आयोजन में लालबर्रा क्षेत्र सहित दूर-दराज से हजारों की संख्या में सेवक और सेविकाएं उपस्थित रहे, जिससे पूरा प्रांगण जनसैलाब में तब्दील हो गया। वहीं उपस्थित सेवक-सेविकाओं ने महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के विचारों, संदेशों और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है।

सुरेश कावरे को माँ भगवती का मिला आशीर्वाद, ईनाम में मिली मोटरसाइकिल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में माँ सरस्वती महोत्सव समिति द्वारा 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव श्रध्दा, उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक महोत्सव में प्रतिवर्ष की परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी भव्य ईनामी कूपन ड्रा का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्रवासियों के साथ-साथ दूर-दराज से आये श्रध्दालुओं में भी खासा उत्साह देखा गया। महोत्सव समिति द्वारा आयोजित इस ईनामी कूपन ड्रा प्रतियोगिता में स्थानीय निवासियों सहित बाहरी प्रतिभागियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी किस्मत आजमाई। सोमवार की रात 10 बजे कूपन ड्रा का पिटारा खोला गया, इस दौरान जैसे ही लकी ड्रा की प्रक्रिया शुरू हुई, पंडाल में मौजूद हजारों दर्शकों की धड़कनें थम सी गई। वहीं पारदर्शी तरीके से विभिन्न आकर्षक पुरस्कारों के ड्रा निकाले गये। इस दौरान माँ सरस्वती के 71 भाग्यशाली भक्तों पर ईनामों की वर्षा हुई। जिसमें प्रथम ईनाम (कूपन क्रमांक 125378) को टीवीएस मोटरसाइकिल (औल्याकन्हार निवासी सुरेश कावरे को प्राप्त हुई), द्वितीय ईनाम (कूपन क्रमांक 136335) को इलेक्ट्रिक स्कू टर डीएल, तृतीय ईनाम (कूपन क्रमांक 144535), इलेक्ट्रिक स्कूटर एसएल।, चतुर्थ ईनाम (कूपन क्रमांक 159508 को फ्रीज (घोटी निवासी नीरज रहांगडाले को प्राप्त हुआ), पाँचवा ईनाम (कूपन क्रमांक145767) को वाशिंग मशीन (मानपुर निवासी अंशुल खंडेलवाल को प्राप्त हुई)। इसी प्रकार कुल 66 अन्य आकर्षक ईनामों का भी कूपन ड्रा निकाला गया, जिन्हें माँ सरस्वती का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। वहीं कूपन ड्रा के तहत जिन विजेताओं के नाम ईनाम निकले हैं, वे जैसे-जैसे समिति के पास पहुंच रहे हैं, समिति के पदाधिकारियों द्वारा उन्हें सुसज्जित रूप से ईनामों का वितरण किया जा रहा है। महोत्सव समिति के इस आयोजन से विजेताओं और क्षेत्रवासियों में जबरदस्त हर्षोल्लास का वातावरण है।

सांस्कृतिक और धार्मिक उल्लास का प्रतीक बना महोत्सव

स्थानीय लोगों एवं श्रध्दालुओं ने बताया कि माँ सरस्वती महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन न होकर क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बन चुका है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह ईनामी कूपन ड्रा महोत्सव के आकर्षण को कई गुना बढ़ा देता है। वहीं माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव श्रध्दा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है और इस दौरान रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। साथ ही कूपन ड्रा का भी आयोजन किया गया था, जिसमें 71 ईनाम रखे गये थे। आगे बताया कि प्रथम ईनाम औल्याकन्हार निवासी सुरेश कावरे को मोटरसाइकिल मिली है एवं अन्य प्रतिभागियों को भी ईनाम फसे है, जैसे-जैसे वे कूपन लेकर आ रहे है उन्हे ईनाम का वितरण किया जा रहा है। वहीं समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों, प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले ग्रामीणों और श्रध्दालुओं का आभार व्यक्त किया है।

बैठक में दीपावली पर्व पर फटाखा दुकान लगाने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, सामुदायिक भवन के सामने निवासरत सुनिल अवधवाल के निवास स्थान पर गुरूवार को फटाखा एसोसिएशन की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक फटाखा एसोसिएशन संघ के पदाधिकारी व सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में नगर मुख्यालय में दीपावली पर्व के दौरान अस्थाई फटाखा दुकान खोले जाने, शासन के नियमों का कैसे पालन करना है, बाजार क्षेत्र के दुकानों में अवैध रूप से दीपावली पर्व पर बिकने वाले फटाखों पर प्रतिबंध लगाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिसके बाद सभी पदाधिकारी तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार से दूरभाष पर चर्चा कर हाई स्कूल मैदान में फटाखा दुकान लगाने के संबंध में चर्चा की। जिस पर उन्होंने कहा कि शासन के नियमों के अनुसार अस्थाई दुकान लगाने के लिए जगह आबंटित करने आश्वास्त किया है। वहीं शुक्रवार को राजस्व विभाग के द्वारा स्थल का निरीक्षण कर जगह आबंटित की जायेगी। इस अवसर पर फटाखा एसोसिएशन संघ अध्यक्ष अरूण गौतम, सुनिल अवधवाल, मनीष कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

हमारी युवा शक्ति सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है-प्रदीप जायसवाल

मां अंजनी पुत्र सेवादल के ४ वर्ष पूर्ण होने पर किशन भगत और रूद्रकांत ठाकुर ने दी शानदार प्रस्तुती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में २८ अक्टूबर की शाम भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के अद्भुत संगम की गवाह बनी। मां अंजनी पुत्र सेवादल वारासिवनी के तत्वाधान में आयोजित संगीतमय कीर्तन एवं भव्य भजन संध्या कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा। पानीपत की प्राचीन परंपरा के तहत नगर में श्री हनुमान जी महाराज के स्वरूप को विराजित किए जाने के सफलतम ४ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, बालाघाट सिवनी लोकसभा सांसद श्रीमती भारती पारधी, भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, चोला धारणकर्ता दीपम शुक्ला एवं सेवादल के अध्यक्ष अमन पटेल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों तथा समिति के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। सर्वप्रथम भगवान श्री हनुमान जी का भव्य दरबार सजाकर पूरे विधि.विधान व मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की गई जिसके पश्चात सांस्कृतिक व धार्मिक प्रस्तुतियों का आगाज हुआ।

देश प्रसिद्ध भजन गायकों ने बांधा समां

देशभर में अपनी गायकी के लिए ख्याति प्राप्त भजन गायक रुद्रकांत ठाकुर एवं किशन भगत ने मंच पर आते ही अपने सुमधुर भजनों से समां बांध दिया। शुरुआत से ही दोनों कलाकारों ने बारी बारी से माता रानी, बाबा महाकाल, प्रभु श्री राम,हनुमान जी और राधा.कृष्ण के चरणों में अपनी संगीतमय अर्जी लगाई। भजन गायकों के द्वारा प्रस्तुत प्रमुख भजनो में लठ खोल के नाचो मेरी माँ, महाकाल की गुलामी मेरे काम आ गयी तथा मुझको तो राम राज्य ही चाहिये पर पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। भजनों की धुन पर श्रद्धालु अपने स्थानों पर खड़े होकर हाथ उठाकर गाते और भक्ति रस में डूबते नजर आए।

युवाओं का उत्साह और भक्ति नृत्य

इस संपूर्ण आयोजन में सबसे खास और दर्शनीय पहलू युवाओं का अभूतपूर्व उत्साह रहा। युवाओं ने भजनों पर जमकर नृत्य किया और पूरे वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। आयोजन को देखकर स्पष्ट प्रतीत हो रहा था कि नगर में धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की एक नई बहार आ चुकी है। रात ८ बजे प्रारंभ हुआ यह भव्य कार्यक्रम देर रात्रि तक अनवरत चलता रहा। कार्यक्रम के अंतिम दौर में लगभग रात्रि १२ बजे वरुण देव की बूंदों के आगमन के साथ ही माहौल शांत हो गया। तत्पश्चात श्री हनुमान जी महाराज की महाआरती कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया और कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन ने ना केवल वारासिवनी नगर को भक्तिमय कर दिया बल्कि यह भी संदेश दिया कि यदि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा दी जाए तो धर्म और संस्कृति की जड़ें और अधिक मजबूत हो सकती हैं।

युवाओं को धर्म और सही मार्ग से जोड़ने का संकल्प

मां अंजनी पुत्र सेवादल के पदाधिकारियों व सदस्यों ने बताया कि ४ वर्ष पूर्व नगर के युवाओं ने बालाघाट की तर्ज पर पानीपत की परंपरा अनुसार विजयादशमी यानि दशहरे पर हनुमान जी महाराज के स्वरूप की शोभायात्रा निकालने की शुरुआत की थी। समिति का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को गलत रास्तों व व्यसनों से दूर रखकर धर्म, संस्कृति और ईश्वर की भक्ति से जोड़ना है। समिति सदस्यों ने खुशी जताई कि इस पहल को युवाओं का व्यापक समर्थन मिल रहा है और क्षेत्र के सैकड़ों युवा इस सेवा दल से जुड़कर भक्ति भाव से सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं।

वारासिवनी की ऊर्जा बहुत प्रभावकारी है-रामकिशोर कावरे

भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। मैं पिछले वर्ष इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाया था परंतु इस वर्ष मुझे समय निकालकर उपस्थित होना पड़ा क्योंकि यहां की ऊर्जा बहुत प्रभावकारी हैं। यह ऐसा आयोजन है कि आना ही पड़ता है और आज कला का दिन है ऐसे ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम के आयोजन कमेटी एवं हमारे नेता को बधाई।

वारासिवनी में जो भी आयोजन होते है ऐतिहासिक है-भारती पारधी

सांसद भारती पारधी ने कहा कि एक माह पहले ही मुझे आमंत्रण मिला था चांदपुर के समय में यह देखकर बहुत खुश हूँ की आपने देखा होगा कि युवा भटकाव की तरफ जाते हैं। पर यह युवा धर्म से जुड़कर आगे बढ़ रहे यह जो युवा है चांदपुर में मंगलवार और शनिवार को भंडारा करवाते हैं। हमारी जो युवा पीढ़ी है उसे धर्म से जोड़ना चाहिए क्योंकि यह उनके और देश के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। यह जो ऐतिहासिक आयोजन है इसकी सभी को शुभकामनाएं मैं अभी सीधी दिल्ली से आ रही हूं मुझे समय निकालकर यहां आना पड़ा।

मां अंजनी पुत्र सेवा दल ने पानीपत की यात्रा को दिया मूर्ति रूप -प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि ४ वर्षों में इस कार्यक्रम को युवाओं ने बहुत सजाया है। नवरात्रि में हमने माता का आशीर्वाद लिया फिर दशहरा मनाया यहां भव्य दशहरा आयोजित हुआ। जिसमें भगवान राम का हमने आशीर्वाद लिया और उसके बाद हम हनुमान जी को याद नहीं करेंगे तो यह पूजा अधूरी है। जिस प्रकार मां अंजनी पुत्र सेवा दल ने पानीपत की यात्रा को यहां पर मूर्ति रूप दिया है दशहरे में हम सभी के बीच हनुमान जी आते हैं। आज हम भजन गायक रुद्रकांत ठाकुर और किशन भगत के माध्यम से भगवान हनुमान जी ,भगवान राम और उज्जैन के बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाकर उनका आशीर्वाद हमें मिलेगा यह बहुत खुशी की बात है। हमारी युवा शक्ति सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है यह दुगनी खुशी की बात है। इस दौरान अमन पटेल, प्रबल जायसवाल,शिवम शर्मा,शुभम पटेल,सुमित मिश्रा, दिव्यांश बिसेन, शिरीष पारधी, चर्चित चौहान, कुलदीप पारधी, अमन पारधी, सौरभ चौधरी सहित अन्य सदस्यों का सरहनीय योगदान रहा।

गुजरात में रिशिका टेटे और ग्वालियर में मधुर डोंगरे करेंगे महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व

एसएसपी महाविद्यालय के दो विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है कि महाविद्यालय के दो प्रतिभावान विद्यार्थियों का चयन अलग अलग खेल प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। महाविद्यालय की छात्रा कु. रिशिका टेटे पश्चिम क्षेत्र विश्वविद्यालय स्तरीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गुजरात जाएंगी। वहीं छात्र मधुर डोंगरे राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों विद्यार्थियों के चयन से महाविद्यालय में उत्साह का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महाविद्यालय की बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा कु. रिशिका टेटे पिता मनोहर टेटे का चयन अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ के खेल कैलेंडर के अनुसार चारुसत विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा आयोजित पश्चिम क्षेत्र विश्वविद्यालय स्तरीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता २९ अक्टूबर २०२६ से आयोजित की जा रही है। रिशिका नगर के इंडोर स्टेडियम में नियमित रूप से बैडमिंटन का अभ्यास करती हैं। उनके निरंतर परिश्रम खेल के प्रति समर्पण और बेहतर प्रदर्शन का परिणाम है कि उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ है। महाविद्यालय के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि विगत एक दशक में पहली बार यहां के किसी खिलाड़ी का विश्वविद्यालय स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। रिशिका के चयन से महाविद्यालय के खेल क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित होने की उम्मीद है। उनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित करेगी। इसी क्रम में महाविद्यालय के एमए द्वितीय वर्ष के छात्र मधुर डोंगरे पिता गोवर्धन डोंगरे का चयन राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए किया गया है। जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के आयोजन में ३० अक्टूबर २०२६ से होने वाली इस प्रतियोगिता में मधुर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उनका चयन भी जिला एवं संभाग स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी खेल कैलेंडर २०२६-२७ के अनुसार आयोजित जिला एवं संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को आगे की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित किया गया है। इसी प्रक्रिया के तहत रिशिका टेटे और मधुर डोंगरे को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। दोनों विद्यार्थी अपने अपने खेल में होनहार खिलाड़ी हैं और उनके चयन को महाविद्यालय की खेल गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। दोनों विद्यार्थियों की इस सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम ,क्रीड़ा अधिकारी विकास साहू ,प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक सहित महाविद्यालय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

४ करोड़ रुपयों की लागत से बनने वाली सीसी सड़क का जनप्रतिनिधियों ने किया भूमिपूजन

सड़क निर्माण विकास कार्यों की सौगात मिलने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत साकड़ी में लगभग ४ करोड़ रुपयों से साकड़ी पाचोटोला से डोंगरलीघाट तक २ किलोमीटर लंबी और ७ मीटर चौड़ी बनने वाली सीसी सड़क का क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल और पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में सड़क निर्माण विकास कार्यों की सौगात मिलने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम में पहुंचते ही ग्रामीणों ने विधायक विवेक पटेल और पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल का ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। जिसके पश्चात खुदाली मारकर भूमिपूजन कार्य सम्पन्न हुआ। इस दौरान विधायक विवेक पटेल,पूर्व मंत्री प्रदीप जयसवाल, ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, सुनील राणा,तेजराम नगपुरे, खैरलांजी जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, जिला पंचायत सदस्य ऋषि मधु शुक्ला, पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोकुल प्रसाद गौतम, सुदेश गुड्डु सोनी, राजकुमार चौधरी, चिंटू जैन, संदेश बिसेन, अशोक लिल्हारे,अनिल उइके,गंगाराम मरठे,मनोज हेड़ाऊ, मुदित अग्रवाल,रवि पंचेश्वर सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

क्षेत्र के विकास में कोई कमी नही आने दी जायेगी- विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि मैं जब वारासिवनी नगर पालिका अध्यक्ष था। मुझे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अच्छे कामों के लिए सम्मानित किया था। सरकार किसी भी पार्टी की हो काम करने की मंशा होनी चाहिए। मैं जब भी भोपाल जाता हुं विभागीय मंत्री के मिलकर काम लाता ही हुं। ये सब आपके आर्शीवाद से हो रहा है ग्राम साकड़ी से पाचोंटोला सड़क बनने के बाद क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ ही विद्यार्थियों की सुरक्षा और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय निवासियों को मरीजो को स्वास्थ्य सम्बन्धित इलाज के लिए महाराष्ट्र जिला गोंदिया जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बारिश के समय यह मार्ग बहुत ही जर्जर हो चुका था,वहीं इस मार्ग पर पड़ने वाला पुल भी क्षतिग्रस्त हो चुका था। जिससे कारण कुछ हादसे भी हो चुके है, लेकिन अब सड़क बनने के बाद ग्रामीणों को कोई परेशानी नहीं होगी। क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं से संबंधित विकास कार्यों का क्रियान्वयन ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन कार्यों से स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों और किसानों को सुविधा मिलेगी।

करोड़ो के स्टेडियम ,पुल पुलिया ,सड़के बनाई सब आप लोगो की जागरूकता से हुआ-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के बजट में बहुत काम आते हैं परंतु कुछ काम उसमें नहीं आ पाते हैं वह अलग से होते हैं। हमारे कार्यकाल में आपके आशीर्वाद से जीतने के बाद क्षेत्र में इतने पुल पुलिया सड़क करोड़ों रुपए की राशि से बजट में काम लाया गया। अपना अपना प्रभाव होता है पिछली बार आपने हमें जिताया था और उसका प्रभाव रहा की करोड़ों के काम हुए और क्षेत्र में दो से ढाई करोड़ रुपए की करीब ५३ सड़के बनी। जो काम बजट में नहीं आते वह विभाग स्तर से होते हैं,अधिकारी बैठने के लिए नहीं होते यह मांग पत्र बनाकर विभाग को भेजते हैं और विभागीय स्वीकृति वहां से मिलती है। ४ करोड रुपए की सड़क यह मुझे सुनने आई है जबकि यह ३.५० करोड़ की है। हमारे कार्यकाल में वारासिवनी में क्षेत्र में जो विकास की गंगा बही वह पूरे प्रदेश में नहीं हुआ। करोड़ के स्टेडियम पुल पुलिया सड़के बनाई गई यह सब आपकी जागरूकता से हुआ है।

जैन मंदिर के आगे सड़क किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, नगर में फैली सनसनी

अज्ञात शव की शिनाख्त में जूटा पुलिस प्रशासन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १४ में जैन मंदिर के आगे बीड़ी कारखाने के पास गुरुवार की सुबह सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले नागरिकों ने व्यक्ति को बेसुध अवस्था में पड़ा देखा। पास जाकर जांच करने पर उसकी मौत होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की तथा मृतक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने देखा शव

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर १४ के नागरिक प्रतिदिन की तरह गुरुवार की सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इसी दौरान जैन मंदिर के आगे बीड़ी कारखाने के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति बेसुध अवस्था में पड़ा दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों ने उसे अस्वस्थ समझा लेकिन पास जाकर देखने पर उसके मृत होने की जानकारी मिली। देखते ही देखते यह खबर पूरे मोहल्ले में फैल गई और घटना स्थल पर लोगों का जमावड़ा लग गया। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर सहायक उपनिरीक्षक धनेश वल्के पुलिस आरक्षक के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की और शव को बरामद कर सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचाया। यहां पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके पश्चात शव को पहचान एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने तक अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में सुरक्षित रखवाया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। वह नगर में भीख मांगकर जीवनयापन करता था और कबाड़ बीनने का काम भी करता था। हालांकि उसकी मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है, पुलिस प्रशासन द्वारा उसकी पहचान स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि उसके परिजनों का पता लगाया जा सके और आगे की आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ, भीख मांगने और कबाड़ी चुनने का काम करता था- धनेश वल्के

सहायक उपनिरीक्षक धनेश वल्के ने बताया की सूचना मिली थी कि रोड़ किनारे कोई व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। मौके पर आकर देख तो एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ था इसके संबंध में जानकारी ली गई तो बताया कि पिछले करीब ६ महीने से यह नगर में घूम रहा है। मानसिक रूप से अस्वस्थ है भीख मांगने के साथ कबाड़ी चुनने का भी काम करता है। हालांकि इसको अभी कोई पहचान नहीं हो पाई है जिसके लिए प्रयास किया जा रहे हैं। शव को बरामद कर आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है। शिनाख्त पंचनामा भी तैयार कर लिया गया है।

त्योहारों के बीच सियासी टकराव- व्यापारी क्यों बन रहे हैं आंदोलन के मोहरे?

देश में त्योहारों का मौसम बाजारों में रौनक, कारोबार में तेजी और आम लोगों के चेहरों पर खुशियां लेकर आता है। दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान व्यापारी वर्ग पूरे साल की कमाई के एक बड़े हिस्से की उम्मीद करता है। दुकानदारों से लेकर छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और कर्मचारियों तक, लाखों लोगों की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस टकराव की कीमत व्यापारी वर्ग ही क्यों चुकाए? एक नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैली और राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे राजनीतिक विरोध के बीच व्यापारिक संगठनों की ओर से त्योहारों के मद्देनजर उठाई जा रही मांगों ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को नई दिशा दे दी है। एक तरफ विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की जवाबदेही का सवाल उठा रहा है, तो दूसरी तरफ व्यापारी वर्ग चाहता है कि त्योहारों के समय उसका कारोबार बाधित न हो। इस परिस्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राजनीतिक दलों को अपने आंदोलन की रणनीति तय करते समय आम नागरिकों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए? लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार से सवाल पूछना, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यदि विपक्ष को चुनाव आयोग के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे तथ्य, दस्तावेज और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ जुटाने या राजनीतिक संदेश देने से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि उस आंदोलन का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति, यातायात और दुकानों के संचालन में व्यवधान छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। बड़े कारोबारी कुछ समय का नुकसान सहन कर सकते हैं, लेकिन छोटे दुकानदार, दैनिक आय पर निर्भर विक्रेता और सीमित पूंजी से कारोबार करने वाले व्यापारी हर दिन की कमाई पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में व्यापारिक संगठनों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिरोध बढ़ रहा है, तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को संवाद का रास्ता तलाशना चाहिए। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त प्रमाण आवश्यक हैं कि सरकार ने जानबूझकर ऐसा राजनीतिक पेच खड़ा किया है, जिससे आंदोलन समाप्त हो जाए या विपक्ष दबाव में आ जाए। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी आरोप की विश्वसनीयता तथ्यों से तय होती है। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की शिकायतों का जवाब दे, चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाली आशंकाओं को दूर करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों के अधिकारों तथा आजीविका पर अनावश्यक असर न पड़े। इसी तरह विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका आंदोलन किन ठोस मांगों पर आधारित है, उसकी समय-सीमा क्या है और आम लोगों को कम से कम परेशानी पहुंचाते हुए उसे कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

बढ़ती उम्र का तकाजा

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल सृष्टि में मानवीय जीवन की रफ्तार इतनी तेज़ हो गई है कि सुबह से शाम तो क्या बचपन से पचपन तक कैसे पहुंच गए पता ही नहीं चलता वर्तमान परिपेक्ष में बढ़ती जीवन चक्र की प्रक्रिया में संघर्षों खुशियों, दुखों, रोजी-रोटी, घर परिवार, सांसारिक मोह माया इत्यादि अनेक क्रियाओं के चक्कर में अधिकतम मानवी जो ऐसे उलझ गए हैं कि उन्हें अपने शरीर,बढ़ती उम्र का तकाज़ा ही नहीं रहा! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि हालांकि सच्चाई यह है कि बढ़ती उम्र के साथ-साथ सतर्कता का ध्यान रखना अत्यंत जरूरी है। यूं समझो बुढ़ापा जवानी नहीं, लाता जवानी बचपन नहीं लाती।इसलिए उम्र के बढ़ने के साथ सेहत में भी बदलाव आते हैं। सेहत का ध्यान रखना, फिटनेस टिप्स, घरेलू उपाय और तनाव से दूर रहना अत्यंत जरूरी है।

साथियों बात अगर हम चालीस प्लस उम्र की करें तो आपकी उम्र चालीस वें प?ाव पर पहुंच चुकी है और चालीस की उम्र पर पहुंचने का मतलब है अपनी सेहत का पहले से अधिक ध्यान रखना। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती रहती है वैसे-वैसे सेहत में भी बदलाव आते रहते हैं।साथियों संभव हो तो हमें निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए (1) बढ़ती उम्र के साथ-साथ शरीर में विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम, आयरन और एंटीआक्सीडेंट की कमी महसूस होने लगती है। इसलिए भोजन में ऐसी चीजों को अधिक शामिल करें, जो इन सभी पोषक तत्वों की आपूर्ति कर सकें।(2) अत्यधिक गुस्सा और चिंता करने से बचें, साथ ही शारीरिक श्रम भी उतना ही करें, जितना आपके स्वास्थ्य के लिए सही हो। अत्यधिक परिश्रम करने से बचें। (3) बेहतर होगा कि चालीस से अधि?क उम्र होने पर, आप अपनी आदतों और दिनचर्या में बदलाव लाएं। इस अवस्था में आपका शरीर उतना स्वस्थ और उर्जावान नहीं होता। अपने खान-पान और दिनचर्या में बदलाव कर आप उर्जा के साथ ही लंबी उम्र भी पा सकते हैं। (4) घर पर बने पौष्टिक सूप आपकी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। भोजन के बीच में भूख लगने पर आप इनका सेवन कर सकते हैं। (5) चालीस से अधिक उम्र वालों के लिए एंटीऑक्सीडेंट युक्त आहार लेना बेहद आवश्यक है। इसलिए हरी सब्जियां, वेजिटेबल जूस, सलाद, फल, ग्रीन-टी आदि का सेवन अवश्य करें। (6) इस समय आपके शरीर के सभी अंगों और मांसपेशियों ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, इसलिए खान-पान को बैलेंस रखें ताकि आपका लिवर सुरक्षित रहे और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर कर सके। (7) चालीस की उम्र के बाद अक्सर छोटी- छोटी बातों का तनाव और चिड़चिड़ापन होता है साथ ही दिमाग भी कमजोर होने लगता है। इसके लिए योगा, व्यायाम, मेडिटेशन, संगीत को अपनी दिनचर्या में शामि?ल करें। साथ ही वह काम करें जिसे करने में आपको आनंद आता है और जिसमें आपका मन लगता है। (8) साबुत अनाज को अपने भोजन में शामिल करें और फलों का भरपूर सेवन करें। इत्यादि के अलावा और भी आने की टिप्स है जिनकी सहायता से सतर्कता बरती जा सकती है। साथियों बात अगर हम, बढ़ती उम्र के तकाजे से निपटने के लिए उपायों की करें तो, शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद, और स्वस्थ आहार अपनाना ज़रूरी है, साथ ही, संक्रमणों से बचने के लिए टीका लगवाना भी फायदेमंद होता है। एक स्वास्थ्य संस्थान के मुताबिक, शारीरिक गतिविधि से हृदय स्वास्थ्य बेहतर रहता है और वज़न नियंत्रित रहता है— (1) बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने के लिए, ये उपाय अपनाए जा सकते हैं- (2रो?ाना दल चलें, साइकल चलाएं, या तैरें(3)योग करे (4)पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं(5)6 से 7 घंटे की नींद लें6)हेल्दी चीजें खाएं(7)नियमित रूप से एक्सरसाइज़ करें(8)टीका लगवाएंबढ़ती उम्र में स्वस्थ रहने के लिए, इन बातों का ध्यान रखना चाहिए- (1)शारीरिक गतिविधि से शरीर में ब्लड का सर्कुलेशन सही रहता है(2)पर्याप्त नींद लेने से त्वचा की डैमेज रिपेयर होती है(3)नियमित एक्सरसाइज़ से हार्ट डिज़ीज़ और कैंसर का खतरा कम होता है4)शारीरिक गतिविधि से मूड अच्छा रहता है (5) शारीरिक गतिविधि से हड्डियां मज़बूत होती हैं (6) पर्याप्त नींद लेने से झुर्रियां पड़ने की प्रक्रिया धीमी होती उम्र का बढ़ना जन्म से ही निर्धारित और शुरू हो जाने वाली सामान्य प्रक्रिया है जिसे रोकना असंभव है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर

अपना आकार यानी लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई, शारीरिक गठन, मानसिक स्वास्थ्य और काम करने की ऊर्जा प्राप्त करता जाता है। बचपन, यौवन और वृद्धावस्था अर्थात शरीर का भरपूर उपयोग करने के बाद सम्पूर्ण परिपक्वता की स्थिति आती है तो यह सोच बनने लगती है कि अब बहुत हुआ, बहुत जी लिए, जो करना था या जैसी नियति या भाग्य था, वह सब कर लिया, अब शांति या मुक्ति मिले और प्रभु के चरणों में स्थान प्राप्त हो।उम्र का तकाजा बेशक हो, स्वस्थ रहकर जीना एक कलाहै, उम्र का बढ़ना जन्म से ही निर्धारित और शुरू हो जाने वाली सामान्य प्रक्रिया है जिसे रोकना असंभव है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर अपना आकार यानी लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई, शारीरिक गठन, मानसिक स्वास्थ्य और काम करने की ऊर्जा प्राप्त करता जाता है। बचपन, यौवन और वृद्धावस्था अर्थात शरीर का भरपूर उपयोग करने के बाद सम्पूर्ण परिपक्वता की स्थिति आती है तो यह सोच बनने लगती है कि अब बहुत हुआ, बहुत जी लिए, जो करना था या जैसी नियति या भाग्य था, वह सब कर लिया, अब शांति या मुक्ति मिले और प्रभु के चरणों में स्थान प्राप्त हो।जीवन और मरण अपने हाथ में नहीं होने से उम्र के उस पड़ाव पर पहुंचने के बाद जिसमें करने के लिए न तो कुछ हो और न ही कुछ करने की इच्छा हो लेकिन उम्र का खाता बंद न हो रहा हो और अपने को असहाय, बेचारा समझने और दूसरों पर निर्भर रहने की स्थिति हो जाए तो मन उदास रहने लगता है, शरीर तथा मस्तिष्क दोनों ही ढीले पड़ने लगते हैं। तो क्या जीवन अगर बाकी है तो उसे आनंद लेते हुए और मनोरंजन के साथ नहीं जीना चाहिए, यह प्रश्न उन लोगों को अपने आप से करना जरूरी हो जाता है जो पहले की तरह स्वतंत्र, मुक्त और बेफिक्र होकर जिंदगी व्यतीत करना चाहते रहे हैं? सन् 1950 में जहां एक भारतीय की औसत आयु 35 वर्ष थी वहां अब यह दोगुनी होकर 70 तक पहुंच गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि इसके बाद भी 80 से 100 वर्ष तक जीने की कल्पना की जा सकती है। इसी तरह दुनिया में ऐसे बहुत से देश हैं जिनमें औसत आयु 80-85 वर्ष है अर्थात वहां रहने वाले सौ साल से अधिक जीने के बारे में सोच सकते हैं। बढ़ती उम्र में यदि इसी सोच के साथ जीने की कोशिश की जाए कि हमारी सोच अभी भी वैसी है जैसी कि तब थी जब हम अब से आधी उम्र के थे तो वृद्धावस्था का डर नहीं रहेगा और व्यक्ति आनंदपूर्वक जी सकेगा। अपने शौक हों या कोई भूली बिसरी इच्छा हो अथवा घूमने-फिरने, नई जगहों पर जाने का मन हो, यहां तक कि अपने रिश्तों का दायरा बढ़ाने की इच्छा हो तो इस उम्र में पीछे मुड़कर न देखना और उम्र को मनोरंजन की एक शैली मानते हुए जीना ही सबसे बेहतर है। और अब तो सरकार भी रिटायर्ड लोगों को नौकरी देने के बारे में सोच रही है क्योंकि उम्र कभी भी युवा होने की सोच पर हावी नहीं हो सकती। उम्र के असर से बचकर रहना है तो अपने खाने पीने, सोने जागने, सेहत का ध्यान रखते हुए अपने शरीर और मन की जांच पड़ताल कराते हुए ही जीना सर्वश्रेष्ठ है।

साथियों बात अगर हम पचास प्लस उम्र की करें तो, पचास साल की उम्र के बाद कुछ कारक हो सकते हैं, जिनके कारण भोजन का सेवन कम हो सकता है। इसमें शामिल है भूख की कमी, स्वाद या गंध पहचानने की कमी, चबाने या निगलने में कठिनाई, शारीरिक शक्ति या गतिशीलता की कमी, गंभीर बीमारी या दवाओं का सेवन, भावनात्मक स्थिति, वित्तीय सुरक्षा शामिल आदि।पचास साल या इससे ज्यादा की उम्र के लोगों को समझना जरूरी है कि उन्हें क्या करना चाहिए क्या नहीं। आसानी से पचने वाले, आसानी से अवशोषित होने वाले, छोटे-छोटे टुकड़ों में लगातार भोजन लें। शक्कर, मीठे पेय पदार्थ,अनडाइल्यूटेड जूस के सेवन को कम करें। फलों को प्राथमिकता दें। अपने आहार में बहुत सारे तरल पदार्थ शामिल करें, क्योंकि वे आपको हाइड्रेटेड रखते हैं और पाचन बेहतर करते हैं। रिफाइन्ड अनाज और दालों की जगह साबुत अनाज और दालों का इस्तेमाल करें। आहार में फाइबर की संरचना मध्यम होनी चाहिए। शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। हर दिन के भोजन में मौसमी फलों के दो-तीन सर्विंग्स शामिल करने चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बढ़ती उम्र का तकाज़ा है, बढ़ती उम्र के साथ सतर्कता का ध्यान रखना अत्यंत ज़रूरी है। बुढ़ापा जवानी नहीं लाता!!जवानी बचपन नहीं लाती,उम्र के बढ़ने के साथ सेहत में भी बदलाव आता है। सेहत का ध्यान रखने, फिटनेस टिप्स, घरेलू उपाय और तनाव से दूर रहना ज़रूरी है।

-ललित गर्ग

ई-100 ईंधन से हरित क्रांति की नई राह लेकिन वाहनधारकों की चिंताएं बरकरार

-कांतिलाल मांडोत

देश में पेट्रोल के विकल्प के रूप में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक और कदम उठाया है। जबकि देश मे ऐथेनॉल को लेकर पूर्व में हंगामा भी बहुत हुआ था।लिहाजा,सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई-100 ईंधन से चलने वाले वाहनों को अनुमति देने के लिए मोटर वाहन नियमों में बदलाव की अधिसूचना जारी की है। यह फैसला भारत की ऊर्जा जरूरतों, पर्यावरण संरक्षण और विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, इस नई व्यवस्था को केवल हरित क्रांति के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ वाहनधारकों की आर्थिक स्थिति, वाहनों की तकनीकी क्षमता, ईंधन की उपलब्धता और रखरखाव से जुड़ी चुनौतियों को भी समझना जरूरी है।

देश में पेट्रोल के साथ एथेनॉल मिलाने की शुरुआत वर्ष 2006 में हुई थी। बाद में सरकार ने इस मिश्रण को बढ़ाने की नीति अपनाई। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने की व्यवस्था ई-20 के नाम से जानी जाती है। सरकार के अनुसार, इससे पेट्रोल के आयात पर होने वाला खर्च घटाने और प्रदूषण कम करने में मदद मिल सकती है। लेकिन दूसरी ओर, कुछ वाहनधारकों ने ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल के बाद माइलेज कम होने और वाहनों की कार्यक्षमता प्रभावित होने की आशंकाएं जताई हैं। इन शिकायतों ने आम उपभोक्ताओं के मन में सवाल खड़े किए हैं कि ईंधन में बदलाव का वास्तविक लाभ किसे मिलेगा और इसकी कीमत किसे चुकानी पड़ेगी।

ई-100 और ई-20 के बीच अंतर समझना भी आवश्यक है। ई-100 का अर्थ ऐसा ईंधन है जिसमें एथेनॉल की मात्रा लगभग पूरी तरह एथेनॉल आधारित हो। इसमें चलने वाले वाहन सामान्य पेट्रोल से चलने वाले वाहनों से तकनीकी रूप से अलग हो सकते हैं। सरकार की अधिसूचना के अनुसार, ई-100 का उपयोग उन्हीं वाहनों में किया जा सकेगा जिनके इंजन इस ईंधन के अनुकूल बनाए गए हों और जिन्हें इसके लिए प्रमाणित किया गया हो। इसका मतलब यह नहीं है कि मौजूदा पेट्रोल वाहनों में सीधे ई-100 भरकर उन्हें चलाया जा सकता है। वर्तमान वाहनधारकों को इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि उनके वाहन के निर्माता ने किस प्रकार के ईंधन की अनुमति दी है।

वाहनधारकों के लिए इस बदलाव के संभावित फायदे भी हैं। यदि ई-100 के अनुकूल वाहन उचित कीमत पर उपलब्ध होते हैं और उनके लिए पर्याप्त ईंधन केंद्र विकसित किए जाते हैं, तो भविष्य में पेट्रोल के विकल्प बढ़ सकते हैं। एथेनॉल आधारित ईंधन की कीमत प्रतिस्पर्धी रहने पर उपभोक्ताओं को ईंधन खर्च में राहत मिलने की संभावना भी बन सकती है। इसके अतिरिक्त, कृषि आधारित उत्पादन से एथेनॉल की आपूर्ति बढ़ने पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों को लाभ मिल सकता है। हालांकि, वाहनधारकों को वास्तविक बचत का आकलन केवल ईंधन की प्रति लीटर कीमत से नहीं, बल्कि वाहन के माइलेज, रखरखाव और उपलब्धता को ध्यान में रखकर करना होगा।

सरकार के सामने भी इस नीति के कई फायदे और चुनौतियां हैं। भारत अपनी तेल जरूरतों के बड़े हिस्से के लिए आयात पर निर्भर है। पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण बढ़ने और वैकल्पिक ईंधन अपनाने से कच्चे तेल के आयात में कमी आ सकती है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। एथेनॉल उत्पादन से कृषि क्षेत्र, प्रसंस्करण उद्योग और रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। पर्यावरण की दृष्टि से भी पेट्रोल के स्थान पर एथेनॉल के इस्तेमाल से कुछ परिस्थितियों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, वास्तविक पर्यावरणीय लाभ एथेनॉल के उत्पादन, परिवहन और कृषि में इस्तेमाल होने वाले संसाधनों पर भी निर्भर करते हैं।

इसके बावजूद सरकार के सामने खर्च और संसाधनों से जुड़ी चुनौतियां कम नहीं हैं। एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए कारखानों, भंडारण सुविधाओं, परिवहन व्यवस्था और ईंधन वितरण केंद्रों का विस्तार करना होगा। ई-100 के अनुकूल इंजन और वाहन विकसित करने में वाहन निर्माता कंपनियों को अनुसंधान तथा तकनीकी निवेश करना पड़ेगा। इसका असर शुरुआती दौर में वाहनों की कीमत पर पड़ सकता है। यदि ई-100 के लिए पर्याप्त बिक्री केंद्र नहीं बने, तो उपभोक्ता वाहन खरीदने के बावजूद ईंधन की उपलब्धता को लेकर परेशान हो सकते हैं। इसके अलावा, एथेनॉल उत्पादन में पानी और कृषि उपज की जरूरत को ध्यान में रखना होगा, ताकि खाद्य सुरक्षा और किसानों की दूसरी जरूरतों पर अनावश्यक दबाव न पड़े।

ब्राजील और अमेरिका जैसे देशों में फ्लेक्स फ्यूल तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। वहां ऐसे वाहन विकसित किए गए हैं जो निर्धारित सीमा के भीतर पेट्रोल और एथेनॉल के अलग-अलग मिश्रणों पर चल सकते हैं। भारत में भी इस तकनीक की संभावनाएं तलाशना स्वाभाविक है, लेकिन दूसरे देशों का अनुभव अपनाते समय भारतीय परिस्थितियों का ध्यान रखना होगा। यहां वाहन बाजार, सड़क परिवहन, कृषि संसाधन और ईंधन वितरण की परिस्थितियां अलग हैं। इसलिए किसी तकनीक की सफलता केवल सरकारी अनुमति से नहीं, बल्कि उसके व्यावहारिक उपयोग और उपभोक्ताओं के अनुभव से तय होगी।

ई-20 को लेकर उठे सवालों का पारदर्शी समाधान भी जरूरी है। वाहनधारकों को यह स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए कि कौन-सा वाहन किस ईंधन के अनुकूल है, माइलेज पर कितना संभावित असर पड़ सकता है और वारंटी तथा रखरखाव की शर्तें क्या हैं। वाहन निर्माता कंपनियों और सरकार को शिकायतों के वैज्ञानिक परीक्षण तथा उनके निष्कर्षों को सार्वजनिक करने पर ध्यान देना चाहिए। बिना प्रमाण के हर शिकायत को सही मानना उचित नहीं है, लेकिन उपभोक्ताओं की समस्याओं को नजरअंदाज करना भी ठीक नहीं होगा।

अंतत: ई-100 को अनुमति देना भारत की ऊर्जा नीति में एक नया विकल्प खोलता है, लेकिन इसकी सफलता का आधार संतुलित क्रियान्वयन होगा। सरकार को विदेशी मुद्रा बचत, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने के साथ आम नागरिक के खर्च को भी प्राथमिकता देनी होगी। वाहनधारकों को तकनीकी जानकारी और भरोसेमंद ईंधन उपलब्ध कराना आवश्यक है। हरित ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना समय की जरूरत है, मगर यह बदलाव ऐसा होना चाहिए जिसमें पर्यावरण को लाभ मिले, सरकार का आर्थिक बोझ घटे और आम उपभोक्ता पर अतिरिक्त खर्च का अनावश्यक भार न पड़े। यही ईंधन नीति की वास्तविक सफलता होगी।

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है- 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने ख?ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बु?ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जु?ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की ब?ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है।

केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है- बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है- 'एजिंग इन प्लेस', अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है।

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती

थी। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार और उन्हें बेसहारा छोड़ने पर तीन वर्ष तक के कारावास तथा 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। देखभाल केंद्रों के पंजीकरण, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण, शिकायतों के निवारण और साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ भी प्रस्तावित हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिकों के चिकित्सा संबंधी पूर्वनिर्धारित निर्णयों, कानूनी सहायता और डिजिटल सेवाओं तक पहुँच को महत्त्व दिया गया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा ने यह विधेयक 26 अक्टूबर 2026 को सर्वसम्मति से पारित किया है, इसे कानून के रूप में लागू होने के लिए राज्यपाल की स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

इस पहल का एक दूरदर्शी पक्ष 'सिल्वर इकोनॉमी' की अवधारणा भी है। बुजुर्गों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिकों के रूप में नहीं, बल्कि समाज के सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके अनुभव, ज्ञान, कौशल और जीवन-दृष्टि का उपयोग शिक्षा, परामर्श, सामाजिक सेवा, उद्यमिता और सामुदायिक विकास में किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति का अर्थ प्रतिभा की समाप्ति नहीं, बल्कि जीवन की दूसरी पारी का आरंभ भी हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज उन्हें बोझ नहीं, अपनी अमूल्य पूँजी माने। पेड़ जब पुराना होता है, तब भी उसकी छाया कम मूल्यवान नहीं हो जाती। इसी तरह अनुभव की परिपक्वता किसी भी राष्ट्र की विकास-यात्रा को दिशा दे सकती है। अब समय है कि केंद्र सरकार के साथ दूसरे राज्य भी केरल की इस पहल से प्रेरणा लें। केंद्र के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हो तथा आवश्यकतानुसार उसे और सशक्त बनाया जाए। राज्यों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित संरक्षण इकाइयाँ, सुलभ शिकायत व्यवस्था, निःशुल्क कानूनी सहायता, घर पर स्वास्थ्य सेवाएँ और सुरक्षित सामुदायिक केंद्र विकसित किए जाएँ। पुलिस, अस्पतालों, बैंकों और स्थानीय निकायों में बुजुर्गों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था हो। साथ ही, विद्यालयों और महाविद्यालयों में पीढ़ियों के बीच संवाद तथा परिवारों में संवेदनशीलता विकसित करने के अभियान चलाए जाएँ। कानून अपराध होने के बाद दंड दे सकता है, लेकिन संस्कार अपराध की नौबत आने से पहले ही रोक सकते हैं।

अंततः बुजुर्गों की सुरक्षा का प्रश्न केवल एक आयु-वर्ग के कल्याण का विषय नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा का निर्धारक है। आज जो युवा हैं, वे कल वरिष्ठ नागरिक होंगे। इसलिए बुजुर्गों के लिए बनाई गई संवेदनशील व्यवस्था वास्तव में हमारे अपने भविष्य की सुरक्षा है। विकसित भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक समृद्धि के साथ मानवीय संवेदना, तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक चेतना और आधुनिक जीवन के साथ पारिवारिक आत्मीयता भी विकसित होगी। केरल की पहल एक नई रोशनी का संकेत है, लेकिन इस रोशनी को देश के प्रत्येक घर तक पहुँचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें ऐसा भारत बनाना है, जहाँ वृद्धावस्था विवशता नहीं, सम्मान का काल होय जहाँ बुजुर्गों को अपने ही घर में पराया न होना पड़े और जहाँ उनकी आँखें संतान की प्रतीक्षा में नहीं, उसके प्रेम और उपस्थिति में चमकें। आखिर जिस समाज की जड़ें अपने बुजुर्गों के अनुभवों से जुड़ी रहती हैं, उसकी विकास-यात्रा के तूफानों में भी स्थिर रहने की संभावना अधिक होती है। यही सच्चे अर्थों में संस्कारित, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली सामान्य रहने से गुरुवार को किराना बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। शक्कर में लटक रही। काजू-बादाम में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में कमोवेश स्थिरता रही। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना टिका रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार गुरुवार को किराना बाजार में लेवाली कमजोर ही रही। शक्कर में मामूली लटक रही। सूखे मेवों में मजबूती देखी गयी। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 6900 रू. क्विंटल पर आ गये। उधर, दलहनों में चना 7550-7600 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। मूंग में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5350-5450, खोपरा गोला 380-425, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाठच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम रांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1820-1840, मुम्बई 1840, राजकोट तेलिया 2840, सोया साल्वेंट 1360-1365, सोया रिफाइंड 1420-1425, कपास्या 1440, धूलिया 1445, कड़ी 1450,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1420, मुम्बई सोया 1470,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 9000, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7550-7600, विशाल 7450-7500, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9100-9200, एवरेज 8900-9000, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूं पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरुवार को स्थानीय सराफा बाजार में विदेशी बाजारों की अगुवाई में चाँदी बाजार घटाकर बोले गये। सोने में टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे ~

चाँदी (9999) 195500, चाँदी (99) 195300, टंच 194600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 143700,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा के बाद डॉलर में मामूली कमजोरी आने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे मजबूत होकर 95.17 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीदों के अनुरूप ब्याज दरों को 3.75 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत के दायरे में अपरिवर्तित रखा है। हालांकि, इस फैसले के बाद डॉलर पर हल्का दबाव देखने को मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें सुधार आया और यह 95.17 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर बंद हुआ। कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका में बॉण्ड प्रतिफल का मजबूत स्तर रुपये पर दबाव बनाए हुए है। हालांकि, करीब 721 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, हाल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के प्रवाह में सुधार और भारतीय रिजर्व बैंक की बाजार में मौजूदगी रुपये को सहारा दे रही है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 905.01 अंकों की शानदार उछाल के साथ बढ़कर 74,151.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी 237.90 अंकों की तेजी के साथ ही 22,936.75 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 लिस्टेड कंपनियों में से 26 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जबकि केवल 4 शेयरों में मामूली गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 39 शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि 11 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह दिखाता है कि बाजार की तेजी किसी एक सेक्टर या कुछ

शेयरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह व्यापक थी।

तेजी वाले शेयरों की बात करें तो अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के शेयरों में सबसे ज्यादा उत्साह देखने को मिला, जो 5.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, एटरनल, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी उछाल रहा। वहीं अन्य प्रमुख बढ़ने वाले शेयरों में टाइटन, एनटीपीसी, बीईएल, इन्फोसिस, आईटीसी, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा आदि रहे। इस दौरान कुछ कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयर 1.44 फीसदी की सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। मारुति सुजुकी और, टेक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400.28 अंक की बढ़त दर्ज करते हुए 73,646.31 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 110.41 अंक चढ़कर 22,809.25 के स्तर पर बना हुआ था।

विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के दम पर चमका औद्योगिक उत्पादन

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के औद्योगिक क्षेत्र ने सितंबर 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। हाल में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। इस तेजी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्रों की भूमिका अहम रही, जो देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर मजबूती का संकेत है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी त्वरित अनुमानों के अनुसार, सितंबर 2026 में सूचकांक बढ़कर 124.3 पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 116.5 था। इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र की 11.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। हालांकि, अगस्त 2026 में दर्ज 8 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले सितंबर में यह गति कुछ धीमी रही, फिर भी समग्र प्रदर्शन उत्साहजनक रहा। विनिर्माण क्षेत्र के भीतर, कुल 23 उद्योग समूहों में से 17 ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर निर्माण क्षेत्र ने 19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की, जिसमें ऑटो कंपोनेंट्स, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन ने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल उपकरण निर्माण क्षेत्र में 33.9 प्रतिशत और रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद निर्माण क्षेत्र में 19.9 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी देखी गई। इलेक्ट्रिकल उपकरणों में स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टर्स जैसे उत्पादों की मांग में उछाल आया। उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का सूचकांक 153.4 और मध्यवर्ती वस्तुओं (इंटरमीडिएट गुड्स) का सूचकांक 131.7 रहा, जो निवेश और उत्पादन गतिविधियों में निरंतर मजबूती का स्पष्ट संकेत है।

1 दिसंबर से क्रेडिट कार्डधारकों को ईंधन और यात्रा भुगतान पर देना होगा अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक कार्ड का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए 1 दिसंबर 2026 से नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। बैंक ने क्रेडिट कार्ड के जरिए ईंधन खरीदने और परिवहन सेवाओं का भुगतान करने पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा। इस नए नियम के लागू होने से उन ग्राहकों की जेब पर बोझ बढ़ेगा जो अपने क्रेडिट कार्ड से भारी-भरकम खरीदारी या यात्रा भुगतान करते हैं। नए नियमों के मुताबिक यदि कोई कार्डधारक एक बिलिंग चक्र के दौरान पेट्रोल या डीजल पर कुल 50,000 रुपए से ज्यादा खर्च करता है, तो उनसे कुल खर्च की गई राशि पर 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क वसूला जाएगा। खास बात यह है कि यह शुल्क केवल 50,000 रुपए से ऊपर की राशि पर नहीं, बल्कि पूरी खर्च की गई रकम पर लागू होगा जैसे यदि महीने भर में 60,000 रुपए का ईंधन खरीदा गया है, तो ग्राहक को पूरी राशि पर 1 फीसदी यानी 600 रुपए शुल्क के रूप में देने होंगे। हालांकि, यदि कुल खर्च 50,000 रुपए या उससे कम रहता है, तो कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। इसके अलावा, परिवहन सेवाओं जैसे मेट्रो, लोकल ट्रेन, बस सेवाओं और फास्टैग रिचार्ज आदि के लिए किए गए किसी एक भुगतान की राशि 30,000 रुपए से ज्यादा होने पर भी 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह सीमा प्रति लेनदेन के आधार पर तय की गई है। एसबीआई ने इस वर्गीकरण को मर्चेंट कैटेगरी कोड के जरिए स्पष्ट किया है। जानकारों के मुताबिक इस नए नियम का सबसे ज्यादा असर उन व्यापारियों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों पर पड़ेगा जो अपने वाहनों के लिए बड़ी मात्रा में क्रेडिट कार्ड से ईंधन डलवाते हैं या फास्टैग रिचार्ज करते हैं। आम व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं पर, जिनका मासिक खर्च निर्धारित सीमाओं से कम है, इस बदलाव का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपने मासिक खर्च और बिलिंग चक्र की तारीखों पर ध्यान देकर क्रेडिट कार्ड का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और अवसरों के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। आर्थिक मामलों में लाभ के योग बनेंगे और आपकी स्थिति मजबूत हो सकती है, लेकिन बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक या मांगलिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ- आज भाग्य आपका साथ देता नजर आएगा और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी और धन के साथ मान-सम्मान में भी वृद्धि हो सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए किसी बड़ी ताकत से कम नहीं रहेगा और उनके सहयोग से कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

मिथुन- आज आपके जीवन में राहत और सुकून का माहौल बनने वाला है। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे दूर होंगी और आप पहले से अधिक सहज महसूस करेंगे। अपनी बुद्धिमानी और चतुराई से कठिन कामों को भी आसानी से पूरा कर पाएंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और घर का वातावरण खुशहाल रहेगा। कहीं घूमने-फिरने की योजना बन सकती है और अपनी पसंद की चीजों पर खर्च करने का मन होगा।

कर्क- आज अचानक मिलने वाला लाभ आपके चेहरे पर खुशी ला सकता है। लंबे समय से अटका हुआ कोई काम गति पकड़ेगा और उसके पूरा होने की उम्मीद मजबूत होगी। हालांकि, दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचें, क्योंकि छोटी-सी बात भी विवाद का रूप ले सकती है।

सिंह- आज आपका व्यवहार, आत्मविश्वास और मधुर वाणी लोगों को प्रभावित करेंगे। नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा, जो आने वाले समय में तरक्की के अवसर लेकर आ सकता है। नौकरी करने वालों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, वहीं व्यापार में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। जीवनसाथी का साथ आपको भावनात्मक मजबूती देगा और आप कठिन परिस्थितियों का सामना भी पूरे आत्मविश्वास से करेंगे।

कन्या- आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी की सराहना होगी। समय पर काम पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई योजनाओं पर आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। संतान से जुड़ी किसी बात को नजरअंदाज न करें, बल्कि समय रहते उस पर ध्यान दें। परिवार और मित्रों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन हल्का और प्रसन्न रहेगा।

तुला- आज का दिन रिश्तों में मधुरता और जीवन में खुशियां बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। परिवार के साथ बिताए गए पल आपको मानसिक शांति देंगे। कोई पुराना लेन-देन समाप्त होने से आर्थिक या मानसिक राहत मिल सकती है। सरकारी मामलों में सतर्कता बरतें और सामाजिक या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग अपने शब्दों तथा फैसलों पर विशेष ध्यान दें। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है।

वृश्चिक- आज आपके लिए धैर्य और समझदारी से काम लेना सबसे ज्यादा जरूरी रहेगा। जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ सकती हैं और घर के लिए कोई नई वस्तु खरीदने का विचार बन सकता है। घर की सजावट या उसमें कुछ बदलाव करने की योजना भी आगे बढ़ सकती है। बच्चों के साथ समय बिताने से मन खुश रहेगा। हालांकि, वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें और जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं। अपनी निजी बातें हर किसी से साझा करने से बचें, क्योंकि गोपनीयता बनाए रखना आपके हित में रहेगा।

धनु- आज का दिन व्यस्तता और भागदौड़ से भरा रह सकता है, लेकिन आपकी मेहनत अच्छे परिणाम दिलाने में सफल होगी। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आएंगे और आप पूरे उत्साह के साथ उनका लाभ उठाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी पुरानी परेशानी में राहत मिलने की संभावना है।

मकर- आज आपको हर कदम पर सतर्कता और धैर्य बनाए रखने की जरूरत होगी। कामकाज में छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी पैदा कर सकती है, इसलिए किसी भी फैसले से पहले उसके परिणामों पर विचार करें। विद्यार्थियों का तनाव कम होगा और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ने के संकेत हैं। मेहनत का उचित फल मिलने से आत्मविश्वास मजबूत होगा। दूसरों पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाय अपनी समझ और विवेक का इस्तेमाल करें।

कुंभ- आज आपके सामने तरक्की और आगे बढ़ने के नए अवसर आ सकते हैं। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और अपनी योग्यता दिखाने का मौका मिलेगा। सरकारी कामों में कुछ इंतजार करना पड़ सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मीन- आज का दिन नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दे रहा है। लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और घर-परिवार में खुशियों का माहौल बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य को करियर या नौकरी से जुड़ी अच्छी खबर मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से बातचीत करते समय अपने शब्दों पर संयम रखें, ताकि किसी तरह की गलतफहमी न पैदा हो। पुराने मित्र से मुलाकात होने पर बीते दिनों की यादें ताजा होंगी।

शब्दजाल- 8435

म	म	म	चु	प	चु	प	के	ह	क	ल
ह	ला	सू	ह	वि	ल	जी	स	ल	क	भा
हे	वी	मा	द	अं	रा	त	र	म	ल	ग
रा	र	दा	ल	ल	क	स	ओ	ह	सु	म
फे	मु	न	थ	वी	म	मी	त	ल	व	भा
री	मी	खु	स	जि	क	क	प	च	स	ग
के	ह	बु	रा	दी	म	ली	टे	ल	र	दा
व	पू	कु	द	ह	प	नी	का	ला	पा	नी
हं	गा	मा	सू	ह	ट	ने	ले	ल	जी	क
सा	त	रं	ग	के	स	प	ने	री	क	ल
म	ह	न	ह	ज	तु	द	न	ज	ल	बा

शब्दजाल में प्रियादर्शन निर्देशित की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

चुप चुप के, भागमभाग, हलचल, हंगामा, हेराफेरी, विरासत, काला पानी, सात रंग के सपने, मालामाल वीकली, मुस्कुराहट

शब्दजाल - 8434 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7369

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखो भी तो क्या देखो' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'जानशीन' में प्रतीपकुमार की नायिका कौन थी?-३
१२. 'दिल में जागे धड़कन' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरुख के साथ नायिका कौन थी?-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बॉर्डर' में किसकी नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. सनी, अमृता, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का हर किस्सा' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन गया' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विनोद, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरन की 'चांद की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चांद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चांदनी धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें न दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी?-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7368

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 303 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 19.26 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 09.05 बजे को समाप्त।
योग शिव 20.42 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.46 बजे को समाप्त। तैतिल 19.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872878
जूलियन दिन 2461343.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 18

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.27
चंद्र	मिथुन में	धनु	09.43
मंगल	कर्क में	मकर	11.49
बुध	तुला में	कुंभ	13.35
गुरु	कर्क में	मीन	15.08
शुक्र	तुला में	मेष	16.38
शनि	मीन में	वृष	18.18
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.17
केतु	सिंह में	कर्क	22.30
		सिंह	00.46
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	02.58
		तुला	05.09

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः ज्ञान का अभिमान

नालंदा विश्वविद्यालय का एक होनहार छात्र था कौशल। उसने धर्मशास्त्रों में विशेष योग्यता हासिल की थी, मगर उसे अपने ज्ञान पर अभिमान होने लगा था। नालंदा छोड़ते समय कौशल ने अपने गुरु से कहा, 'गुरुदेव, आपने जो भी ज्ञान मुझे दिया, मैंने उसे श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया परंतु मेरी ज्ञान-पिपासा अभी शांत नहीं हुई है। मैं और अधिक ज्ञान प्राप्त करना चाहता हूं।' उसके गुरु ने उसे पाटलिपुत्र के धर्माचार्य योगी महाराज के आश्रम में जाने को कहा। धर्माचार्य ने जब कौशल से उसके आने का प्रयोजन पूछा तो उसने कहा, 'गुरुदेव! मैं नालंदा से आपके पास और अधिक ज्ञान प्राप्त करने आया हूं। कृपया मुझे अपने शिष्य के रूप में स्वीकार कर लें।' धर्माचार्य कौशल से उसके अध्ययन के बारे में पूछने लगे। कौशल ने कहा, 'मुझे लगभग हर तरह का ज्ञान प्राप्त है, मैंने सभी धर्म ग्रंथों का कई बार अध्ययन किया है। मैंने शास्त्रार्थ में अच्छे-अच्छे विद्वानों को पराजित किया है।' बातचीत के बाद धर्माचार्य ने अपने सहायक को गर्म दूध लाने के लिए कहा। सहायक एक पात्र में दूध तथा दो प्याले रखकर चला गया। धर्माचार्य एक प्याले में दूध डालने लगे। दूध का प्याला भर गया, पर उन्होंने दूध डालना बंद नहीं किया। दूध छलक कर प्याले से बाहर गिरने लगा। धर्माचार्य तब भी दूध डालते गए। कौशल ने हैरत से देखा और कहा, 'गुरुदेव, यह आप क्या कर रहे हैं? दूध का प्याला तो भर चुका है। अब इसमें और दूध नहीं समाएगा।' कौशल की बात सुनकर धर्माचार्य ने दूध डालना बंद कर दिया, फिर मुस्कुराकर बोले, 'वत्स, जिस प्रकार दूध भरने के लिए खाली प्याला चाहिए, उसी प्रकार ज्ञान ग्रहण करने के लिए भी खुला मन आवश्यक है। मन में ग्रहणशीलता होनी चाहिए। तुमने अपने ज्ञान के बारे में अपने मन में अनेक भ्रम एवं पूर्वाग्रह भर रखे हैं। ऐसे में मेरा दिया हुआ अतिरिक्त ज्ञान कहां समाएगा?' कौशल का सारा अभिमान चूर-चूर गया।

सूडोकु नवताल- 7678

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8	5			9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7677 का हल

शब्द पहेली - 8893

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वदेश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. ईंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधु, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, सरस-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

शब्द पहेली -8892 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आस्था और परंपरा के साथ मनाया करवा चौथ, बादलों ने रोकी चांद की राह

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, चंद्र दर्शन नहीं होने से कई महिलाओं को करना पड़ा इंतजार

पद्मेश न्यूज। लांजी। सुहाग, प्रेम और दांपत्य जीवन में अटूट विश्वास का प्रतीक करवा चौथ पर्व गुरुवार, 29 अक्टूबर को नगर एवं क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ दिनभर निर्जला व्रत रखा। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार करवा माता की पूजा-अर्चना की और भगवान गणेश सहित अन्य देवी-देवताओं से परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। हालांकि, इस बार चक्रवाती तूफान के प्रभाव से आसमान में छाए बादलों ने पर्व के सबसे प्रतीक्षित क्षण चंद्र दर्शन में बाधा डाल दी। बादलों के कारण चंद्रमा के दर्शन नहीं हो पाने से व्रती महिलाओं को इंतजार करना पड़ा।

करवा चौथ के अवसर पर सुबह से ही नगर और आसपास के क्षेत्रों में पर्व का उत्साह दिखाई दिया। सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण किए। मांग में सिंदूर, माथे पर बिंदी, हाथों में रंग-बिरंगी चूड़ियां और आभूषणों से सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा की तैयारी की। पूजा की थाली सजाकर करवा माता और भगवान गणेश की आराधना की गई। महिलाओं ने करवा चौथ की कथा सुनी और पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य तथा परिवार में सुख-शांति की कामना की।

दिनभर निर्जला व्रत, शाम को की पूजा-अर्चना

धार्मिक परंपरा के अनुसार महिलाओं ने कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी पर सूर्योदय से व्रत रखा। दिनभर अन्न और जल का त्याग कर पति के प्रति प्रेम, समर्पण और विश्वास का संकल्प निभाया। शाम को भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद महिलाओं को चंद्रोदय का इंतजार रहा, क्योंकि चंद्रमा को अर्घ्य देने और दर्शन करने के बाद ही व्रत खोलने की परंपरा है।

बादलों के कारण चंद्र दर्शन में आई बाधा

इस वर्ष चक्रवाती तूफान के प्रभाव से मौसम में बदलाव और आसमान में बादलों की मौजूदगी के कारण चंद्र दर्शन में परेशानी हुई। सामान्य तौर पर चांद निकलने के बाद महिलाएं छलनी से चंद्रमा और अपने पति के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य देती हैं। इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर मिठाई खाकर व्रत खोलती हैं। लेकिन बादलों के कारण चंद्रमा दिखाई नहीं देने से महिलाओं को प्रतीक्षा करनी पड़ी। कुछ स्थानों पर महिलाएं सामूहिक रूप से एकत्रित होकर पूजा-अर्चना करती नजर आईं। करवा चौथ केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक भी माना जाता है। पर्व के माध्यम से महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। नगर एवं क्षेत्र में पूरे दिन पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा। चंद्र दर्शन में बाधा के बावजूद महिलाओं की आस्था और परंपराओं के प्रति श्रद्धा बनी रही।

खनिज विभाग की कार्रवाई लांजी और परसोडी में रेत का अवैध परिवहन करते तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में अवैध खनन, परिवहन और खनिजों के भंडारण पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल ने कार्रवाई करते हुए लांजी और परसोडी में रेत का अवैध परिवहन कर रहे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। जब्त वाहनों को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए लांजी थाना की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश तथा उप संचालक खनि प्रशासन सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को खनिज उड़नदस्ता दल ने विभिन्न स्थानों पर जांच के दौरान लांजी में रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा परसोडी में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा। विभागीय दल ने तीनों वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस थाना लांजी की अभिरक्षा में रखवाया है। खनिज विभाग के अनुसार, अभियान का उद्देश्य जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी रोक लगाना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करना तथा शासन को होने वाली राजस्व हानि को रोकना है। अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम, मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 तथा अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लांजी क्षेत्र के जंगल में बाघ की आहट से दहशत

बाघ ने दो बैलों का किया शिकार

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत खांडाफरी के ग्राम कादला में बाघ के हमले से दो बैलों की मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच के दौरान बैलों के शरीर पर दांत और पंजों के निशान तथा घटनास्थल के आसपास बाघ के पंजों के निशान पाए गए। वन विभाग ने जांच के आधार पर बाघ के हमले से दोनों बैलों की मौत की पुष्टि की है। घटना के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी ब?ा दी है। सुरक्षा के लिहाज से कैमरे भी लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 29 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे ग्रामीण द्वारा वन विभाग को सूचना दी गई कि क्षेत्र में दो बैल मृत अवस्था में प? हैं। सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम पंचायत के पंचगण भी मौजूद रहे।

एक बैल के पिछले हिस्से का मांस खाया, दूसरे के शरीर पर मिले निशान

मौके पर निरीक्षण के दौरान एक सफेद रंग के बैल के पिछले हिस्से का मांस खाया हुआ पाया गया। वहीं, काले रंग के दूसरे बैल की गर्दन पर दांतों के निशान और शरीर के अन्य हिस्सों पर पंजों के निशान मिले। घटनास्थल के समीप गीली जमीन पर बाघ के पंजों के निशान भी पाए गए। इसके अलावा, बैलों को घसीटने के निशान भी दिखाई दिए। वन अमले ने घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया और पंचगण की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई पूरी की। वन विभाग की जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर दोनों बैलों की मौत बाघ के हमले से होने की पुष्टि की गई है। घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की गतिविधियों को लेकर सतर्कता ब?ा दी गई है।

कैमरे लगाकर बाघ की गतिविधियों पर रखी जा रही नजर

वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी के रेंजर सपन ताम्रकार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद वन अमले ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित क्षेत्र में कैमरे लगाए गए हैं और बाघ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। वन विभाग द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कराकर लोगों को सावधानी बरतने के लिए जागरूक भी किया गया है।

ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील

वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री ताम्रकार ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल एवं वन क्षेत्रों के आसपास जाते समय विशेष सावधानी बरतें। अनावश्यक रूप से अकेले जंगल की ओर जाने से बचें और मवेशियों को चराने के दौरान सतर्क रहें। बाघ या किसी अन्य वन्यजीव की मौजूदगी दिखाई देने पर उसके नजदीक जाने, उसका पीछा करने या उसे परेशान करने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना दें। वन विभाग द्वारा कैमरों के माध्यम से निगरानी और ग्रामीणों को जागरूक करने की कार्रवाई का उद्देश्य वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही ग्रामीणों एवं उनके मवेशियों को संभावित खतरे से बचाना है। क्षेत्र में बाघ की गतिविधियों पर नजर रखते हुए विभाग स्थिति के अनुसार आवश्यक कदम उठा रहा है।

किरनापुर में सम्राट अशोक सेना का आयोजन, धर्मदीप सूर्यवंशी बने जिला अध्यक्ष

पदमेश न्यूज। किरनापुर। किरनापुर बस स्टैंड स्थित डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा प्रांगण में सम्राट अशोक सेना सामाजिक संगठन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित जनों ने सम्राट अशोक के छायाचित्र एवं डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए.इस अवसर पर बौद्ध समाज के लोगों एवं उपासकों ने प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव का फूलमालाओं से आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने समाजजनों से संवाद करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और समाज में एकता स्थापित करने पर अपने विचार व्यक्त किए.अजय सुखदेव ने कहा कि सम्राट अशोक ने समाज को सत्य, न्याय, करुणा और समरसता का मार्ग दिखाया। उनका जीवन-दर्शन सदैव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका जीवन हमें सिखाता है कि मनुष्य अपने विचारों, कर्मों और दृढ़ संकल्प के बल पर महानता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को समाज में शिक्षा, समानता, भाईचारे, सामाजिक समरसता और मानवता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। सम्राट अशोक के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर ऐसे समाज का निर्माण करना चाहिए, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, न्याय और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। उन्होंने सत्य के मार्ग पर चलने, मानवता का सम्मान करने तथा प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने का आह्वान किया।

धर्मदीप सूर्यवंशी को मिली अध्यक्ष पद की कमान

उधर कार्यक्रम के दौरान सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव ने धर्मदीप सूर्यवंशी को सम्राट अशोक सेना का बालाघाट जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। उनकी नियुक्ति पर उपस्थित समाजजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में किरनापुर के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि जे.पी. रामटेके, राकेश बोरकर, विकास सूर्यवंशी, एस.आर. पटेल, साहिल मेश्राम, अंशुल मेश्राम, राहुल गजभिये, अमरदीप रामटेके, प्रज्वल सूर्यवंशी, अनिल सूर्यवंशी, आनंद चौहान, नरेश, मुकेश एवं राकेश भीमके सहित बड़ी संख्या में बौद्ध समाज के उपासक और समाजजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया गया। अंत में उपस्थित समाजजनों ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष धर्मदीप सूर्यवंशी को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए समाज के उत्थान और संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय योगदान देने की अपेक्षा व्यक्त की।

डॉ. सोमेश्वर पटले पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र की ग्राम पंचायत सावरी कला निवासी डॉ. सोमेश्वर पटले, पिता शोबनलाल पटले का 79 वर्ष की उम्र में बीमारी के चलते गुरुवार, 29 अक्टूबर की अलसुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों और परिचितों में शोक व्याप्त हो गया।

डॉ. पटले अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र, चार पुत्रियों सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को दोपहर 2 बजे ग्राम सावरी कला स्थित मोक्षधाम में किया गया। इस दौरान नाते-रिश्तेदारों, इष्ट-मित्रों एवं परिचितों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

बीएमओ डॉ. अक्षय उपराडे का एमडी मेडिसिन के लिए चयन, लांजी के स्वास्थ्य क्षेत्र को मिलेगी नई मजबूती

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी के सिविल अस्पताल में खंड चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत डॉ. अक्षय कुमार उपराडे का चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एमडी मेडिसिन की पढ़ाई के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर में चयन हुआ है। उनकी इस सफलता को लांजी क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। डॉ. उपराडे ने खंड चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के साथ स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। डॉ. अक्षय कुमार उपराडे मूल रूप से लांजी विकासखंड के ग्राम डोंगरगांव के निवासी हैं। उन्होंने वर्ष 2022 में एलएन चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद बंधपत्र के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहेला में सेवाएं दीं। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से सितंबर 2023 में उनका नियमित चिकित्सा अधिकारी के पद पर चयन हुआ। नवंबर 2024 से वे सिविल अस्पताल लांजी में खंड चिकित्सा अधिकारी का दायित्व संभाल रहे हैं।

दो वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर रहा जोर

खंड चिकित्सा अधिकारी के रूप में डॉ. उपराडे के कार्यकाल के दौरान सिविल अस्पताल लांजी में चिकित्सकीय सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में प्रयास किए गए। पहले अस्पताल में जहां एक-दो चिकित्सक ही उपलब्ध रहते थे, वहीं अब लगभग सात चिकित्सा अधिकारी सेवाएं दे रहे हैं। चिकित्सकों की संख्या में हुई इस वृद्धि से क्षेत्र के मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। इसके साथ ही शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में भी लांजी विकासखंड का प्रदर्शन बेहतर रहा। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में विकासखंड ने जिले में सर्वाधिक कार्ड बनाने की उपलब्धि हासिल की। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए कलेक्टर द्वारा डॉ. उपराडे को सम्मानित भी किया गया था। स्वास्थ्य योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के प्रयासों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

लांजी में ही सेवाएं देने की इच्छा

एमडी मेडिसिन की उच्च शिक्षा के लिए चयन होने के बाद भी डॉ. अक्षय उपराडे की प्राथमिकता भविष्य में लांजी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं देना है। उन्होंने अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि वे आगे भी लांजी में ही सेवाएं देना चाहते हैं, ताकि क्षेत्र के ग्रामीणों और आसपास के गांवों के मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सके। विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। डॉ. उपराडे की इस उपलब्धि पर उनके पिता सोहनलाल उपराडे, माता चित्ररेखा उपराडे, परिवारजनों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों और मित्रों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। उनकी सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जिले में बेमौसम बारिश का कहर जारी

दो दिनों से बारिश जारी - धान की कटी फसल बर्बाद होने की चिंता

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। इस वर्ष कम बारिश के बावजूद किसानों ने मेहनत और मोटर पंप से सिंचाई कर धान की फसल तैयार की. अब कटाई के बाद खेतों में सूखने के लिए रखी फसल पर चक्रवाती तूफान का असर पड़ने लगा है, जिससे किसान चिंतित हैं. बुधवार दोपहर से हो रही बूंदाबांदी ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है. गुरुवार, 29 अक्टूबर को भी दिन भर बारिश होते रही. किसानों को डर है कि खेतों में पानी जमा होने से कटी धान की फसल सड़ सकती है और उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है. जिले के कई गांवों में धान की कटाई शुरू हो गई है. जानकारी के अनुसार, जिले में 30 से 40 प्रश. हल्के धान फसल की कटाई हो चुकी है.

महाराष्ट्र में गुणवत्तापूर्ण खरीफ धान उत्पादन के लिए पहचान रखने वाले गोंदिया जिले के किसानों की मुश्किलें इस साल लगातार बढ़ती जा रही हैं. पहले बारिश की अनियमितता और सूखे जैसी स्थिति ने धान की फसल को प्रभावित किया, वहीं अब फसल कटाई के समय हुई अवकाली बारिश ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है. इस खरीफ सीजन में मानसून की शुरुआत से ही बारिश ने किसानों को इंतजार कराया. समय पर पानी नहीं मिलने से कई किसानों को देर से बुआई करनी पड़ी. अनेक क्षेत्रों में रोपाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण नर्सरी में तैयार धान के पौधे सूख गए. जिन किसानों ने कुओं के पंप या सीमित बारिश के सहारे किसी तरह फसल तैयार की, उन्हें भी अपेक्षा के अनुरूप उत्पादन नहीं मिल पाया. सूखे और कम उत्पादन से पहले ही परेशान किसान अब खेतों में तैयार हुई थोड़ी-बहुत फसल को बचाने में जुटे थे. इसी बीच बुधवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर करीब 3 बजे जिले के कई क्षेत्रों में अचानक तेज बारिश शुरू हो गई. यह बारिश दूसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहने से खेतों में खड़ी फसलों के साथ कटाई के बाद खेतों में रखे धान को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है. लगातार बदलते मौसम और फसल को हो रहे नुकसान ने किसानों के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है. अब प्रभावित किसानों को नुकसान का आकलन और राहत मिलने की उम्मीद है.

खेतों में भीगा धान, अंकुरित होने का खतरा

बारिश के कारण खेतों में काटकर रखी गई धान की गंजी भीग गई. लगातार नमी रहने से धान में अंकुर निकलने और फसल के सड़ने का खतरा बढ़ गया है. कुछ क्षेत्रों में धान के काले पड़ने की भी जानकारी सामने आई है. इससे किसानों को उपज की गुणवत्ता और उचित कीमत मिलने को लेकर चिंता सता रही है.

कर्ज चुकाने की चिंता

पूरे साल खेतों में मेहनत करने के बाद भी अपेक्षित उत्पादन नहीं मिलने से किसान आर्थिक संकट में हैं. ऐसे में बैंक के फसल कर्ज, राष्ट्रीयकृत व ग्रामीण बैंकों की किस्तों और निजी तौर पर लिया गया सोने के बदले कर्ज चुकाने की चिंता उन्हें परेशान कर रही है.

बेमौसम बारिश से धान की फसल को हुए नुकसान की स्थिति का जायजा लेना आवश्यक है. खेतों में कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखने तथा पानी जमा न होने देने के लिए किसान आवश्यक सावधानी बरतें. प्रभावित क्षेत्रों में फसल नुकसान की जानकारी लेकर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

निलेश कानवड़े, कृषि अधिकारी, गोंदिया

गोदाम के पास से मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत मालवीय वार्ड निवासी फिर्यादी रागिणी कैलाश अंदानी (45) की मोटरसाइकिल से उसका पति नगर परिषद चाल के गोदाम के पास स्थित दुकान में गया था. इसी बीच अज्ञात व्यक्ति वह मोटरसाइकिल चुरा ली. जिसकी कीमत 40 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार शहारे कर रहे हैं.

फांसी लगाकर वृद्ध ने की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रावणवाड़ी थाने के तहत निलज निवासी भैयालाल किसनलाल फाये (84) ग्राम दासगांव में बाजार करने गया था. इसी बीच उसने निलज के जंगल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. फिर्यादी शिवकुमार हरिणखेडे (55) की शिकायत पर रावणवाड़ी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार शरणागत कर रहे हैं।

अभिजीत वंजारी की जीत पर गोंदिया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जश्न

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार व कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी विधायक एड. अभिजीत गोविंदराव वंजारी की जीत के बाद गुरुवार, 29 अक्टूबर को गोंदिया में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विजय उत्सव मनाया. शहर के शहीद भोला कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपनी खुशी जाहिर की.

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सर्वप्रथम परमपूज्य डा. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को अभिवादन किया. इसके बाद कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाए गए. कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया. कार्यकर्ताओं ने कहा कि बैलेट पेपर के माध्यम से हुए इस चुनाव में सामान्य स्नातक मतदाताओं ने मतदान कर महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वंजारी की जीत को लेकर उपस्थित कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा. इस अवसर पर अध्यक्ष अमर वराडे, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, पार्षद सुनील तिवारी, विजय रगडे, क्रांतिकुमार जायस्वाल, अमर रंगारी, सुनिल भालेराव, छबुताई उके, अजय अग्रवाल, राजकुमार पटले, मनिष मेश्राम, आलोक मोहंती, मनिष चौव्हान, अमन तिगाला, आनंद लांजेवार, विजय बोरकर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

सूखाग्रस्त किसानों की मदद को आगे आए अधिकारी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जिले में सूखे की मार झेल रहे किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महाराष्ट्र राज्य राजपत्रित विकास सेवा संघटना ने सामाजिक पहल की है. संगठन के पदाधिकारियों और जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने एक दिन का वेतन दान करते हुए मुख्यमंत्री सहायता निधि के लिए 80 हजार रु. का योगदान दिया.सूखे के कारण आर्थिक संकट का सामना कर रहे किसानों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह राशि मुख्यमंत्री सहायता कक्ष को सौंपी गई. इस पहल के माध्यम से अधिकारियों ने संकट की घड़ी में किसानों के साथ खड़े रहने और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया. इस अभियान में जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. तानाजी लोखंडे, परियोजना संचालक प्रमिला जाखलेकर, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य) फरेंद्र कुतीरकर, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) मधुकर वासनिक, वी. डी. लौंढे, अमित भोये, संजय पुरी, पल्लवी वाडेकर, नितीन गडवार, आदित्य टाकरे, ज्ञानेश्वर लोहबरे, सारीपुत्र धोटे, डा. संघमित्रा कोल्हे, दिलीप खोटेले, हेमराज गौतम, अरुण गिरेपुंजे, वैशाली खोब्रागड़े, शंकर वैद्य और पीयूष सोमकुवर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी सहभागी हुए. अधिकारियों ने अपने एक दिन के वेतन से एकत्रित राशि किसानों की सहायता के लिए देकर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया. इस पहल से सूखे की स्थिति में प्रभावित किसानों को मदद पहुंचाने के साथ ही अन्य लोगों को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का संदेश मिला है.

ट्रैक्टर से 12 बोरे धान चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। खेत से धान बेचने के लिए चिचटोला धान खरीदी केंद्र ले जा रहे किसान के ट्रैक्टर से 12 बोरे धान चोरी हो गए. चोरी किए गए धान का कुल वजन 480 किलो व अनुमानित कीमत 9,600 रु. बताई गई है. पुलिस ने किसान की शिकायत पर चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवरी तहसील के डोंगरगांव निवासी खुशाल दुलीराम कापगते (35) अपने खेत का धान बेचने के लिए ट्रैक्टर से चिचटोला धान खरीदी केंद्र जा रहे थे. रास्ते में ट्रैक्टर पंचर हो गया, जिसके कारण उन्होंने 28 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे डोंगरगांव जिला वरिष्ठ प्राथमिक स्कूल के सामने ट्रैक्टर खड़ा कर दिया. 29 अक्टूबर की सुबह करीब 7.30 बजे जब किसान ट्रैक्टर के पास पहुंचे, तो उन्हें नीचे कुछ धान बिखरा हुआ दिखाई दिया. ट्रैक्टर पर चढ़कर जांच करने पर धान की बोरियां नीचे खिसकी हुई मिलीं. बोरियों की गिनती करने पर 12 बोरे कम पाए गए. इसके बाद किसान ने पुलिस को घटना की जानकारी दी. उनकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है. जांच सालेकसा थाने के हवलदार भजने कर रहे हैं.

खेत से मोटर पंप चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गंगाझरी थाने के तहत रतनारा निवासी फिर्यादी लिखिराम सहेषराम दसरे (42) के कोहका खेत में लगी मोटर पंप अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिया. जिसकी कीमत 30 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार अनिल पारधी कर रहे हैं.

हाथ के कड़े से मारकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रामनगर थाने के तहत कटंगीकला निवासी फिर्यादी गणेश शालिकराम बिसने (30) सड़क पर खड़ा था. इसी बीच सुभाष चौक, कटंगीकला निवासी आरोपी चेतन बनकर (24), आदी बोरकर (21) व लिकेंद्र बनकर (19) विवाद कर रहे थे. इस दौरान फिर्यादी बीच बचाव करने गया. तब आरोपियों ने साठगांठ कर फिर्यादी के साथ खींच तान कर एक आरोपी ने उसके सिर पर हाथ के कड़े से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है, जांच हवलदार डाहारे कर रहे हैं।

जनगणना-2027 के लिए स्व-गणना पर जोर, कॉलेजों में विद्यार्थियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश में जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने सभी विभागों को आपसी समन्वय और संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नागरिकों को स्व-गणना के लिए जागरूक करने और अधिक से अधिक लोगों को स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया।

मुख्य सचिव गुरुवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनगणना पहली बार डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इसमें मोबाइल ऐप से आंकड़े एकत्र किए जाएंगे और वेब पोर्टल के जरिए कार्य की निगरानी एवं प्रबंधन होगा।

कॉलेजों और सोशल मीडिया से होगा प्रचार

बर्णवाल ने शासकीय कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए आईगॉट पोर्टल पर छोटा मॉड्यूल तैयार करने, कॉलेजों में विद्यार्थियों को स्व-गणना प्रपत्र भरने का प्रशिक्षण देने और डिजिटल व सोशल मीडिया पर इससे जुड़े वीडियो प्रसारित करने के निर्देश दिए। जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रैलियों, लोक कलाकारों, रेडियो, टीवी और सिनेमा हॉल के माध्यम से भी प्रचार किया जाएगा। निजी क्षेत्र और सार्वजनिक उपक्रमों को भी अभियान से जोड़ने पर जोर दिया गया।

पांच माह से मानधन नहीं, संविदा कर्मचारियों पर संकट

1 नवंबर तक भुगतान नहीं तो स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों का बहिष्कार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पंचायत समिति स्तर पर समूह संसाधन केंद्र (जल व स्वच्छता) में कार्यरत संविदा समूह समन्वयकों (ब्रक्ष्ट/ष्ट्रक्ष्ट) को पिछले पांच माह से मानधन नहीं मिलने के कारण उनके परिवारों पर आर्थिक संकट गहरा गया है. बकाया मानधन का भुगतान 1 नवंबर 2026 तक नहीं होने पर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत होने वाले कार्यों का बहिष्कार करने की चेतावनी जिला समूह संसाधन केंद्र (जल व स्वच्छता) संविदा कर्मचारी संगठन ने दी है. लेकिन, संगठन ने जल जीवन मिशन का कामकाज जारी रखने की बात कही है.

इस संबंध में संगठन ने जिला परिषद के जल व स्वच्छता विभाग के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय लौंढे को ज्ञापन सौंपा है. राज्य सचिव जयंत एच. वर्मा और राज्य अध्यक्ष विलास एस. निकम के हस्ताक्षर से यह ज्ञापन मंत्रालय, मुंबई के अपर मुख्य सचिव, जलापूर्ति व स्वच्छता विभाग को भी भेजा गया है. ज्ञापन में कहा गया है कि समूह संसाधन केंद्र में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को पहले से ही बेहद कम मानधन मिलता है. जून 2026 से अब तक भुगतान नहीं होने के कारण उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है. बच्चों की स्कूल फीस, रोजमर्रा के घरेलू खर्च और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. संगठन ने 6 जुलाई 2011 व 1 नवंबर 2012 के शासन निर्णयों का हवाला देते हुए बकाया मानधन का तत्काल भुगतान करने की मांग की है. ज्ञापन के अनुसार, यदि 1 नवंबर तक भुगतान नहीं किया गया, तो कर्मचारी जल जीवन मिशन के सभी कार्य जारी रखेंगे, लेकिन स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन (स्ब्रुरू), सामुदायिक स्वच्छता परिसर (ष्ट्रस्ष्ट), व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (इ॥॥ल), संत गाडगेबाबा अभियान, ठोस कचरा अधिनियम 2026 तथा ट्रायसाइकिल से संबंधित कार्यों का बहिष्कार करेंगे. ज्ञापन सौंपते समय संगठन के जिलाध्यक्ष गांधी पटले सहित सुभाष बोहरे, करुणा डोंगरे, शोभा डोये, नीलकमल डहाट, भीमराज पारधी, उमेंद्र भगत, सुरेश पटले, कैलास कोरे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

आरएसएस में पहली बार बनेंगी राज्य इकाईयां

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित बदलावों में क्षेत्र घटाना और नए संभाग बनाना शामिल है। सूत्रों के मुताबिक,आरएसएस पहली बार राज्य स्तर पर संगठनात्मक इकाइयां बनाएगा। आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक 2 से 4 नवंबर तक मध्यप्रदेश के इंदौर में होगी। तीन दिन की बैठक में संगठन के पुनर्गठन, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के 11 क्षेत्र घटाकर 9 किए जाएंगे। मौजूदा 46 प्रांतों की जगह करीब 90 संभाग बनाए जाएंगे।

स्कूल की कमियों का भी हिसाब रखेंगे शिक्षक

डेली डायरी बनेगी विभागीय लापरवाही का दस्तावेज

भोपाल। स्कूल में पढ़ाई के साथ अब वहां की अव्यवस्थाओं का हिसाब भी रखा जाएगा। शिक्षक अपनी डेली डायरी में शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा स्कूल की बुनियादी सुविधाओं, संसाधनों की कमी और विभागीय स्तर पर लंबित समस्याओं का भी नियमित ब्योरा दर्ज करेंगे। इसमें जर्जर भवन, अधूरे निर्माण, पाठ्यपुस्तकों की कमी, शिक्षकों के रिक्त पद और विभिन्न मदों में अटकी राशि जैसी जानकारियां शामिल होंगी। शिक्षकों का मानना है कि इससे विद्यालय की वास्तविक स्थिति का दस्तावेजी रिकॉर्ड तैयार होगा और निरीक्षण के दौरान जिम्मेदारी तय करने में मदद मिलेगी। यह पहल ऐसे समय सामने आई है, जब जबलपुर के कुंडम क्षेत्र में स्कूल के निरीक्षण के बाद पांच शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इस कार्रवाई के बाद शिक्षकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि स्कूलों में कई कमियां ऐसी होती हैं, जिनका समाधान शिक्षकों के स्तर पर संभव नहीं है। इसके बावजूद निरीक्षण के दौरान व्यवस्थागत खामियों के लिए पूरे स्टाफ को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है।

किताबों से लेकर जर्जर कमरों तक का ब्योरा

शिक्षक अब डेली डायरी में स्कूल की समस्याओं को क्रमवार दर्ज करने पर जोर दे रहे हैं। इसमें जर्जर कमरों की संख्या, बाउंड्रीवॉल की स्थिति, भवन की मरम्मत की जरूरत, भृत्य और चौकीदार की उपलब्धता तथा शिक्षकों के रिक्त पदों का विवरण शामिल रहेगा। विद्यार्थियों को कितनी पाठ्यपुस्तकें मिलीं, कितनी पुस्तकों की आपूर्ति बाकी है और किन विद्यार्थियों को अब तक किताबें नहीं मिलीं, इसका भी रिकॉर्ड रखा जाएगा। इसके अलावा विभिन्न मदों में लंबित राशि और स्कूल की दूसरी बुनियादी जरूरतों का उल्लेख भी किया जाएगा। शिक्षकों का तर्क है कि समस्याओं का नियमित रिकॉर्ड होने से यह स्पष्ट किया जा सकेगा कि कौन-सी कमी पहले से मौजूद थी और उसके समाधान के लिए विभाग को कब जानकारी दी गई थी।

निरीक्षण में कमियां मिलीं तो शिक्षकों पर कार्रवाई क्यों?

शिक्षकों की नाराजगी का प्रमुख कारण निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों के लिए स्टाफ की जवाबदेही तय करने का तरीका है। उनका कहना है कि भवन की मरम्मत, रिक्त पदों पर नियुक्ति, जरूरी संसाधनों की उपलब्धता और लंबित राशि का भुगतान जैसे विषय विभागीय स्तर पर हल होने चाहिए। इन समस्याओं के लिए शिक्षकों को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। हाल ही में जबलपुर के संयुक्त संचालक के कुंडम क्षेत्र स्थित स्कूल के निरीक्षण के बाद पांच शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद स्कूलों की व्यवस्थाओं और संसाधनों का लिखित रिकॉर्ड रखने की जरूरत पर चर्चा तेज हुई। हालांकि, नोटिस में दर्ज आरोपों और शिक्षकों के पक्ष का अंतिम निराकरण संबंधित विभागीय प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा।

सीसीटीवी और पुताई के बावजूद उठे सवाल

संबंधित स्कूल के शिक्षकों का कहना है कि विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और इसी महीने भवन की पुताई भी कराई गई थी। इसके बावजूद निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए गए। शिक्षकों ने यह भी बताया कि स्कूल में प्राचार्य का पद रिक्त है और एक वरिष्ठ महिला अध्यापक के मार्गदर्शन में विद्यालय का संचालन हो रहा है। उनका कहना है कि निरीक्षण के दौरान कमियां सामने आने पर केवल शिक्षकों की जवाबदेही तय करने के बजाय स्कूल की वास्तविक परिस्थितियों का भी आकलन किया जाना चाहिए। प्राचार्य की नियुक्ति, कर्मचारियों की उपलब्धता और संसाधनों की कमी जैसे विषयों पर विभाग को भी कार्रवाई करनी चाहिए।

डेली डायरी से दर्ज होगी स्कूल की वास्तविक स्थिति

शिक्षकों के मुताबिक, डेली डायरी में समस्याओं का नियमित उल्लेख होने से निरीक्षण के समय अधिकारियों के सामने तथ्य रखे जा सकेंगे। इससे यह भी पता चलेगा कि किसी समस्या की जानकारी पहले से थी या नहीं और उसके समाधान के लिए क्या प्रयास किए गए।

एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे 50 नागरिक - गुजरात रवाना हुआ प्रतिनिधिमंडल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। कभी नक्सलवाद के प्रभाव से प्रभावित रहे गोंदिया जिले के नागरिकों को अब राष्ट्रीय एकता दिवस के ऐतिहासिक समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला है. सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर, केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा. इसमें शामिल होने के लिए गोंदिया जिले के 50 नागरिकों का प्रतिनिधिमंडल गुजरात रवाना हुआ है.

केंद्र सरकार की विशेष पहल के तहत पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे जिलों के नागरिकों को इस समारोह में आमंत्रित किया गया है. महाराष्ट्र के गोंदिया, गड़चिरोली और चंद्रपुर जिलों से 50-50 नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रण मिला है. इस पहल का उद्देश्य शांति, विकास, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्रीय एकता के संदेश को मजबूत करना है. जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के मार्गदर्शन और अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के समन्वय से इस दौरे की योजना बनाई गई. पहले चरण में 27 अक्टूबर को नक्सल सेल के पुलिस निरीक्षक प्रमोद भातनाते के साथ तीन नागरिक गुजरात रवाना हुए. उनके लिए दो दिवसीय गुजरात दर्शन कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है. इसके बाद 29 अक्टूबर को पुलिस उपनिरीक्षक श्रीकांत हत्तीमारे और दीपक तरवडे के साथ शेष 47 नागरिकों को गुजरात भेजा गया. गोंदिया के उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिनिधिमंडल को रवाना किया. इस प्रकार जिले से कुल 50 नागरिक राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे.

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास पर जोर

जिले में नक्सलवाद के प्रभाव को कम करने और नागरिकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र व महाराष्ट्र सरकार की ओर से सुरक्षा, विकास और पुनर्वास से संबंधित विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं. दुर्गम और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सड़क, मोबाइल नेटवर्क, बिजली, पानी, शिक्षा और सार्वजनिक परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है.

राष्ट्रीय एकता का संदेश

सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की विभिन्न रियासतों को एकजुट कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया था. उनकी जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों की भागीदारी को शांति, लोकतांत्रिक विश्वास और विकास की दिशा में सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है.

'नक्सलमुक्त गोंदिया, सुरक्षित गोंदिया और विकसित गोंदिया' की संकल्पना को मजबूत करने के लिए जिला पुलिस प्रतिबद्ध है. जिले में शांति, विश्वास और विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के प्रयास जारी रहेंगे.

गोरख भामरे, पुलिस अधीक्षक, गोंदिया

हत्याकांड के आरोपी को 5 दिन की पुलिस हिरासत

बोथली के फार्महाउस में मिला था 62 वर्षीय प्राध्यापक का शव

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव के तहसील के बोथली में सेवानिवृत्त प्राध्यापक चंद्रशेखर भास्कर दहीकर की मौत के मामले में अहम मोड़ आया है. इस प्रकरण में आरोपी के रूप में सामने आए अजय ब्राह्मणकर को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया.

प्रारंभ में यह मामला संदिग्ध मौत के रूप में सामने आया था. बोथली स्थित फार्महाउस परिसर में 62 वर्षीय सेवानिवृत्त प्राध्यापक चंद्रशेखर दहीकर का शव मिलने से क्षेत्र में खलबली मच गई थी. उसकी मौत की परिस्थितियां संदिग्ध लगने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की. जांच के दौरान मामले में हत्या की आशंका सामने आई और पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी. जांच के दौरान अजय ब्राह्मणकर का नाम आरोपी के रूप में सामने आया. इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां पांच दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की गई. पुलिस अब प्राध्यापक की मौत के पीछे के कारण, घटना की पृष्ठभूमि और इसमें अन्य किसी व्यक्ति की भूमिका होने की आशंका सहित विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है. पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है. जांच पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े अन्य पहलुओं का खुलासा हो सकेगा. पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे व उपविभागीय पुलिस अधिकारी नंदिनी चानपुरकर के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक नीलकंठ कुकड़े मामले की आगे की जांच कर रहे हैं.

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 में बदलाव के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

वैलिंगटन । यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है। पांच मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम ने 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ऐसे में वह चौथे मुकाबले में अंतिम ग्यारह में बदलाव कर सकती है। ऐसे में इस मैच में टीम प्रयोग कर सकती है। जिससे की पता चल जाये कि कौन सा संयोजन बेहतर रहेगा। इस मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन की वापसी की काफी संभावनाएं हैं।

वहीं पिछले मैच में आक्रामक पारी के बाद भी युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाया जा सकता है। उनकी जगह पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान की अंतिम ग्यारह में वापसी तय है। ईशान चोटिल होने के कारण पिछले दो मुकाबलों से टीम से बाहर थे, लेकिन अब उनके स्वस्थ होने की खबरें आ रही हैं।

यदि ईशान किशन टीम में वापसी करते हैं, तो बल्लेबाजी क्रम में भी कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। ओपनिंग की जिम्मेदारी एक बार फिर संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के कंधों पर होगी, जिन्होंने पिछले मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। ईशान किशन नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतर सकते हैं, जिससे टीम को मध्यक्रम में एक मजबूत विकल्प मिलेगा। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा पारी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

वहीं टीम के ऑलराउंडर विभाग में अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी और नमन धीर अपनी भूमिका निभाते दिखेंगे, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने की क्षमता रखते हैं। वहीं, तेज गेंदबाजी की कमान प्रिंस यादव, अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और अर्शदीप सिंह के हाथों में रहने की संभावना है। ये गेंदबाज न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने और उन्हें कम स्कोर पर रोकने की कोशिश करेंगे।

दूसरी ओर मेजबान कीवी टीम भी इस मैच में जीत कर अपना मनोबल बढ़ाने पूरी ताकत लगा देगी। जीत के लिए उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आंकड़ों को देखें तो ईडन पार्क मैदान पर बल्लेबाजों का बोलबाला रहता है। यहां की पिच गेंदबाजों को उतनी मदद नहीं पहुंचाती है। इस मैदान की पिच दोनों पारियों में बल्लेबाजी के लिए ये अच्छी रहती है। इस विकेट पर गेंदबाजों को अच्छा बाउंस मिलता है, लेकिन गेंद बैट पर काफी अच्छे से आती है, ऐसे में बल्लेबाजों के लिए अपना शॉट खेलना काफी आसान हो जाता है। तेज गेंदबाजों को कुछ मदद जरूर मिलेगी, लेकिन बल्लेबाजों के लिए विकेट ज्यादा बेहतर होगा। ऐसे में दोनों पारियों में रन बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करने का निर्णय ले सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारतीय टीम - श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव.।

न्यूजीलैंड टीम - मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर।

रबाडा के बाहर होने से दक्षिण अफ्रीकी टीम की मुश्किलें बढ़ीं

केपटाउन। यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। उसके प्रमुख तेज गेंदबाज कसिगा रबाडा और मार्को यानसेन को चोट लग गयी है। जिससे उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा है। यानसेन प्राथमिक उपचार के बाद वापस आये पर रबाना की वापसी संशय में है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 329 रन बनाए थे, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट पर 330 रन बनाकर एक रन की बढ़त बना ली। रबाडा और यानसेन के फिट नहीं होने से मेजबान टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी पर अंकुश लगाना कठिन हो गया है।

जब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज तेजी से रन बना रहे थे तबरबाडा को गेंदबाजी के दौरान पेट में ऐंठन हुई। चाय के विश्राम के समय वे मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उन्होंने वापसी कर नई गेंद से गेंदबाजी करने का प्रयास किया। हालांकि, दर्द के चलते वे दोबारा मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। इनका बार होना अनुपस्थिति मेजबान टीम के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वे टीम के सबसे अनुभवी और मारक गेंदबाज हैं। टीम के गेंदबाजी कोच पीट बोथा ने उनकी स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रबाडा पर लगातार नजर रखी जा रही है और फिलहाल यह कहना मुश्किल है कि वे तीसरे दिन मैदान पर लौट पाएंगे या नहीं। उनकी गैरमौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी इकाई पर दबाव कई गुना बढ़ जाएगा।

यानसेन को पीठ में अकड़न की समस्या का सामना करना पड़ा। उन्हें भी चाय के विश्राम के दौरान मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि, फिजियो द्वारा गहन मालिश के बाद वे मैदान पर लौटे और फिर कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने 14 ओवर में सिर्फ 37 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभालने वाले अहम बल्लेबाज भी शामिल थे। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि यानसेन की समस्या गंभीर नहीं है और वे पूरी तरह फिट हैं। हालांकि, यानसेन की फिटनेस दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की बात है, लेकिन रबाडा की संभावित अनुपस्थिति टीम की गेंदबाजी इकाई को कमजोर कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही एक रन की बढ़त बना ली है और अपनी पारी को आगे बढ़ा रहा है, ऐसे में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को तीसरे दिन बेहद अनुशासित और प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। अगर रबाडा मैदान पर नहीं उतर पाते हैं, तो शेष गेंदबाजों पर दबाव बढ़ जाएगा और टीम को मैच में वापसी करने के लिए असाधारण प्रयास करने होंगे।

उमा काशवी सबसे कम उम्र में बिकने वाली खिलाड़ी बनी

कोच्ची। 15 वर्षीय उमा काशवी यहां हुई महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) नीलामी 2027 में बिकने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गयी हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने उमा को उनके बेस प्राइस 10 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। उनकी यह खरीद न केवल उनकी प्रतिभा पर विश्वास दिखाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि उम्र केवल एक संख्या है जब बात खेल की होती है। इससे पहले वैभव सूर्यवंशी को 14 साल की उम्र में आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था, जो युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर मौका मिलने की बढ़ती प्रवृत्ति का संकेत है। कोच्चि में आयोजित इस डब्ल्यूपीएल 2027 नीलामी में पांचों फ्रेंचाइजी ने कुल 27 खाली स्लॉट भरे, जिससे आगामी सीजन के लिए टीमों को मजबूती मिली। यूपी वॉरियर्स ने सबसे ज्यादा पर्स होने का फायदा उठाते हुए कुल छह खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया। उन्होंने इस नीलामी की सबसे महंगी बोली भी अपने नाम की। इस नीलामी में मुंबई इंडियंस ने अपनी सभी छह खाली स्लॉट अनकैप्ड वर्ग से भरे। उनकी सबसे महंगी पिक दिशा कसत रहीं, जिन्हें उन्होंने 30 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया।

यानसन ने हासिल की दोहरी उपलब्धि

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी युवा क्रिकेटर मार्को यानसन ने टेस्ट क्रिकेट में दोहरी उपलब्धि अपने नाम की है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में वह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज और नंबर-1 ऑलराउंडर बने हैं। इस दौरान उन्होंने भारतीय दिग्गज रवींद्र जडेजा और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क जैसे स्थापित खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। यानसन टेस्ट गेंदबाजी और ऑलराउंडर दोनों रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। इससे उनकी मैच विजेता क्षमता दिखती है। अब तक भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा तक टेस्ट ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर थे। यानसन को ये उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गये दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर मिली है।

ओलंपिक में क्रिकेटी की वापसी के साथ ही वाडा ने आईसीसी को शीर्ष निगरानी श्रेणी में रखा

नई दिल्ली । लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्रिकेट को शामिल किये जाने के बाद से ही विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने इस खेल पर अपनी नजरें रखनी शुरु कर दी है। इसी के तहत ही वाडा ने कहा है कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी उनकी निगरानी में है और उसे प्राथमिकता नीति के तहत शीर्ष टियर 1 श्रेणी में डाल दिया गया है। इसके साथ ही कहा कि भारत भी उन शीर्ष देशों की सूची में है जिन्हें निगरानी कार्यक्रम के तहत सबसे कड़ी डोपिंग जांच और निगरानी का सामना करना पड़ पड़ेगा है। यह नई व्यवस्था अगले वर्ष 1 जनवरी से प्रभावी होगी।

गौरतलब है कि अभी तक आईसीसी टियर 2 श्रेणी में रही थी। वहीं अब आईसीसी के टियर 1 में अपग्रेड होने से तय है कि क्रिकेटरों को पहले से कहीं अधिक कड़ी डोपिंग जांच प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। वाडा ने स्पष्ट किया है कि खेलों का यह वर्गीकरण मुख्य रूप से उनके ओलंपिक या पैरालंपिक कार्यक्रमों में शामिल होने के आधार पर किया जाता है। गौरतलब है कि 100 से अधिक वर्षों के लंबे अंतराल के बाद, क्रिकेट 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में अपनी वापसी करेगा। इस स्तरीय प्रणाली का प्राथमिक लक्ष्य यह तय करना है कि वाडा के संसाधनों का अधिकतम उपयोग उन देशों और खेलों में डोपिंग के जोखिम का सामना करने के लिए किया जा सके, जहाँ धोखाधड़ी का जोखिम और प्रभाव सबसे अधिक माना जाता है। इस बीच, डोपिंग के अधिक मामलों के लगातार पाए जाने के कारण भारत पिछले तीन वर्षों से वाडा की निगरानी के शीर्ष टियर 1 श्रेणी में बना हुआ है। इस श्रेणी में कुल 50 देश शामिल हैं, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे बड़े देश भी शामिल हैं। क्रिकेट की तरह, स्क्वाश को भी ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के कारण विश्व स्क्वाश महासंघ को टियर 3 से टियर 1 में अपग्रेड किया गया है।वाडा के 38 सदस्यीय शीर्ष टियर 1 संघों में अब आईसीसी के साथ विश्व बैडमिंटन महासंघ, अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग संघ, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा), अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ, अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ, अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ, वर्ल्ड बॉक्सिंग और विश्व एथलेटिक्स जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ भी शामिल हो गए हैं।

आरसीबी डब्ल्यूपीएल 2027 खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी - कोच

कोच्चि। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच मलोलन रंगराजन ने कहा है कि उनकी टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 में अपने खिताब को बनाये रखने का पूरा प्रयास करेगी। इसी के तहत ही टीम नीलामी में बेहतर खिलाड़ियों को खरीदने उतरेगी जिससे की टीम को और बेहतर बनाया जा सके। कोच के अनुसार आरसीबी का लक्ष्य अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए तीन डब्ल्यूपीएल खिताब जीतने वाली पहली टीम बनना है। अगले सत्र की नीलामी में आरसीबी 1.15 करोड़ रुपये के पर्स के साथ उतरेगी और उसे अपनी टीम में पांच महत्वपूर्ण स्थान भरने होंगे।

आयरिश एयरलाइन में मेरे परिवार को झेलना पड़ा नस्लीय दुर्व्यवहार - संगाकारा

कोलंबो। श्रीलंकाके पूर्व क्रिकेटर कुमार संगाकारा ने आयरलैंड की प्रसिद्ध एयरलाइन रायनएयर पर अपने परिवार के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार करने का एक बेहद गंभीर आरोप लगाया है। आयरलैंड के डबलिन में हुई इस घटना ने पूरे खेल जगत और सोशल मीडिया पर एक बड़ी बहस छेड़ दी है, जिससे यात्रियों के साथ एयरलाइन कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल खड़े हो गए हैं। संगाकारा ने सोश मीडिया पर एक पोस्ट के जरिये ये आरोप लगाये हैं। उन्होंने लिखा, क्या किसी और ने भी डबलिन में रायनएयर के गेट कर्मचारियों की ओर से भेदभाव का सामना किया है? मेरे और मेरे परिवार के साथ ऐसा ही हुआ, जो काफी हैरानी भर था। । उन्होंने कहा कि एयरलाइन कर्मचारियों ने उनके परिवार को धमकी दी और उनके साथ अपमानजनक नस्लीय टिप्पणियां कीं, जिसे उन्होंने अस्वीकार्य करार दिया। संगाकारा के अनुसार, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में उनका यह पहला ऐसा बुरा अनुभव था, जिसने उन्हें बेहद विचलित किया। उन्होंने इस घटना को देश में एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ बढ़ते नस्लवाद और विदेशियों के प्रति नफरत की बढ़ती प्रवृत्ति का एक स्पष्ट उदाहरण बताया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह सड़कों से लेकर ऑनलाइन मंचों तक रोज देखने को मिल सकता है।

संगाकारा के इस आरोप के बाद, उन्हें न केवल सहानुभूति मिली, बल्कि कई अन्य लोगों ने भी इसी तरह के अनुभवों को साझा करते हुए उनका समर्थन किया। उनके साथी श्रीलंकाई क्रिकेटर संजीवा वीरावारना ने खुलकर उनका समर्थन किया और विदेशों में भेदभाव के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, कुमार, मैंने पश्चिमी देशों के हर हिस्से में भेदभाव का सामना किया है। मैं वहां 16 साल रहा, 25 साल तक आता-जाता रहा, और अब बस बहुत हो गया।गौरतलब है कि रायनएयर, आयरलैंड के काउंटी डबलिन के स्वॉर्ड्स में मुख्यालय वाली एक आयरिश अल्ट्रा-लो-कॉस्ट एयरलाइन है, जो अपने सस्ते किराए के लिए जानी जाती है।

2027 विश्व कप खेलने को लेकर रोहित का वीडियो सामने आया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है वह 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं। इसको लेकर रोहित का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें रोहित कह रहे हैं कि वह विश्वकप खेलना चाहते हैं। उनका ये बयान ऐसे समय आया है जब टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज की तैयारियां कर रही है। यह वायरल वीडियो एक शो का बताया गया है। इसमें जब मजाकिया अंदाज में पूछा गया कि मुश्किल स्थिति में वह युवा कप्तान शुभमन गिल या श्रेयस अय्यर में से किसे कॉल करेंगे। इस सवाल के जवाब में रोहित ने तपाक से कहा, दोनों ही कप्तान हैं। शुभमन गिल अभी मेरा कप्तान है। 2027 एकदिवसीय विश्व कप मुझे खेलना है। उसको खुश रखना ही पड़ेगा। उन्होंने हंसते हुए कहा, साल 27 के बाद टी20 में वापसी करनी है ऐसे में अय्यर को खुश रखना पड़ेगा।

वहीं कुछ समय पहले तक रोहित के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। ऐसी चर्चाएं थीं कि चयनकर्ता उन्हें 2027 विश्व कप की योजनाओं में शामिल नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते उनके एकदिवसीय फॉर्मेट से संन्यास लेने की संभावनाएं भी बढ़ गयी थीं। इंग्लैंड दौरे पर उनके निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, यह कहा गया था कि वह लॉर्ड्स में होने वाले मैच के बाद वह एकदिवसीय से भी संन्यास की घोषणा कर देंगे, क्योंकि उन्हें बता दिया गया है कि वह विश्वकप टीम में शामिल नहीं हैं।

अंतिम दो टी20 मैचों से पहले न्यूजीलैंड के फर्ग्यूसन और हैनरी बाहर हुए

वैलिंगटन। न्यूजीलैंड को भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ अंतिम दो मैचों से पहले करारा झटका लगा है। उसके दो प्रमुख खिलाड़ी लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हैनरी फिट नहीं होने के कारण इन मैचों से बाहर हो गये हैं। तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण शामिल नहीं किये गये हैं जबकि हेनरी की दायीं जांघ में दर्द है। भारतीय टीम ने पहले ही ये सीरीज 3-0 से जीत ली है। ऐसे में अंतिम दो मैचों में मेजबान टीम जीत दर्ज कर अपना सम्मान बनाये रखना चाहेगी। फर्ग्यूसन आगामी एकदिवीसय सीरीज में वापसी कर सकेंगे। फर्ग्यूसन अपनी दाईं पिंडली में खिंचाव (काफ स्ट्रेन) के चलते चौथे और पांचवें टी20 से बाहर हुए हैं। यह चोट इतनी गंभीर है कि उन्हें लगभग एक हफ्ते का समय ठीक होने में लग सकता है, जिसके कारण वह तीसरे टी20 में भी नहीं खेल पाए थे। इसी कारण मेजबान कीवी टीम ने फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को शामिल किया गया है। फिशर पहले से ही वेलिंगटन में टी20 दल के साथ वैकल्पिक गेंदबाज के तौर पर जुड़े हुए थे और इससे पहले इंडिया-ए के खिलाफ खेल रहे थे। फिशर के स्थान पर अब न्यूजीलैंड ए टीम में तेज गेंदबाज रैंडेल को शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन की चोट के अलावा, न्यूजीलैंड टीम को एक और झटका लगा है। दूसरे टी20 मैच के दौरान तेज गेंदबाज हेनरी को भी अपनी दाईं जांघ में दर्द महसूस हुआ था। स्कैन से पता चला है कि उन्हें लो-ग्रेड टियर है, जिससे ठीक होने में उन्हें 1 से 2 सप्ताह का समय लग सकता है। न्यूजीलैंड के लिए यह दोहरी चोट चिंता का विषय है, खासकर ऐसे समय में जब टीम भारत के खिलाफ वापसी करने का प्रयास कर रही है। इन प्रमुख गेंदबाजों की अनुपस्थिति निश्चित रूप से न्यूजीलैंड की गेंदबाजी आक्रमण को कमजोर करेगी और बचे हुए मैचों में उनके प्रदर्शन पर असर डाल सकती है।

वृंदा को खरीदे जाने पर उत्साहित दिखीं श्रेयंका

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऑलरराउंडर श्रेयंका पाटिल का एक विडियो आजकल सोशल मीडिया पर आया है। इसमें वह महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 की छोटी नीलामी में वृंदा दिनेश को आरसीबी द्वारा खरीदे जाने पर खुशी जताते हुए दिखीं। इस वीडिया में श्रेयंका अपनी दोस्तों और साथी क्रिकेटरों के साथ एक होटल के कमरे में नीलामी की कार्यवाही देखती हुए नजर आयीं। जैसे ही आरसीबी ने वृंदा पर बोली लगाई और उसे खरीदा तब श्रेयंका तुरंत अपनी कुर्सी से उठकर जश्न मनाने लगीं। वह इतनी अधिक खुश थी कि कमरे से बाहर आकर जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। इससे क्रिकेट प्रशंसक भी हैरान रह गये। आरसीबी ने वृंदा को 10 लाख रुपये की राशि में अपनी टीम में शामिल किया।

ईशान की वापसी पर वैभव और अभिषेक में किसे मिलेगा अवसर ?

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले भारतीय टीम की अंतिम एकादश को लेकर संशय बरकरार है। इस मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन की वापसी तय है क्योंकि वह फिट हो गये हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने एक समस्या ये है कि वह किसे बाहर करें। ईशान की जगह पिछले मैच में शामिल वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक बल्लेबाजी कर अपने को साबित किया है। वैभव ने उस मैच में 45 रनों की तूफानी पारी खेली थी, लेकिन अब ईशान की वापसी के साथ ही उनके अंतिम एकादश में बने रहने पर सवालिया निशान लग गया है। ईशान चोट के कारण पिछले दो मुकाबलों में बाहर थे, और वैभव को उन्हीं की जगह मौका मिला था, जिसका उन्होंने बखूबी फायदा उठाया। हालांकि, भारतीय टीम के पास एक ऐसा विकल्प भी है जिससे युवा वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में बनाए रखा जा सकता है, बशर्ते बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बाहर बैठने तैयार हों। भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है,

जिससे टीम प्रबंधन को अंतिम एकादश में प्रयोग करने का अवसर मिल गया है। इस स्थिति में, अभिषेक को आराम देकर टीम एक नई सलामी जोड़ी के साथ मैदान में उतर सकती है, जिसमें वैभव सूर्यवंशी के साथ सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। यह बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का एक आक्रामक और नया संयोजन होगा, जो न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के लिए एक नई चुनौती पेश कर सकता है और भविष्य के लिए टीम के विकल्पों को भी बढ़ाएगा।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं होगा जब युवा प्रतिभा को मौका देने के लिए किसी सीनियर खिलाड़ी ने अपने स्थान का त्याग किया हो। पूर्व में भी ऐसा देखा गया था कि जब वैभव तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सफल नहीं हो पा रहे थे, तब संजू सैमसन ने स्वयं अपने पसंदीदा सलामी बल्लेबाज के स्थान का त्याग किया था। संजू ने अपना बल्लेबाजी क्रम नीचे करके वैभव को पारी की शुरुआत का मौका दिया था, जिसका फायदा उठाते हुए वैभव ने 45 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।

प्रेस विज्ञप्ति

वारासिवनी:- रामपायली मेला वर्ष 2026 (11 नवंबर से 30 नंवबर 2026 तक) हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है-

1. मेला स्थल की साफ-सफाई / प्लाट बनवाई (चुना लाईन सहित) / 10 ट्राली मुरम द्वारा समतलीकरण का कार्य, मेला अवधि मे नियमित सफाई, पेयजल व्यवस्था, पानी टैंकर द्वारा फवारीकरण तथा मेला समाप्ति पश्चात अंतिम साफ-सफाई बाबद ।

2. मेले के दौरान टेंट एवं डेकोरेशन / विद्युत आपूर्ति व्यवस्था / जनरेटर एवं साउंड सिस्टम / बिछायत एवं बैठक व्यवस्था तथा कांउटर एवं स्थानीय कार्यक्रम हेतु ट्रस्ट मंच निर्माण (20 × 30) निर्माण बाबद्।

3. झूला / प्रदर्शनी लगाने बाबद्।

4. पाम्पलेट / पोस्टर / फ्लैक्स बेनर छपवाई एवं लोहे के एंगल मे लगाये जाने बाबद्।

उपरोक्त कार्य हेतु निविदा पृथक-पृथक बंद लिफाफे मे दिनांक 05.11.2026 को समय दोप. 12:30 बजे तक जनपद पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है। प्राप्त निविदायें उसी दिन दोप. 2.30 बजे सामान्य सभा की बैठक मे खोली जावेगी। अन्य शर्ते कार्यालयीन दिनों में कार्यालयीन नोटिस बोर्ड पर देखी एवं पढ़ी जा सकती हैं।

पृथक सूचना

मेला अवधि में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम (1) देवी जागरण (2) आर्केष्ट्रा (3) दुवयम शायरी (4) कवि सम्मेलन (5) छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य (6) अन्य सांस्कृतिक कार्यकम हेतु आवेदन मय दर के दिनांक 04/11/2026 तक आमंत्रित किये जाते है। कार्यक्रमों का अंतिम चयन एवं स्वीकृति का अधिकार जनपद पंचायत का होगा। आवेदनकर्ता अपने आवेदन मे प्रस्तुती का विवरण एवं कार्यक्रम की दर अनिवार्य रूप से अंकित करें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत वारासिवनी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

विज्ञप्ति
दुकानो के अंतरण किये जाने की सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद पंचायत वारासिवनी जिला बालाघाट द्वारा गोलीबारी चौक वारासिवनी में निर्मित काम्पलेक्स में ग्राउण्ड फ्लोर की दुकान कमांक-01 से 21 तक की दुकाने वार्षिक किराया शुल्क एवं निविदा में प्राप्त उच्चतम प्रीमियम राशि पर 20 वर्ष के पट्टे पर दिये जाने हेतु लम्प-सम्प दर पर ऑनलाईन निविदायें दिनांक 30.10.2026 से 30.11.2026 सांय 5.30 बजे तक आमंत्रित की गयी है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। साथ ही अंतरण से संबंधित नियम शर्तें एवं आरक्षण से संबंधित जानकारी एवं अन्य विवरण कार्यालयीन दिवस में जनपद पंचायत के सूचना पटल पर देखी जा सकती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 02.12.2026 को दोप. 1.00 बजे खोली जावेगी।

आदेशानुसार
मुख्य कार्यपाल अधिकारी
जनपद पंचायत वारासिवनी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय एस.एस.पी. महाविद्यालय, वारासिवनी जिला- बालाघाट (म.प्र.)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद {NAAC} द्वारा B- ग्रेड प्राप्त) 07633-253065 (O), फैक्स नं. 07633-253065
ई-मेल- hegspalcwarbal@mp.gov.in, www.mp.gov.in/Highereducation/gsspcbgt

क्रमांक/1649/2026 — दिनांक 29.10.2026

निविदा सूचना

बालाघाट कार्यालय प्राचार्य, शासकीय एस0एस0पी0 महाविद्यालय वारासिवनी, जिला का पत्र क्रमांक 1427/Com.-02/2026 वारासिवनी, दिनांक 18.09.2026 के तहत ICT सामग्री हेतु निविदा का प्रकाशन mptenders.gov.in में Tender Id -2026-HED-545368-1 के अन्तर्गत किया गया है। इच्छुक फर्म विस्तृत जानकारी हेतु उपरोक्तानुसार वेबसाइट में जा कर प्राप्त कर सकते है।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी
जिला बालाघाट(म.प्र)

मंत्री के घर जाऊंगी; कुछ हुआ तो सांसद पत्नी जिम्मेदार

नागर सिंह चौहान के साथ 20 साल से रिश्ते का महिला का दावा, बोलीं

भोपाल। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान को लेकर एक महिला ने वीडियो जारी कर उनके साथ करीब 20 साल से रिश्ते में होने का दावा किया है। महिला ने अपना नाम 'रश्मि नागर सिंह चौहान' बताया है। उसने भाजपा सांसद अनिता चौहान पर मानसिक प्रताड़ना और अपने बेटे को कथित तौर पर आपत्तिजनक संदेश भेजने के आरोप लगाए हैं।

महिला ने कहा है कि वह 30 अक्टूबर की सुबह मंत्री के घर जाएगी। उसने आशंका जताई कि वहां उसके साथ कोई अनहोनी होती है तो इसके लिए सांसद अनिता चौहान और उनका परिवार जिम्मेदार होगा। दूसरी ओर, मंत्री नागर सिंह चौहान ने महिला के दावों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है। मैं इस विषय में पता करके बताऊंगा। सांसद अनिता चौहान ने फिलहाल इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया है।

18 साल की उम्र से रिश्ते में होने का दावा

वीडियो में महिला का कहना है कि जब वह 18 साल की थी, तभी से मंत्री के साथ रिश्ते में है। उसके मुताबिक, मंत्री ने साथ निभाने का भरोसा दिया था और इसी विश्वास के आधार पर उसने करीब 20 साल बिताए। महिला ने दावा किया कि वह मंत्री के आधिकारिक आवास के बजाय अलग घर में रहती थी और उनके कहने के अनुसार काम करती थी। महिला ने कहा कि वह बिना किसी पारिवारिक या राजनीतिक दबाव के अपनी बात रख रही है। हालांकि, उसके दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

सांसद पर बेटे को संदेश भेजने का आरोप

महिला ने आरोप लगाया कि सांसद अनिता चौहान ने उसे और उसके बेटे को कथित तौर पर गलत संदेश भेजे। उसके अनुसार, इस घटनाक्रम से उसका बेटा इतना परेशान हुआ कि वह परीक्षा देने भी नहीं गया। महिला ने वीडियो में यह स्पष्ट नहीं किया कि उसका बेटा किसका है। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ कथित व्हाट्सऐप संदेशों को महिला और सांसद के बीच की बातचीत बताया जा रहा है। हालांकि, इन संदेशों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हुई है।

आमना-सामना नहीं करने की बात कहने का दावा

महिला के मुताबिक, उसने सांसद को संदेश भेजकर अपनी बात समझाने की कोशिश की थी। उसने सांसद से एक मां और पत्नी के तौर पर उसकी बात सुनने की अपील की थी। महिला का दावा है कि जवाब में उसे ऐसे संदेश मिले, जिनमें भविष्य में आमना-सामना नहीं करने की बात कही गई थी। इन आरोपों पर सांसद की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आज मंत्री के घर जाने की घोषणा

महिला ने वीडियो में यह भी दावा किया कि सांसद के व्यवहार को लेकर मंत्री परेशान रहते थे। उसके अनुसार, मंत्री उससे कहते थे कि वह बहुत परेशान हो गए हैं और उन्हें किसी दिन पैरालिसिस हो सकता है। यह कथन भी महिला के दावे पर आधारित है, इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। महिला ने 30 अक्टूबर को मंत्री के घर जाने की बात दोहराते हुए अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताई है। फिलहाल, मामले में महिला के आरोपों और मंत्री के इनकार के अलावा संबंधित दावों की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।

वीरेंद्र जैन भोपाल के नए ट्रैफिक डीसीपी, दीपक कुमार को नर्मदापुरम की कमान

-मध्य प्रदेश में 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, पांच जिलों के एसपी बदले

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के गृह विभाग ने बुधवार देर रात 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इस प्रशासनिक फेरबदल में बैतूल, पन्ना, आलीराजपुर और हरदा के पुलिस अधीक्षकों सहित कई अधिकारियों की पदस्थापना बदली गई है। कुछ अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू), भोपाल और विभिन्न बटालियनों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

बैतूल के पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन को भोपाल नगरीय पुलिस में पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) बनाया गया है। वहीं, 32वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, उज्जैन के सेनानी दीपक कुमार शुक्ला को नर्मदापुरम का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। नर्मदापुरम के मौजूदा एसपी साईकृष्ण एस. थोटा को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी), पुलिस मुख्यालय भोपाल भेजा गया है।

चार जिलों में नई नियुक्तियां

आदेश के अनुसार, पुलिस मुख्यालय में एआईजी (कार्मिक) अमित सक्सेना को बैतूल का एसपी बनाया गया है। पन्ना की एसपी निवेदिता नायडू को सागर स्थित 10वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल का सेनानी नियुक्त किया गया है। इंदौर में एसपी (साइबर) के पद पर कार्यरत सव्यसाची सराफ को पन्ना का नया एसपी बनाया गया है। भोपाल रेल एसपी अंकित जायसवाल को हरदा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, हरदा के एसपी शशांक को सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। आलीराजपुर के एसपी रघुवर कुमार सिंह को पदोन्नत जिम्मेदारी के तहत पुलिस मुख्यालय भोपाल में उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) बनाया गया है। आलीराजपुर में समर वर्मा को नया एसपी नियुक्त किया गया है।

बटालियनों में भी बदली जिम्मेदारी

तबादला सूची में अभिषेक आनंद को इंदौर स्थित 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल का सेनानी नियुक्त किया गया है। उन्हें पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी), इंदौर के एसपी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। श्रुतिकीर्ति सोमवंशी को ग्वालियर स्थित दूसरी वाहिनी विशेष सशस्त्र बल का सेनानी बनाया गया है। उन्हें 14वीं वाहिनी, ग्वालियर का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

इस फेरबदल के तहत जिला पुलिस, यातायात, साइबर इकाई, रेल पुलिस, पुलिस मुख्यालय और विशेष सशस्त्र बल की विभिन्न इकाइयों में अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। गृह विभाग के आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारियों को नई पदस्थापना पर कार्यभार संभालना होगा।

रिटायर्ड आईएएस रमेश थेटे गिरफ्तार

धोखाधड़ी-चेक बाउंस केस में नागपुर में हुई कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर के रिटायर्ड आईएएस रमेश एस. थेटे को धोखाधड़ी और चेक बाउंस केस में भोपाल की एमपी नगर पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया। बुधवार को मनीष नगर इलाके में गिरफ्तारी हुई। थेटे को पकड़ने में नागपुर की बेलतरोड़ी पुलिस ने भी मदद की।

भोपाल की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कल्पना कोतवाल की कोर्ट ने 23 मार्च 2026 को रमेश थेटे को फरार घोषित किया था। इसके साथ ही स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। भोपाल कोर्ट के अनुसार, थेटे लगातार सुनवाई के दौरान पेश नहीं हो रहे थे। उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पहले भी अवसर दिए गए थे, लेकिन वे कोर्ट में पेश नहीं हुए। उनके खिलाफ पहले भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे, लेकिन इनकी तामील नहीं हो सकी थी।

जानबूझकर वारंट की तामील से बचने की आशंका

23 मार्च की ऑर्डर शीट के मुताबिक, कोर्ट ने माना कि आरोपी को पेश होने के लिए पहले भी अवसर दिए गए थे, लेकिन वह पेश नहीं हुए। परिस्थितियों से ऐसा लग रहा है कि आरोपी जानबूझकर वारंट की तामील से बच रहे हैं। कोर्ट में परिवादी ने अपील की थी कि आरोपी अभी भी फरार है और कोर्ट के कहने के बाद भी पेश नहीं हो रहा है। परिवादी ने स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने की अपील की थी। इसके बाद कोर्ट ने आवेदन स्वीकार कर रमेश थेटे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया।

धारा 299 के तहत कार्रवाई के निर्देश

कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 299 के तहत रमेश थेटे को फरार घोषित कर स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करने के निर्देश दिए। उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रकरण को अभिलेखागार में सुरक्षित रखने का आदेश भी दिया गया। रमेश थेटे के खिलाफ हबीबगंज थाना, एमपी नगर थाना और लोकायुक्त में अलग-अलग मामले दर्ज हैं। फरवरी 2023 में लोकायुक्त में दर्ज एक एफआईआर में उनकी पत्नी मंदा थेटे को भी आरोपी बनाया गया था। उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति, बैंक संबंधी धोखाधड़ी और चेक बाउंस से जुड़े मामले भी दर्ज हैं।

31 अक्टूबर को पर्चा भरेंगे हरदीप सिंह पुरी

भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी 31 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे। वह 30 अक्टूबर को भोपाल पहुंचेंगे। अगले दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विधानसभा पहुंचकर रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष नामांकन पत्र प्रस्तुत करेंगे। विधानसभा में भाजपा के स्पष्ट बहुमत को देखते हुए पुरी का निर्विरोध निर्वाचन होने की संभावना जताई जा रही है।

भाजपा ने नामांकन प्रक्रिया को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी पदाधिकारियों ने गुरुवार को नामांकन पत्र खरीद लिए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नामांकन पत्र तीन-तीन के सेट में भरे जाएंगे। 31 अक्टूबर को होने वाली इस प्रक्रिया में मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी को राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री पुरी के नामांकन के बहाने भाजपा प्रदेश नेतृत्व और केंद्रीय नेतृत्व के बीच समन्वय का संदेश भी सामने आएगा।

विधानसभा के संख्या बल से भाजपा मजबूत

मध्य प्रदेश विधानसभा की कुल 230 सीटों में भाजपा के 164 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 65 विधायक हैं। भारत आदिवासी पार्टी का एक विधायक है। इस संख्या बल के आधार पर भाजपा उम्मीदवार को जीत के लिए पर्याप्त समर्थन हासिल है। ऐसे में विपक्ष की ओर से कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं उतरता है या अन्य कोई प्रत्याशी मुकाबले में नहीं आता है, तो पुरी का निर्विरोध निर्वाचन संभव है। राज्यसभा उपचुनाव में भाजपा की स्थिति मजबूत होने के कारण राजनीतिक मुकाबले की संभावना फिलहाल कम दिखाई दे रही है।

मुफ्त रजिस्ट्री से पहले पंचायतों का 'नो ड्यूज' जरूरी करने की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश में आबादी की सरकारी भूमि पर काबिज ग्रामीणों को मालिकाना हक दिलाने के लिए चल रही मुफ्त रजिस्ट्री योजना में नया पेंच सामने आया है। अब रजिस्ट्री से पहले ग्राम पंचायतों से नो ड्यूज सर्टिफिकेट (एनओसी) लेने की मांग उठी है। मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद का तर्क है कि इससे पंचायतों की आय बढ़ेगी और संपत्ति कर की वसूली में भी तेजी आएगी। पंचायत राज संचालनालय ने बुधवार को इस संबंध में आयुक्त भू-संसाधन एवं प्रबंधन को पत्र लिखकर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा है। हालांकि, पंचायतों की एनओसी अनिवार्य करने पर अंतिम निर्णय होना अभी बाकी है।

हरदीप सिंह पुरी के दौरे पर काले झंडे दिखाएगी कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के प्रस्तावित दौरे को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने घोषणा की है कि जब पुरी राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के सिलसिले में मध्य प्रदेश आएंगे, तब कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उन्हें काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के इस ऐलान के बाद राजनीतिक गलियारे में विरोध-प्रदर्शन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री के दौरे के दौरान विरोध दर्ज कराने की रणनीति बनाई है।

सोम डिस्टिलरीज के आठों लाइसेंस होंगे रिन्यू

भोपाल । सोम डिस्टिलरीज को बड़ी कानूनी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें कंपनी के आठ शराब लाइसेंस रिन्यू करने के निर्देश दिए गए थे। इससे रायसेन जिले के सेहतगंज स्थित सोम समूह की आठों इकाइयों में शराब उत्पादन दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के फैसले के उन हिस्सों को निरस्त कर दिया, जिनमें राज्य सरकार पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और कंपनी को कथित नुकसान की भरपाई के लिए हर्जाना मांगने की छूट दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने राज्य सरकार की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए कहा कि मामले के तथ्यों को देखते हुए हाई कोर्ट के लाइसेंस रिन्यू करने संबंधी आदेश में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। अदालत ने महाधिवक्ता कार्यालय के कामकाज पर हाई कोर्ट की प्रतिकूल टिप्पणियां भी हटा दीं। इस फैसले से लाइसेंस नवीनीकरण को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में सोम डिस्टिलरीज को राहत मिली है। वहीं, राज्य सरकार को हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका में आंशिक राहत मिली है।

सरकार ने आठ लाइसेंस रिन्यू करने से किया था इनकार

मामले की शुरुआत फर्जी परमिट के जरिए अवैध रूप से शराब ले जाने से जुड़ी आपराधिक जांच के बाद हुई थी। इस प्रकरण के चलते मध्य प्रदेश के आबकारी आयुक्त ने सोम डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड और सोम डिस्टिलरीज एंड ब्रुअरीज लिमिटेड के आठ लाइसेंस निलंबित कर दिए थे। इसके बाद आबकारी आयुक्त ने 18 जून को आदेश जारी कर दोनों कंपनियों के आठ लाइसेंसों के नवीनीकरण के आवेदन खारिज कर दिए। इससे कंपनी की इकाइयों में उत्पादन जारी रखने को लेकर संकट खड़ा हो गया। कंपनी ने इस फैसले को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। कंपनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट की जबलपुर मुख्य पीठ ने 24 सितंबर को राज्य सरकार को 15 दिनों के भीतर सभी लाइसेंस रिन्यू करने के निर्देश दिए थे। हाई कोर्ट ने सरकार पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। साथ ही, कंपनी को संबंधित अवधि में हुए नुकसान की भरपाई के लिए दावा करने की छूट दी थी। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने महाधिवक्ता कार्यालय के कामकाज पर भी प्रतिकूल टिप्पणियां की थीं।

मप्र के कर्मचारियों को मिल सकती है 2 प्रतिशत डीए की सौगात

भोपाल। केंद्र सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़कर 63 प्रतिशत होने के बाद मध्य प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनर्स की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। केंद्र और राज्य के कर्मचारियों के डीए में अब पांच प्रतिशत का अंतर हो गया है। केंद्रीय कर्मचारियों को जहां 63 प्रतिशत डीए मिल रहा है, वहीं मध्य प्रदेश सरकार के कर्मचारी अभी 58 प्रतिशत पर हैं। लंबे समय से महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की मांग कर रहे प्रदेश के कर्मचारी संगठनों ने अब केंद्र की दर और तारीख से डीए-डीआर देने की मांग तेज कर दी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश स्थापना दिवस एक नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, फिलहाल दो प्रतिशत वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। यदि इतनी बढ़ोतरी होती है तो राज्य कर्मचारियों का डीए 58 से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा। इसके बावजूद केंद्र और राज्य के बीच तीन प्रतिशत का अंतर बना रहेगा। फिलहाल सरकार की ओर से इस संबंध में आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

छह महीने में केंद्र ने दूसरी बार बढ़ाया डीए

केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी है। इससे केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 60 से बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। बढ़ी हुई दर एक जुलाई 2026 से प्रभावी होगी। इससे पहले अप्रैल में दो प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। इसके मुकाबले मध्य प्रदेश सरकार ने दो मार्च को होली से पहले कर्मचारियों के डीए और पेंशनर्स की महंगाई राहत में तीन प्रतिशत बढ़ोतरी की थी। इसके बाद प्रदेश के कर्मचारियों का डीए 58 प्रतिशत हो गया था। केंद्र की नई वृद्धि के बाद दोनों के बीच पांच प्रतिशत का अंतर बन गया है।

दो प्रतिशत बढ़ा तो भी तीन प्रतिशत पीछे रहेगा प्रदेश

राज्य सरकार यदि स्थापना दिवस पर डीए में दो प्रतिशत वृद्धि करती है तो कर्मचारियों को कुछ राहत जरूर मिलेगी, लेकिन केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर महंगाई भत्ता पाने के लिए उन्हें अभी और इंतजार करना पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार, दो प्रतिशत डीए बढ़ाने से राज्य सरकार के खजाने पर सालाना करीब एक हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ सकता है। प्रदेश के कर्मचारी संगठन चाहते हैं कि राज्य सरकार केंद्र के बराबर महंगाई भत्ता दे और इसे उसी तारीख से लागू करे, जिस तारीख से केंद्र में बढ़ोतरी प्रभावी होती है। उनका तर्क है कि महंगाई का असर सभी कर्मचारियों पर पड़ता है, इसलिए डीए की दर और भुगतान की तारीख में अंतर नहीं होना चाहिए।

12 लाख कर्मचारियों-

पेंशनर्स के लिए पांच प्रतिशत वृद्धि की मांग

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश महासचिव उमाशंकर तिवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश के कर्मचारी और पेंशनर्स लंबे समय से महंगाई भत्ता और महंगाई राहत के मामले में पीछे चल रहे हैं। केंद्र सरकार की ताजा वृद्धि के बाद यह अंतर पांच प्रतिशत हो गया है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश के करीब 12 लाख कर्मचारियों और पेंशनर्स को पांच प्रतिशत डीए और डीआर का लाभ दिया जाए। साथ ही भुगतान केंद्रीय दर और प्रभावी तारीख के अनुरूप किया जाए, ताकि कर्मचारियों को बकाया राशि के लिए इंतजार न करना पड़े। महंगाई भत्ते में वृद्धि की मांग को लेकर कर्मचारी संगठन पहले भी राजधानी में प्रदर्शन कर चुके हैं। अब मप्र अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा चार नवंबर को भोपाल में सतपुड़ा भवन के सामने प्रदर्शन करेगा।

एमपीपीएससी की परीक्षाएं 1 नवंबर से शुरू... रिजल्ट पर आरक्षण का साया

- ओबीसी आरक्षण विवाद के चलते चयन सूचियों पर भी असमंजस

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग नवंबर में पांच प्रमुख भर्ती परीक्षाएं आयोजित करेगा, लेकिन ओबीसी आरक्षण विवाद के चलते परिणामों और चयन सूचियों को लेकर असमंजस बना हुआ है। पहले से कई भर्तियों के 13 प्रतिशत पदों के परिणाम लंबित हैं। ऐसे में नई परीक्षाओं के बाद चयन प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ेगी, इस पर अभ्यर्थियों की नजर शासन के अगले निर्णय पर टिकी है। आयोग के परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, 1 नवंबर को सहायक जिला अभियोजन अधिकारी (एडीपीओ) परीक्षा होगी। 22 नवंबर को सहायक संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास परीक्षा-2025, वैज्ञानिक अधिकारी परीक्षा-2026 और सहायक संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास (सांख्यिकी) परीक्षा-2026 आयोजित होंगी। वहीं, 29 नवंबर को असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के दो विषयों की परीक्षा प्रस्तावित है।नवंबर की परीक्षाओं का आयोजन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होना है, लेकिन उनके परिणामों और चयन प्रक्रिया पर आरक्षण संबंधी कानूनी स्थिति का क्या असर पड़ेगा, यह शासन के निर्णय और आयोग की आगे की कार्रवाई से स्पष्ट होगा

पुरानी भर्तियों के परिणाम भी अटके

ओबीसी आरक्षण को 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने से जुड़े मामले में हाई कोर्ट के फैसले के बाद भर्ती प्रक्रिया पर प्रभाव पड़ने की आशंका है। सितंबर 2022 की व्यवस्था के तहत विभिन्न भर्तियों में 87 प्रतिशत पदों के परिणाम जारी किए गए थे, जबकि शेष 13 प्रतिशत पदों के परिणाम प्रावधिक रूप से रोके गए थे। न्यायालय के निर्देशों के तहत इन लंबित परिणामों पर 90 दिन की समय-सीमा महत्वपूर्ण है। शासन स्तर पर 9 जनवरी तक कोई नया निर्णय नहीं होने की स्थिति में आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप करनी होगी। आरक्षण विवाद का असर असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती की अंतिम चयन सूचियों पर भी पड़ने की आशंका है। पॉलिटिकल साइंस और कम्प्यूटर साइंस सहित कुछ विषयों में साक्षात्कार हो चुके हैं या प्रक्रिया जारी है, जबकि योगिक विज्ञान जैसे विषयों के साक्षात्कार प्रस्तावित हैं।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा से शहरों और गांवों में आसान होगा सफर

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का विस्तार कर रही है। इसके तहत शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बस सेवाएं बढ़ाने, डिजिटल टिकटिंग, यात्री सुरक्षा और इलेक्ट्रिक बसों के संचालन पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश के सात प्रमुख शहरों में 351 बसें संचालित हो रही हैं। इंदौर, भोपाल और जबलपुर की सिटी बसों में 'चलो' मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुक करने की सुविधा उपलब्ध है।

2030-31 तक 15 हजार से अधिक बसों का लक्ष्य

मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड के परिवहन विजन 2030-31 के तहत प्रदेश में 15 हजार से अधिक सार्वजनिक बसें चलाने और पांच हजार से अधिक बस मार्ग विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके माध्यम से प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्रियों को परिवहन सुविधा से जोड़ने की योजना है। साथ ही 180 से अधिक बस डिपो एवं टर्मिनल विकसित किए जाएंगे। चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को बस नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है।

मोबाइल पर मिलेगी बस की लोकेशन

डिजिटल तकनीक के जरिए यात्रियों को बसों की लोकेशन, आगमन-प्रस्थान का समय और निर्धारित मार्ग की जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इंदौर में सिटी बस यात्रियों के लिए बस पास की सुविधा भी है। डिजिटल टिकटिंग और ऑनलाइन भुगतान से टिकट लेने की प्रक्रिया आसान होगी।

अब प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों की जमीन होगी फ्री होल्ड

भोपाल। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों को आवंटित की गई जमीन को फ्री होल्ड करने के नियम बनाकर जारी कर दिए गए हैं। इस बारे में कानूनी प्रावधान कर दिए जाने से उद्योगपतियों की सालों पुरानी मांग मंजूर हो गई है। सरकार ने दीपावली के त्योहार की बेला में उद्योगपतियों को गिफ्ट दे दिया है। इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा गजट नोटिफिकेशन जारी कर नए नियम घोषित कर दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि एमपीआईडीसी के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र तथा मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक भूमि एवं प्रबंधन नियम के अंतर्गत दी गई भूमि पर यह नियम लागू होंगे। किसी भी उद्योग के लिए आवंटित की गई जमीन को फ्री होल्ड करवाने के लिए यह आवश्यक होगा कि संबंधित उद्योग में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया गया हो। इसके साथ ही यह उत्पादन 15 वर्ष तक निरंतर चल रहा हो। इसके अतिरिक्त संबंधित उद्योग पर न तो किसी तरह का शुल्क बकाया हो और न ही उन्हें मेंटेनेंस की राशि देना बाकी हो। एक महत्वपूर्ण शर्त यह भी रखी गई है कि संबंधित जमीन को लेकर कोई विवाद नहीं चल रहा हो। एमपीआईडीसी द्वारा उक्त जमीन को लेकर लीज शर्तों के उल्लंघन या पट्टे की निरस्ती का कोई नोटिस जारी नहीं किया गया हो। इस भूमि पर कोई अतिक्रमण भी नहीं किया गया हो।

सरकार की ओर से जारी किए गए नियम में कहा गया है कि जहां पट्टाधिकार किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था के पक्ष में आवंटित किए गए हों, वहां हस्तांतरण की अनुमति संबंधित समस्त संस्थाओं से लिखित अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त होने के उपरांत ही प्रदान की जाएगी। पट्टाधिकारों का भूमि स्वामी अधिकार (फ्री होल्ड) में हस्तांतरण किए जाने के पश्चात भी इस जमीन पर संचालित उद्योग द्वारा एमपीआईडीसी द्वारा समय-समय पर निर्धारित वार्षिक संधारण शुल्क तथा अन्य वैधानिक प्रभारों का भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा। उक्त शुल्कों, प्रभारों का भुगतान न किए जाने की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा उचित कार्रवाई की जा सकेगी। फ्री होल्ड में हस्तांतरण के पश्चात भूमि पर स्थित अथवा प्रस्तावित किसी भी निर्माण को मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम तथा अन्य समस्त अधिनियमों, नियमों, विनियमों, मानकों एवं मापदंडों के प्रावधानों के अनुरूप होना आवश्यक होगा। सरकार द्वारा यह भी प्रावधान किया गया है कि जिन भूखंडों में पट्टाधिकारों का फ्री होल्ड में हस्तांतरण किया गया हो, उनके ले-आउट प्लान एवं तत्पश्चात भवन अनुज्ञाएं सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी की जाएंगी।

इस तरह होगा फ्री होल्ड

संबंधित उद्योग द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से निर्धारित दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

दतिया में ऑफिस समय में ताश खेलते नायब तहसीलदार का वीडियो वायरल

दतिया। सेवढ़ा तहसील कार्यालय में नायब तहसीलदार रामनरेश का ऑफिस समय में अपने कंप्यूटर पर ताश का खेल खेलते हुए एक वीडियो प्रसारित हुआ है। गुरुवार को वीडियो सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने इसे संज्ञान में लिया है। कलेक्टर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। बताया जाता है कि तहसील कार्यालय पहुंचे एक किसान ने नायब तहसीलदार का यह वीडियो बनाया था, जो बाद में इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया।

बालाघाट
शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पति-पत्नी के विवाद में समझाने पहुंचे चाचा से भतीजे ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 32 नर्मदा नगर में बुधवार की रात पति-पत्नी के बीच हो रहे विवाद को शांत कराने पहुंचे चाचा को भतीजे ने मारपीट कर धक्का दे दिया। नाली में गिरने से चाचा सिर में चोट लगने से घायल हो गया । घायल चंद्रकांत पिता राधेश्याम बाघा? 50 वर्ष 32 नर्मदा का निवासी को परिजनों ने जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए मामला कोतवाली पुलिस को भेज दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार वार्ड 32 नर्मदा नगर निवासी चंद्रकांत बाघाड़े इलेक्ट्रिक का काम करते हैं। उनका भतीजा गौरव बाघाड़ेआए दिन अपनी पत्नी के साथ मारपीट व गाली-गलौज करता रहता है।28 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे चंद्रकांत अपने परिवार के साथ घर में थे,तभी गौरव फिर अपनी पत्नी से मारपीट और गाली-गलौज करने लगा। आवाज सुनकर चंद्रकांत समझाने पहुंचे और भतीजे से कहा कि बहू के साथ मारपीट और गाली-गलौज मत कर.इतना सुनते ही गौरव आवेश में आ गया और अपने चाचा को गालीया देते हुए मारपीट कर धक्का दे दिया। धक्के से चंद्रकांत पास की नाली में गिर गए और सिर में पत्थर लगने से गंभीर चोट आ गई घटना के बाद पत्नी सीमा और परिजन उन्हें मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। जहां भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। जिला अस्पताल पुलिस ने बयान लेकर मामला आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाने भेज दिया है।

जिले में फर्जी डिग्री का दूसरा मामला उजागर, 19 साल से सरकारी नौकरी करता रहा शिक्षक !

पहले स्वास्थ्य विभाग में, अब बिरसा के प्राथमिक शिक्षक की डी.एड अंकसूची विवादों में, कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद हरकत में आया विभाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कथित फर्जी शैक्षणिक दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने और वर्षों तक शासन से वेतन लेने के मामले अब धीरे-धीरे सामने आने लगे हैं। कुछ समय पहले स्वास्थ्य विभाग में बिरसा के पूर्व बीएमओ डॉ. सुनील सिंह की शैक्षणिक योग्यता को लेकर मामला सुर्खियों में रहा था, वहीं अब शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षक की डी.एड अंकसूची को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बिरसा विकासखंड की प्राथमिक शाला करियाटोला में पदस्थ शिक्षक महादेव मरकाम की डी.एड अंकसूची को शिकायत में गलत बताया गया है। इस मामले में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग शकुंतला डामोर ने उनकी सेवा समाप्त करने के संबंध में नियुक्ति संस्था जनपद पंचायत बिरसा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र जारी किए जाने की जानकारी दी है। बताया जाता है कि महादेव मरकाम की नियुक्ति वर्ष 2007 में जनपद पंचायत स्तर पर संविदा शाला शिक्षक श्रेणी-3 के अंतर्गत हुई थी। ऐसे में सवाल यह है कि जिस शैक्षणिक दस्तावेज को लेकर वर्षों से शिकायतें की जा रही थीं, उसकी जांच और कार्रवाई में इतना लंबा समय क्यों लग गया ?

इस पूरे मामले की शिकायत ग्राम पहेला निवासी चित्रसेन राहंगडाले द्वारा वर्ष 2011 से लगातार की जा रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने महादेव मरकाम की डी.एड अंकसूची को लेकर संबंधित अधिकारियों के समक्ष कई बार आपत्ति दर्ज कराई थी और न्यायालय की शरण भी ली थी। उनका दावा है कि न्यायालय में भी अंकसूची को गलत ठहराया गया, लेकिन इसके बावजूद संबंधित स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि विभागीय स्तर पर मामले को गंभीरता से नहीं लिए जाने के

कारण महादेव मरकाम वर्ष 2011 से 2026 तक शिक्षा विभाग में सेवाएं देते रहे और इस अवधि में शासन से वेतन प्राप्त करते रहे।हालांकि, न्यायालय के आदेश और दस्तावेजों की वास्तविक स्थिति की आधिकारिक पुष्टि संबंधित अभिलेखों के आधार पर किया जाना आवश्यक है। शिकायतकर्ता लगातार सीएम हेल्पलाइन, जिला कलेक्टर और जनसुनवाई के माध्यम से कार्रवाई की मांग करते रहे, लेकिन उनका कहना है कि लंबे समय तक उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। इसी क्रम में उन्होंने 27 अक्टूबर को जनसुनवाई में एक बार फिर मामला उठाया और 29 अक्टूबर को मीडिया को भी इसकी जानकारी दी। मामले को लेकर मीडिया द्वारा संबंधित अधिकारियों से चर्चा किए जाने के बाद घटनाक्रम ने नया मोड़ लिया। बिरसा विकासखंड के बीआरसी नंदकिशोर टेकाम ने प्रकरण को स्थापना शाखा से संबंधित बताते हुए इसे अपने स्तर का मामला नहीं बताया। वहीं, जनपद पंचायत के बीडीओ श्री बघेल ने मामले की जानकारी नहीं होने की बात कहते हुए 15 दिनों के भीतर जांच कराने की बात कही। दूसरी ओर, 29 अक्टूबर को सहायक आयुक्त शकुंतला डामोर से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन शुरुआती प्रयासों में संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद जिला कलेक्टर आदित्य सिंह से चर्चा की गई। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की बात कही। इसके बाद सहायक आयुक्त की ओर से संपर्क कर बताया गया कि मामला बीएड की अंकसूची से जुड़ा है और महादेव मरकाम की नियुक्ति जनपद पंचायत बिरसा स्तर पर होने के कारण उनकी सेवा समाप्ति की कार्रवाई के लिए जनपद पंचायत के सीईओ को पत्र जारी किया गया है। अब देखना होगा कि पत्र जारी होने के बाद संबंधित नियुक्ति संस्था कब तक नियमानुसार निर्णय लेती है और इतने वर्षों तक शिकायतों के बावजूद कार्रवाई लंबित रहने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होती है या नहीं।

अब दस्तावेजों के सत्यापन पर उठने लगे सवाल

यह मामला केवल एक शिक्षक की नियुक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी भर्तियों में शैक्षणिक दस्तावेजों के सत्यापन और शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। जिले में स्वास्थ्य विभाग के कुछ अन्य कर्मचारियों, विशेषकर एएनएम की नियुक्तियों में भी कथित तौर पर दस्तावेजों को लेकर चर्चाएं सामने आ रही हैं, हालांकि इन मामलों की स्वतंत्र पुष्टि और आधिकारिक जांच आवश्यक है।यदि किसी कर्मचारी ने गलत दस्तावेजों के आधार पर नौकरी प्राप्त की है, तो नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए; वहीं, बिना जांच किसी को दोषी ठहराना भी उचित नहीं है।ऐसे में संबंधित विभागों को नियुक्ति के समय प्रस्तुत शैक्षणिक प्रमाणपत्रों और अन्य दस्तावेजों का नियमानुसार सत्यापन कराने के साथ पुरानी शिकायतों की समीक्षा भी करनी चाहिए। साथ ही यह भी तय होना चाहिए कि किसी शिकायत पर वर्षों तक कार्रवाई नहीं होने के पीछे लापरवाही थी या कोई अन्य कारण। अब निगाहें जनपद पंचायत बिरसा की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं, क्योंकि सवाल सिर्फ एक शिक्षक की सेवा समाप्ति का नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था में दस्तावेजों की विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का भी है।

बावनथड़ी नदी में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, रेत से भरी तीन ट्रॉलियां जब्त

एसडीएम विजय सिंह यादव के निर्देश पर राजस्व और पुलिस अमले ने की कार्रवाई, अवैध उत्खनन के रास्ते को जेसीबी से कराया बंद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार 29 अक्टूबर को बोनकट्टा ग्राम में बावनथड़ी नदी से अवैध रेत उत्खनन की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग ने कार्रवाई की। मौके से रेत से भरी तीन ट्रॉलियां जब्त कर

थाना तिरोड़ी की सुपुर्दगी में रखवाई गईं। साथ ही अवैध रेत उत्खनन के लिए बनाए गए रास्ते को जेसीबी की मदद से गहरे गड्ढे खुदवाकर बंद कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटंगी श्री विजय सिंह यादव को गुरुवार दोपहर बोनकट्टा ग्राम में बावनथड़ी नदी से अवैध रेत उत्खनन किए जाने की सूचना मिली थी। इस पर उन्होंने तहसीलदार तिरोड़ी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसीलदार के निर्देश पर पटवारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की पुष्टि की तथा अवैध रेत परिवहन में संलिप्त तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के संबंध में अधिकारियों को जानकारी दी।

सूचना मिलने पर एसडीएम ने थाना प्रभारी तिरोड़ी को पुलिस बल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और स्वयं तहसीलदार के साथ मौके पर पहुंचे। हालांकि, राजस्व अमले और पुलिस बल के पहुंचने से पहले ही उत्खनन में संलिप्त लोग ट्रैक्टर लेकर वहां से जा चुके थे। मौके पर रेत से भरी तीन ट्रॉलियां मौजूद थीं। आसपास ट्रैक्टरों के पहियों के निशान भी मिले।

इसके बाद एसडीएम ने ग्रामीणों की सहायता से ट्रैक्टरों की व्यवस्था कर रेत से भरी तीनों ट्रॉलियों को थाना तिरोड़ी भिजवाया। प्रशासन ने अवैध उत्खनन के लिए बनाए गए रास्ते को जेसीबी से गहरे गड्ढे खुदवाकर बंद करा दिया, ताकि इस मार्ग से दोबारा रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन नहीं किया जा सके।

एसडीएम विजय सिंह यादव ने बताया कि अवैध उत्खनन की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। बोनकट्टा में सूचना मिलने पर भी तत्काल कार्रवाई की गई है। अवैध परिवहन में संलिप्त तीन ट्रॉलियों को थाना तिरोड़ी की सुपुर्दगी में रखा गया है तथा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई के दौरान थाना तिरोड़ी के उपनिरीक्षक दादूराम पटले, पटवारी प्रहलाद सहित अन्य राजस्व अमला मौजूद रहा।

एसपी आदित्य मिश्रा देवास रवाना, एएसपी नितेश भार्गव को सौंपा पुलिस अधीक्षक का प्रभार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा का देवास स्थानांतरण होने के बाद अब बालाघाट में नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। 27 अक्टूबर को जारी तबादला आदेश में आदित्य मिश्रा को देवास जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके बाद 29 अक्टूबर को उन्होंने बालाघाट पुलिस अधीक्षक का प्रभार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव को सौंपा और देर शाम देवास के लिए रवाना हो गए। उनके जिले से विदा होने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि बालाघाट जिले की पुलिस व्यवस्था की स्थायी कमान किस अधिकारी को सौंपी जाएगी। फिलहाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव को प्रभार सौंपे जाने के बाद सभी की निगाहें शासन स्तर से जारी होने वाले अगले आदेश पर टिकी हुई हैं। इधर, 28 अक्टूबर की देर रात आईपीएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी होने के बाद भी बालाघाट पुलिस अधीक्षक के नाम की घोषणा नहीं हुई। इस सूची में जिले के लिए नए पुलिस अधीक्षक का नाम शामिल नहीं होने से नियुक्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। सामान्य तौर पर किसी जिले के पुलिस अधीक्षक के स्थानांतरण के बाद नए अधिकारी की नियुक्ति को लेकर जल्द आदेश जारी होने की उम्मीद रहती है, लेकिन बालाघाट के मामले में फिलहाल इंतजार बना हुआ है। ऐसे में पुलिस विभाग के साथ-साथ आम लोगों की नजरें भी इस बात पर लगी हैं कि शासन कब तक जिले के नए पुलिस अधीक्षक के नाम पर मुहर लगाता है। नए पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति को लेकर फिलहाल अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि आगामी दो से तीन दिनों में नई सूची जारी हो सकती है, जबकि अन्य चर्चाओं में नियुक्ति को लेकर अनिश्चितता जताई जा रही है। हालांकि, इन अटकलों के बीच शासन की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है। ऐसे में नए एसपी की नियुक्ति की समयसीमा या संभावित अधिकारी के नाम को लेकर अभी कुछ भी निश्चित रूप से कहना संभव नहीं है। अब देखना होगा कि बालाघाट को जल्द नया पुलिस अधीक्षक मिलता है या अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव ही कुछ समय तक प्रभार संभालते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट